नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में रोहित से ज्यादा...



www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 03 नवंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 248, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

साइक्लोन अनर्ब के बाद अब चक्रवातों का डबल अटैक?

आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ा 'मुरासु'; 120 KM की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, अलर्ट जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

अनर्ब से ऊभर ही रहे हैं कि बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवात 'मुरासु' अब और ताकतवर हो गया है। समुद्र में आगे बढ़ते इस तूफान ने गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले लिया है। इसके आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने से खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के तट से टकराने के दौरान हवाओं की रफ्तार 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जबकि तेज झोंकों के साथ यह 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। ऐसे में तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। IMD के मुताबिक, चक्रवात 'मुरासु' पिछले 6 घंटों में करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है। 2 नवंबर की सुबह 2:30 बजे यह चेन्नई से करीब 260 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। इसके 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की प्रबल संभावना है।

आधी रात से सुबह तक तट पार करने का अनुमान : IMD के अनुसार, तूफान 2 नवंबर की सुबह 2:30 बजे 13.6 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 82.5 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास था। सुबह 5:30 बजे तक यह चेन्नई से करीब 200 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व और नेल्लोर से 210 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में पहुंच गया था।

एलुरु, कृष्णा, एनटीआर, पश्चिम गोदावरी, गुंटूर, बापटला, नेल्लोर और प्रकाशम जिलों में तेज बारिश की आशंका है। तेलंगाना में दो नवंबर से बारिश की गतिविधियां तेज होने का अनुमान है। तीन नवंबर को राज्य के कुछ हिस्सों में अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी और दक्षिणी जिलों में इसका प्रभाव अधिक रहने की संभावना है। वहीं, तमिलनाडु और पुडुचेरी में एक से तीन नवंबर के बीच मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। चक्रवात के प्रभाव से दक्षिणी ओडिशा के गजपति, गंजाम, कोरापुट और रायगढ़ा जिलों में दो से चार नवंबर के बीच भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ में दो नवंबर को भारी बारिश हो सकती है, जबकि तीन और चार नवंबर को बारिश की गतिविधियां और तेज होने का अनुमान है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत के असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में पांच नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।



समुद्र में उठ सकती हैं ऊंची लहरें

IMD के मुताबिक, तट से टकराने के दौरान समुद्र में करीब 1 मीटर ऊंची तूफानी लहरें उठ सकती हैं। बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों के निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा है। आंध्र प्रदेश के तट पर समुद्र बेहद अशांत रहने का अनुमान है। मछुआरों को 4 नवंबर की दोपहर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

आत्मपरिवर्तन राष्ट्र निर्माण की आधारशिला : जेपी नड्डा



नई दिल्ली। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी एवं अखंड दीप शताब्दी महोत्सव के तीसरे दिन आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राष्ट्र निर्माण के संकल्पों की अनूठी छटा देखने को मिली। समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने आत्मपरिवर्तन को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने गायत्री मंत्र को नैतिक पतन के विरुद्ध सुरक्षा कवच बताते हुए आंतरिक परिष्कार से युग परिवर्तन का आह्वान किया। समारोह का शुभारंभ देव संस्कृति विश्वविद्यालय की छात्राओं की मनोहारी समूह नृत्य प्रस्तुतियों से हुआ। छात्राओं ने 'अब नवयुग की गंगोत्री से बही ज्ञान की धारा है' भक्ति गीत और 'लागी रे लगन ओ मां की' प्रज्ञागीत पर भावपूर्ण प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुदेव एवं माताजी के आदर्शों और युग निर्माण की चेतना को जीवंत किया गया। समारोह के दूसरे सत्र में जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की तप-साधना, करुणा और लोकमंगल के प्रति समर्पण तथा वंदनीया माताजी का त्यागपूर्ण मातृत्व संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने व्यक्ति के आत्मपरिष्कार, परिवार में श्रेष्ठ संस्कारों के संवर्धन तथा अपनी सामर्थ्य और संसाधनों को समाज एवं राष्ट्र के कल्याण में समर्पित करने के तीन प्रमुख संकल्पों पर विशेष बल दिया।

उन्होंने कहा कि साधना केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में भी प्रकट होनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि नारी शक्ति, युवा शक्ति और सामाजिक शक्ति की संगठित सहभागिता से ही राष्ट्र निर्माण के संकल्प साकार होंगे। आत्मपरिवर्तन के माध्यम से व्यक्ति अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। जन्मशताब्दी समारोह के देव संस्कृति विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि अराजकता, अधर्म और नैतिक पतन के वातावरण में गायत्री मंत्र मनुष्य को भटकाव से बचाकर विवेक, सद्बुद्धि और श्रेष्ठ आचरण की दिशा प्रदान करता है।

वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत शिकायत निवारण नियम अधिसूचित

एजेंसी। नई दिल्ली

अब 15 दिनों के भीतर करना होगा शिकायतों का निपटारा

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत वीबी-जी राम जी शिकायत निवारण नियम 2026 अधिसूचित किए हैं। इन नियमों के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित, बहुस्तरीय और समयबद्ध व्यवस्था स्थापित की गई है। इसके तहत

शिकायतों की जांच 7 दिनों में और निपटारा 15 दिनों के भीतर करना होगा : इनका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है, ताकि नागरिकों की समस्याओं पर समय रहते ध्यान दिया जा सके और उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो। इन नियमों के तहत राज्य सरकारों द्वारा ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर समयबद्ध, बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित की जाएगी। संबंधित स्तरों पर नामित शिकायत निवारण अधिकारी शिकायतें प्राप्त करने, उनका पंजीकरण करने, जांच करने और उनका निपटारा करने के लिए जिम्मेदार होंगे। जिला कार्यक्रम समन्वयक जिला स्तर पर शिकायत निवारण व्यवस्था की निगरानी करेंगे। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि शिकायतों का समाधान निर्धारित व्यवस्था और शिकायत निवारण के लिए विकसित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से किया जाए। शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कोई भी व्यक्ति योजना के क्रियान्वयन से जुड़े किसी भी मामले में शिकायत कर सकता है। नियमों के तहत शिकायत दर्ज कराने के लिए कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं-

- नामित शिकायत निवारण अधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से शिकायत दर्ज कराना।
- डिलीवरी के प्रमाण के साथ स्पीड पोस्ट के माध्यम से शिकायत भेजना।
- केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित शिकायत निवारण के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से शिकायत दर्ज कराना।
- टेलीफोन, निर्धारित हेल्पलाइन या राज्य सरकार द्वारा तय किसी अन्य माध्यम से शिकायत करना।

ग्राम पंचायत, ब्लॉक या जिला स्तर पर भौतिक रूप से प्राप्त शिकायतों को उसी दिन निर्धारित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दर्ज और पंजीकृत करना होगा। यदि ऐसा करना संभव न हो, तो अगले कार्य दिवस तक उनका पंजीकरण अनिवार्य होगा।

शिकायत का पंजीकरण होने पर शिकायतकर्ता को एक पावती दी जाएगी। इसमें पंजीकरण संख्या, शिकायत प्राप्त होने की तारीख और शिकायत प्राप्त करने वाले अधिकारी का पदनाम दर्ज होगा। डिजिटल माध्यम से प्राप्त शिकायतों के लिए पावती इलेक्ट्रॉनिक रूप में और भौतिक रूप से प्राप्त शिकायतों के लिए पावती भौतिक रूप में दी जाएगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि शिकायत के प्रारूप, भाषा, उसे प्रस्तुत करने के तरीके या किसी प्रक्रियागत कमी के आधार पर उसका पंजीकरण करने से इनकार नहीं किया जा सकेगा। इस प्रावधान से यह सुनिश्चित होगा कि प्रक्रियागत औपचारिकताओं के कारण किसी भी नागरिक को शिकायत निवारण व्यवस्था का लाभ लेने से वंचित न होना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया ने 52 वें एयर फोर्स वाइस चीफ का पद संभाला



नई दिल्ली। नए वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित के कार्यभार संभालने के बाद एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया ने 52वें वाइस चीफ का पद संभाल लिया है। फाइटर स्ट्रीम में कमीशन हुए एयर मार्शल के पास अपने तीन दशकों से अधिक के करियर में मिग-21, मिग-23, मिग-27, जगुआर और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों पर 3200 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। उन्होंने देश के लिए सबसे बड़ा बलिदान देने वालों के सम्मान में नेशनल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें सेरेमोनियल गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वायु सेना में 11 जून 1988 को फाइटर स्ट्रीम में कमीशन हुए एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला और वायु सेना अकादमी, डुंडीगुल के पूर्व छात्र हैं। वह एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स, यूनाइटेड किंगडम और नेशनल डिफेंस कॉलेज, बांग्लादेश के पूर्व छात्र भी हैं। उनके पास रक्षा और सामरिक अध्ययन में तीन स्नातकोत्तर डिग्री हैं। अपने तीन दशकों से अधिक के करियर में उन्होंने भारतीय वायु सेना के विभिन्न लड़ाकू विमान उड़ाए हैं, जिनमें मिग-21, मिग-23, मिग-27, जगुआर और एसयू-30 एमकेआई के विभिन्न प्रकार शामिल हैं।

पंजाब में आप की बगावत तेज: दो दिन में तीन विधायकों ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर राजनीतिक असंतोष बढ़ता जा रहा है। पार्टी की पहली उम्मीदवार सूची जारी होने के बाद बगावत तेज हो गई है। दो विधायकों के पार्टी छोड़ने के अगले ही दिन अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने भी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दो दिनों में तीन विधायकों के अलग होने से पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कुंवर विजय प्रताप सिंह ने एक नवंबर 2026 को अपना इस्तीफा पंजाब विधानसभा के स्पीकर को भेजा। उन्होंने ई-मेल, वाट्सएप और भारतीय डाक के माध्यम से इस्तीफा भेजा है। खास बात यह है कि उन्होंने इस प्रक्रिया में पार्टी नेतृत्व को शामिल नहीं किया। अपने पत्र में उन्होंने एक नवंबर से सदन की सदस्यता छोड़ने की बात कही है। कुंवर विजय प्रताप सिंह ने इस्तीफे के पीछे कोई राजनीतिक या व्यक्तिगत कारण स्पष्ट नहीं किया। हालांकि सोशल मीडिया पर अमृतसर की जनता के नाम संदेश जारी कर उन्होंने अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने जनता से मिले प्यार और सम्मान के लिए आभार जताया। अपने संदेश में उन्होंने पंजाब में नशा, फिरौती, गैंगस्टरवाद और भ्रष्टाचार को गंभीर समस्याएं बताते हुए इनके खिलाफ सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने दावा किया कि विधायक के रूप में अपने 90 प्रतिशत लक्ष्य पूरे कर चुके हैं। कुंवर विजय प्रताप सिंह 1998 बैच के पंजाब कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने 12 अप्रैल 2021 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ली थी।

दिल्ली की 70 सीटों पर जदयू की तैयारी तेज, संगठन विस्तार पर जोर

नीतीश कुमार के विकास मॉडल को घर-घर पहुंचाने का लक्ष्य : शैलेन्द्र कुमार

नई सोच एक्सप्रेस/ नई दिल्ली



जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने दिल्ली में संगठन विस्तार और आगामी चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पार्टी सभी 70 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करने और जनसंपर्क अभियान चलाने की रणनीति बना रही है। वार्ड एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर पार्टी अपनी राजनीतिक उपस्थिति मजबूत करने में जुटी है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विकास मॉडल और सुशासन की नीतियां कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचली समाज के बीच भी जदयू अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार के विचारों और विकास नीतियों को दिल्ली के घर-घर तक पहुंचाना पार्टी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचली समाज का विश्वास जदयू की ताकत है। पार्टी संगठन को सभी 70 सीटों पर मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जदयू एनडीए गठबंधन के तहत दिल्ली की जनता की सेवा तथा पूर्वांचली समाज के हक और सम्मान की लड़ाई को आगे बढ़ाएगी।

राजनीतिक आयोजन खत्म हो जाते हैं, लेकिन व्यापारिक नुकसान लंबे समय तक रहता है: दिल्ली व्यापार महासंघ

एजेंसी। नई दिल्ली



दिल्ली व्यापार महासंघ (डीवीएम) ने सोमवार को बीते 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया ब्लॉक की रैली के बाद व्यापार जगत का दृष्टिकोण सामने रखते हुए कहा है कि यह आयोजन राजनीतिक दलों के लिए अपनी बात रखने और शक्ति प्रदर्शन का अवसर रहा होगा, लेकिन दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के लिए इसने कई आर्थिक चिंताएं और सवाल छोड़ दिए हैं। संगठन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण कारोबारी सीजन के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति और व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ना चिंता का विषय है। डीवीएम ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली के थोक बाजार केवल राजधानी की अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि देशभर के लाखों छोटे व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े कारोबारियों की आजीविका का आधार हैं। ऐसे में त्योहारी सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा का प्रभाव दिल्ली तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। महासंघ ने कहा कि रैली के कारण कारोबारी मौसम के महत्वपूर्ण दिनों में बाजारों की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं। दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले छोटे व्यापारियों की खरीदारी और व्यापारिक योजनाओं पर असर पड़ा। साथ ही दुकानदारों, कर्मचारियों, मजदूरों, ट्रांसपोर्टरों और उनसे जुड़े परिवारों की आय भी प्रभावित हुई। संगठन ने आगे बताया कि दिल्ली के प्रमुख बाजारों की सामान्य कारोबारी व्यवस्था और उनकी व्यापारिक छवि को भी झटका लगा। इसके अलावा, ग्राहकों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या अन्य व्यापारिक केंद्रों की ओर रुख करने की संभावना भी बढ़ी, जो लंबे समय में स्थानीय कारोबार के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि डीवीएम ने यह भी माना कि इस पूरे घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। संगठन के मुताबिक, दिल्ली के व्यापारिक समुदाय की समस्याओं और चिंताओं को व्यापक सार्वजनिक चर्चा का विषय बनने का अवसर मिला। इसके साथ ही देश की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति व्यवस्था में दिल्ली के थोक बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका एक बार फिर प्रमुखता से सामने आई।

नौसेना के लिए बनाए जाएंगे अगली पीढ़ी के आठ कॉर्वेट, 53.86 करोड़ रुपये का अनुबंध

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के आठ कॉर्वेट खरीदे जाएंगे, जिनके लिए सोमवार को रक्षा मंत्रालय ने 53,866.50 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए हैं। नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में यह अनुबंध गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ किया गया है। इनमें से पांच कॉर्वेट जीआरएसई बनाएगा, जबकि बाकी तीन कॉर्वेट का निर्माण जीएसएल करेगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रोजेक्ट भारत की स्वदेशी वॉरशिप डिजाइन और कंस्ट्रक्शन क्षमताओं में एक अहम मील का पत्थर है। यह पहला प्रोजेक्ट है, जिसमें जहाजों को भारतीय नौसेना खुद स्वदेशी रूप से डिजाइन करेगी और एक प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए चुने गए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बनाएंगे। इन कॉर्वेट में एडवांस्ड मिसाइल, हथियार और सेंसर सूट जैसी आधुनिक क्षमताएं होंगी, जिससे वे हवा, सरफेस और सब-सरफेस डोमेन में मिशन कर सकेंगी। इन जहाजों के समुद्री बेड़े में शामिल होने के बाद नौसेना की ऑपरेशनल क्षमता में काफी बढ़ोतरी होगी, जैसे समुद्री ट्रेड रूट्स की सुरक्षा, एंटी-सरफेस और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर ऑपरेशन करना, कोस्टल डिफेंस को मज़बूत करना, लिटोरल कॉम्बैट ऑपरेशन करना और समुद्री प्रेजेंस और सर्विलांस मिशन करना।

भारत और अमेरिका के बीच जल्द हो सकता है बड़ा व्यापार समझौता

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंध एक नए स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर चुके हैं। दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्ते वर्तमान समय में अपने सबसे सुदृढ़ स्तर पर हैं। विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान यह रेखांकित किया गया है कि फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग समेत हर प्रमुख क्षेत्र में दोनों देश अभूतपूर्व प्रगति कर रहे हैं। दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व लगातार संवाद बनाए हुए है, और उच्चस्तरीय यात्राओं का सिलसिला भी लगातार जारी है। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के संबंध में बेहद सकारात्मक संकेत मिले हैं। यह व्यापार समझौता काफी समय से



अंतिम चरण के करीब बना हुआ है और इसे जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने के प्रयास तेजी से चल रहे हैं। अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों की तुलना करते हुए यह भी कहा गया है कि कई व्यापारिक वार्ताओं में दशकों लग जाते हैं, जबकि भारत और अमेरिका के बीच इस विषय पर केंद्रित वार्ता को अभी अपेक्षाकृत कम समय हुआ है। दोनों देशों की वार्ताकार टीमें आपसी व्यापारिक अड़चनों को दूर कर इस समझौते को सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मंगलवार को पुणे मेट्रो की 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन और करीब 13,500 करोड़ रुपये की लागत वाले दूसरे चरण की चार लाइनों का शिलान्यास शामिल है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 3 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वह सभा को भी संबोधित करेंगे। करीब 23 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन मान से जिला न्यायालय मेट्रो स्टेशन तक जाएगी। यह पुणे के प्रमुख आईटी केंद्र हिंजेवाड़ी को शिवाजीनगर से जोड़ेगी। इससे आईटी क्षेत्र में काम करने वाले हजारों पेशेवरों और अन्य यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस लाइन का संचालन पूरी तरह महिला ट्रेन चालकों द्वारा किया जाएगा। परियोजना की एक अन्य विशेषता यह है कि इसकी कुल बिजली जरूरत का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा किया जाएगा। मोदी पुणे मेट्रो के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखेंगे। लगभग 13,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस चरण में लाइन 2ए, 2बी, 4 और 4ए का निर्माण किया जाएगा। इनसे शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक और आईटी क्षेत्रों तक मेट्रो संपर्क का विस्तार होगा। दूसरे चरण के तहत लाइन 2ए वनाज से चांदनी चौक और लाइन 2बी रामवाड़ी से विट्ठलवाड़ी को जोड़ेगी। इन दोनों लाइनों की कुल लंबाई लगभग 12.75 किलोमीटर होगी। वहीं, 25.52 किलोमीटर लंबी लाइन-4 खराड़ी से खड़कवासला और 6.12 किलोमीटर लंबी लाइन-4ए नल स्टॉप से मानिक बाग तक जाएगी। इन नए गलियारों से खराड़ी, मगरपट्टा, हड़पसर, स्वारगेट, मानिक बाग, नांदेड़ सिटी, पुणे छावनी और वारजे जैसे क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

गंगा जल समझौते पर बांग्लादेश में सियासी गर्मी, भारत के ट्रांजिट पर रोक लगाने की मांग

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख नाहिद इस्लाम ने गंगा नदी के जल बंटवारे को लेकर भारत को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि बांग्लादेश को गंगा के पानी में उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता है, तो भारत को बांग्लादेश के रास्ते सामानों की आवाजाही और ट्रांजिट की सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर उनकी पार्टी फरक्का तक एक बार फिर लंबा मार्च निकालने के लिए तैयार है। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को भी चेतावनी दी कि यदि उसने भेदभावपूर्ण रवैया जारी रखा, तो उसे भी अवामी लीग जैसी राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। बांग्लादेश के



अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र 'द डेली स्टार' के अनुसार, नाहिद इस्लाम ने रविवार को ढाका के खमारबारी स्थित कृषिबिद इंस्टीट्यूशन बांग्लादेश में 'जातीय जुबो शक्ति' की ओर से आयोजित राष्ट्रीय युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ बांग्लादेश के संबंधों का आधार पानी का उचित बंटवारा और सीमा सुरक्षा होना चाहिए। नाहिद ने कहा, "अगर बांग्लादेश को पानी नहीं मिलता है, तो भारतीय सामान भी बांग्लादेश में नहीं आ पाएंगे। कोई कॉरिडोर नहीं होगा और कोई ट्रांजिट नहीं होगा।" उन्होंने भारत को किसी भी तरह की गैरकानूनी कॉरिडोर या ट्रांजिट सुविधा देने का विरोध करते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में बांग्लादेश के राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। गंगा जल बंटवारा संधि दिसंबर में समाप्त होने वाली है। इसे देखते हुए एनसीपी प्रमुख ने कहा कि नए समझौते में बांग्लादेश के हिस्से के पानी की गारंटी के साथ नदी में नौवहन की सुविधा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने मौलाना अब्दुल हामिद खान भाषानी के ऐतिहासिक फरक्का मार्च का उल्लेख किया और कहा कि उनकी पार्टी भी जरूरत पड़ने पर फरक्का की ओर एक और लंबा मार्च आयोजित करेगी।

झुंझुनूं में भीषण हादसा: करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत, 3 गंभीर

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के छापोली गांव में सड़क निर्माण के दौरान दर्दनाक हादसे ने आठ परिवारों की खुशियां छीन लीं। कदम कुंड की ओर जाने वाले रास्ते पर सड़क बनाने का काम चल रहा था, तभी रोड़ी मिलाने वाली मशीन ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। मशीन में करंट फैलते ही वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि आठ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दर्दनाक घटना ने पूरे गांव में मातम पसरा दिया है। बताया जा रहा है कि मशीन के हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आते ही काम की जगह पल भर में मौत के मंजर में बदल गई। किसी को संभालने का मौका तक नहीं मिला और देखते ही देखते आठ जिंदगियां लील गईं। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए, जहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे तीनों मजदूरों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। एक साथ इतने मजदूरों की मौत से उनके परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और आसपास के क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

रूस-यूक्रेन पर बड़ा साइबर हमला, इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम हुआ हैक

मॉस्को/कीव। रूस और यूक्रेन के आपातकालीन चेतावनी ऐप साइबर हमलों का निशाना बने हैं। दोनों देशों के लोगों को इन ऐप के जरिए ऐसी सूचनाएं मिलीं, जिनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं था। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने सोमवार सुबह टेलीग्राम पर अपने ऐप पर बड़े साइबर हमले की जानकारी दी। यूक्रेन ने भी बताया कि उसके हवाई हमले से जुड़े अलर्ट ऐप को निशाना बनाया गया है। हालांकि, दोनों घटनाओं के पीछे कौन है, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। रूस में जिस ऐप पर हमला हुआ, उसका इस्तेमाल लोगों को ड्रोन हमलों के खतरे से आगाह करने के लिए किया जाता है। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसमें गलत सूचनाएं दिखाई देने लगी थीं। यूक्रेन में भी कीव और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को मोबाइल पर फर्जी चेतावनियां मिलीं। इन मैसेजेस में परमाणु और रासायनिक हमले के खतरे के साथ सड़कों पर गोलीबारी होने जैसी बातें कही गई थीं। यूक्रेन के अलर्ट ऐप पर आए एक मैसेज में कहा गया कि रूस ने ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल तैनात कर दी है। यूक्रेन की वायुसेना ने इस दावे को गलत बताया और कहा कि इलाके में विकिरण का कोई खतरा नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई में मंत्री सुनील कुमार ने सुनीं लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। इस दौरान लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और क्षेत्रीय समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री सुनील कुमार ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बात की और समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। जनसुनवाई कार्यक्रम के समन्वय की जिम्मेदारी प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने निभाई। इस दौरान वे भी उपस्थित रहे।

नीतीश कुमार ने महावीर चौधरी की 98वीं जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के पिता तथा पूर्व मंत्री स्व. महावीर चौधरी की 98वीं जयंती समारोह में शामिल हुए। पटना के 2, पोलो रोड स्थित आवास पर आयोजित समारोह में उन्होंने स्व. महावीर चौधरी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने स्व. महावीर चौधरी के योगदान को याद किया। समारोह में बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता एवं विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ, मंत्री अशोक चौधरी, नीता चौधरी, सायन कुणाल, सांसद शांभवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अक्टूबर-26 में दानापुर मंडल के सेवानिवृत्त 19 रेलकर्मियों का किया गया "समापक भुगतान"

पटना। अक्टूबर-26 में सेवानिवृत्त हुए 19 रेलकर्मियों के लिए, दानापुर मंडल के सभागार में सोमवार को"समापक भुगतान समारोह"आयोजित किया गया। इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त 19 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर, विनोद कुमार ने अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी, अतुल कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने "समापक भुगतान" की राशि को असुरक्षित जगहों पर निवेश ना करें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को एक्युप्रेशर,होमियोपैथ एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपुर्वक बताया गया। इस मौके पर मंडल के सभी विभागों के अधिकारीगण एवं ईसीआरइयू ,एआईओबीसीआरई एवं एससी/एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

गोबरसही गैस पाइपलाइन ब्लास्ट के मृतक के परिजनों को मुआवजा और आश्रित को नौकरी दे सरकार : राजेश राम

» मुजफ्फरपुर हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग, घायलों के इलाज और क्षतिग्रस्त मकानों के मुआवजे की भी उठाई मांग

पटना। मुजफ्फरपुर के गोबरसही में गैस पाइपलाइन ब्लास्ट की घटना में युवक निवास सिंह की मौत पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने राज्य सरकार से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। राजेश राम ने कहा कि हादसे में घायल हुए सभी लोगों के समुचित इलाज की व्यवस्था सरकार सुनिश्चित करे और उन्हें भी उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए सवाल उठाया कि आखिर किसकी अनुमति से घटनास्थल पर खुदाई का कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हादसे में जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके नुकसान का आकलन कर सरकार उचित मुआवजा दे। पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने मृतक निवास सिंह के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में बिहार कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी



पटना। राजधानी पटना में आज पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक विशाल जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रेम यूथ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई गई पेंटिंग और पोस्टर के माध्यम से पूरी दुनिया को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। पेड़ लगाकर कार्यक्रम का सुरुआत किया गया । पर्यावरण संरक्षण के नारों वाले पोस्टर बनाया गया । पोस्टर में एक तरफ फैक्ट्रियों के धुएं से मरती धरती और दूसरी तरफ हरे-भरे पेड़ों से जिंदा धरती का अंतर बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है। पेड़ के नीचे हाथों पर टिकी धरती यह बता रही है कि धरती की सुरक्षा हमारे ही हाथों में है। छात्राओं की पेंटिंग बनी आकर्षण का केंद्रः छात्राओं ने बताया कि उन्होंने रात भर जागकर ये पेंटिंग बनाई हैं। पेंटिंग में दिखाया गया है कि कैसे इंसान खुद ही अपनी धरती को जलाकर खत्म कर रहा है और अगर अभी नहीं जागे तो भविष्य में सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। प्रेम यूथ फाउंडेशन का 1 लाख पौधा लगाने का लक्ष्य इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि ये बेटियां ही असली पर्यावरण की ब्रांड एंबेसडर हैं। आज पूरा बिहार बाढ़, गर्मी और प्रदूषण से जूझ रहा है। इसका एक ही समाधान है - अधिक से अधिक पौधे लगाना। हमारा फाउंडेशन पूरे बिहार में 1 लाख पीपल, बरगद और नीम के पौधे लगाने का संकल्प ले चुका है और इसकी शुरुआत राजधानी से ही हो रही है। प्लास्टिक मुक्त कैंपस का संकल्प कॉलेज के प्राचार्य ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि फाउंडेशन परिसर को जल्द ही घोषित किया जाएगा। हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाना अनिवार्य किया जाएगा। पटना के युवाओं की सोच में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत है। जहां युवा अक्सर मोबाइल और सोशल मीडिया में व्यस्त रहते हैं, वहीं स्वयसेवको का धरती के लिए सड़क पर उतरना एक नई उम्मीद जगाता है।

बिहार की 49,751 करोड़ की सड़क परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध

नई सोच एक्सप्रेस



» मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात, गोरखपुर-सिलीगुड़ी और रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे को लेकर भी चर्चा

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर बिहार में सड़क एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री के आवास पर हुई उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने बिहार के सड़क नेटवर्क को मजबूत करने और लंबित परियोजनाओं को शीघ्र शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य में सड़क एवं आधारभूत संरचना के विकास में निरंतर सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने 49,751 करोड़ रुपये की लागत वाली लगभग 330 किलोमीटर लंबाई की चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को कैबिनेट कमिटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) से शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं को सार्वजनिक निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) से मंजूरी मिल चुकी है और वर्तमान में ये सीसीईए की अंतिम स्वीकृति के लिए विचाराधीन हैं। इन परियोजनाओं से बिहार में यातायात सुगम होने, लॉजिस्टिक्स लागत कम होने और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं में 1,976.77 करोड़ रुपये की लागत से एनएच-727एए पर गंडक नदी में दो लेन के पुल एवं पहुंच पथ का निर्माण शामिल है। इससे बिहार के मनुआपुल (बेतिया) को उत्तर प्रदेश के तिवारीपट्टी (सेवराही) से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा 8,455.86 करोड़ रुपये की लागत से सरिस्ताबाद-दीदारगंज एवं अनीसाबाद-दीदारगंज खंड में छह लेन एलिवेटेड रोड और सर्विस रोड का निर्माण हाइब्रिड एन्युटी मोड (एचएएम) पर किया जाना है। बैठक में 31,987.11 करोड़ रुपये की लागत से पटना-पूर्णिया चार लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे (एनएच-09) तथा 7,331.40 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी-रांची-कोलकाता छह लेन ग्रीनफील्ड हाईवे के कोणकी गांव से लेरुआ गांव तक निर्माण की स्वीकृति का भी अनुरोध किया गया। **गोरखपुर-सिलीगुड़ी और रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे पर चर्चाः** मुख्यमंत्री ने गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे के बिहार खंड को राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे के रूप में शीघ्र अधिसूचित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार निर्माण-पूर्व कार्यों में एनएचएआई को पूरा सहयोग दे रही है। संबंधित जिलों में भूमि अधिग्रहण के लिए 3ए अधिसूचना की कार्रवाई अग्रिम चरण में है। इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण से उत्तर बिहार की नदियों पर नए पुल बनेंगे और राज्य की यातायात व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे के संशोधित रूट निर्धारण की स्वीकृति मिलने के बाद भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू होने की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना नेपाल के साथ व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और बिहार को हल्दिया बंदरगाह से सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिहाज से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसके शीघ्र अधिसूचन एवं स्वीकृति का आग्रह किया। **एनएच-122 के चौड़ीकरण में तेजी लाने की मांगः** मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर-बरौनी एनएच-122 के चार लेन चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। बैठक में बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव एवं विकास से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के पथ निर्माण विभाग को लगभग 2,329 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव एवं विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग की ओर से 323 किलोमीटर लंबाई की छह राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की डीपीआर तैयार कर केंद्र को भेजी गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 13,015 करोड़ रुपये है। इनमें विक्रमशिला पुल का पहुंच पथ और मशरख-चकिया-भिट्ठामोड़ चार लेन चौड़ीकरण जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं की शीघ्र तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सड़क एवं पुलों का विकास बिहार की आर्थिक प्रगति, व्यापारिक गतिविधियों और क्षेत्रीय संपर्कता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना है तो जीवनभर मॉक पार्लियामेंट करते रहें : अमित शाह

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। चंडीगढ़ में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार की याद दिलाते हुए कहा कि नरसंहार की बरसी के दिनों में दिल्ली में राजनीतिक रैली और प्रदर्शन आयोजित करना पीड़ित परिवारों की भावनाओं को आहत करने वाला है। अमित शाह ने कहा कि यदि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना है तो वे पूरा जीवन मॉक पार्लियामेंट करते रहें, क्योंकि चुनावी राजनीति में उनकी सफलता की संभावना नजर नहीं आती। दिल्ली में लगातार तीन विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलना पार्टी की स्थिति को दर्शाता है। राहुल गांधी को अगले चुनाव में भी विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के विवादित बयान का उल्लेख करते हुए कांग्रेस को उसके अतीत की याद दिलाई। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पुराने मामलों को दोबारा खुलवाने, पीड़ित परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाने जैसे कदम उठाए गए।अमित शाह ने चंडीगढ़ में 258 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार की विकास प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक की समाप्ति, नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई, 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का संकल्प, बुनियादी ढांचे का विकास और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की प्रतिबद्धता सरकार के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं।

मिट्टी का स्वास्थ्य बचाने के लिए बिहार के सभी 38 जिलों में बनेंगी मिनी मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं : विजय सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

» सारण में 'खेत बचाओ अभियान-सह-कृषि जनकल्याण संवाद' का आयोजन, किसानों से सीधा संवाद कर सुनीं समस्याएं

पटना। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि खेतों की उर्वरता बचाना, मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। स्वस्थ मिट्टी से ही पौष्टिक अनाज का उत्पादन संभव है और इससे परिवार एवं समाज का स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि मिट्टी बचेगी, तभी थाली सजेगी और खेत बचेंगे, तभी खुशहाली आएगी। सोमवार को सारण जिले में आयोजित 'खेत बचाओ अभियान-सह-कृषि जनकल्याण संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार के सभी 38 जिलों के 629 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। इसके तहत अब तक 160 पीएम श्री उच्च विद्यालयों में प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। उन्होंने सभी हाई स्कूलों में मिट्टी जांच प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्देश दिए जाने की भी जानकारी दी, ताकि विद्यार्थी मिट्टी की गुणवत्ता और वैज्ञानिक खेती के महत्व को समझ सकें। सिन्हा ने बताया कि खेत बचाओ अभियान के तहत खरीफ मौसम में पूरे बिहार में 7,275 किसान बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें 6 लाख 19 हजार 436 किसानों ने भाग लिया। इनमें 2 लाख 12 हजार 610 महिला किसान भी शामिल थीं। रबी मौसम 2026-27 में अभियान को राज्य के सभी 534 प्रखंडों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। प्रत्येक प्रखंड की कम से कम दो पंचायतों में जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। इसके माध्यम से 15 से 16 लाख किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने बीज, कीटनाशक, मिट्टी जांच और उर्वरक समेत कृषि से जुड़े 19 महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों की समस्याएं और सुझाव सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान 270 रुपये में यूरिया उपलब्ध कराने की सूचना पर संबंधित पदाधिकारी को बधाई भी दी गई। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप खेत बचाओ अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देना है। किसानों की भागीदारी से ही मिट्टी की उर्वरता और कृषि का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। इस अवसर पर सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विधायक छोटी कुमारी, जनक सिंह, रंधीर कुमार सिंह, मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह और विधान परिषद सदस्य सच्चिदानंद राय सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे। कृषि मंत्री ने विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। इसमें कृषि योजनाओं, आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, गुणवत्तायुक्त बीजों और प्राकृतिक खेती से जुड़े नवाचारों को प्रदर्शित किया गया।

बिहार के हित में फरक्का जल संधि पर पुनर्विचार जरूरी : संजय झा

नई सोच एक्सप्रेस

» मुंगेर में जदयू के 'फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद' कार्यक्रम का आयोजन, उमेश कुशवाहा बोले- 30 वर्षों से बाढ़ और सूखे का दंश झेल रहा बिहार

पटना। बिहार के हितों की रक्षा के लिए फरक्का जल संधि पर पुनर्विचार जरूरी है। वर्ष 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई यह संधि बिहार के हित में नहीं है। इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए। यदि नई संधि होती है तो उसमें वर्ष 2050 तक बिहार की जल जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ये बातें जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने सोमवार को मुंगेर में आयोजित 'फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद' कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि फरक्का जल संधि के कारण बिहार का जल प्रबंधन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और राज्य गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। संधि के अनुसार एक जनवरी से 31 मई तक शुष्क मौसम में जब बक्सर के पास गंगा का प्रवाह घटकर करीब 400 क्यूमेक रह जाता है, तब भी फरक्का से बांग्लादेश के लिए 1500 क्यूमेक पानी छोड़ना पड़ता है। इसका असर केवल गंगा ही नहीं, बल्कि बिहार की आंतरिक नदियों के जलस्तर पर भी पड़ता है। इससे किसानों की सिंचाई, पेयजल, उद्योगों और लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित होती है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि फरक्का बराज के कारण गंगा में गाद जमा होने और नदी का तल ऊंचा होने से उत्तर बिहार को हर साल बाढ़ की समस्या झेलनी पड़ती है। वहीं, फरक्का जल संधि के कारण शुष्क मौसम में बिहार के हिस्से का पानी बांग्लादेश को देना पड़ता है, जिससे कई जिलों में सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय संधि का 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार उठा रहा है। पिछले 30 वर्षों से राज्य एक साथ बाढ़ और सूखे का दंश झेल रहा है। यह बिहार के साथ अन्याय है। कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार फरक्का बराज और जल संधि से बिहार को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाते रहे हैं। उन्होंने संजय कुमार झा को संसद में इस विषय को उठाने और इसे राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में विधायक नचिकेता मंडल और जिलाध्यक्ष सौरभ निधि ने कहा कि जदयू का यह अभियान बिहार के अधिकारों और जनता के हितों की रक्षा के लिए चलाया जा रहा है। पार्टी चाहती है कि गंगा से जुड़े सवाल राष्ट्रीय स्तर पर उठें और फरक्का जल संधि पर नए सिरे से विचार किया जाए। मुंगेर किला क्षेत्र स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में संधि से जुड़े मुद्दों पर तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई और विस्तृत जानकारी वाले पर्चे भी वितरित किए गए। मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे। गौरतलब है कि जदयू का यह जनजागरूकता अभियान पांच सितंबर को बक्सर से शुरू हुआ था। पहले चरण में बक्सर, भोजपुर, बेगूसराय और खगड़िया, जबकि दूसरे चरण में सारण, वैशाली, समस्तीपुर और पटना में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। तीसरे चरण में लखीसराय और मुंगेर के बाद भागलपुर तथा कटिहार में कार्यक्रम होंगे। चार नवंबर को कटिहार में अभियान का समापन निर्धारित है।

बिहार लोक भवन को जीरो वेस्ट कैंपस बनाने की पहल, राज्यपाल ने सर्वे कर कार्ययोजना तैयार करने का दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। बिहार लोक भवन को आदर्श जीरो वेस्ट कैंपस के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल शुरू की गई है। इस संबंध में एएफसी इंडिया लिमिटेड की ओर से सोमवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) के समक्ष पीपीटी के माध्यम से विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लोक भवन परिसर में उत्पन्न होने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इसके लिए 'एक परिसर, एक समेकित कचरा प्रबंधन प्रणाली' की अवधारणा के तहत आठ व्यावहारिक बदलावों का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान राज्यपाल ने ई-कचरा, ठोस कचरा, धातु अपशिष्ट और निर्माण सामग्री के निस्तारण की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विशेषज्ञों की टीम को बिहार लोक भवन के पूरे परिसर का सर्वे करने का निर्देश दिया। साथ ही कचरे की प्रकृति और मात्रा का आकलन कर उसके वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा। इस पहल के माध्यम से बिहार लोक भवन परिसर में कचरे के उचित निस्तारण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का लक्ष्य है। मौके पर एएफसी इंडिया लिमिटेड एवं संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों के अलावा ब्रेडा और ऊर्जा विभाग के अभियंता, बिहार लोक भवन के पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित लोग उपस्थित थे।

जीकेसी की नई वेबसाइट शुरू, डिजिटल प्लेटफॉर्म से वैश्विक स्तर पर कायस्थ समाज को जोड़ने की पहल

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। विश्वस्तरीय कायस्थ संगठन ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) ने डिजिटल क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपनी नई वेबसाइट शुरू की है। इसका उद्देश्य देश-विदेश में रहने वाले कायस्थ समाज के लोगों को एक साझा डिजिटल मंच पर जोड़ना तथा संगठन की गतिविधियों, विचारों और उद्देश्यों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाना है। जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि नई वेबसाइट संगठन की गतिविधियों और उद्देश्यों को दुनिया भर के कायस्थ समाज तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगी। बदलते दौर में सामाजिक संगठनों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ना आवश्यक है। इस पहल से संगठन की कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी, सक्रिय और व्यापक होगी। जीकेसी की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने कहा कि वेबसाइट के माध्यम से देश-विदेश में रहने वाले कायस्थ समाज के लोग संगठन के कार्यक्रमों, गतिविधियों और विभिन्न पहलों की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इससे आपसी संवाद और सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस पहल को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की।

फरक्का जल संधि के कारण बिहार में गहराया जल संकट, नवीनीकरण का जदयू ने किया विरोध

नई सोच एक्सप्रेस

» संजय झा बोले- बिहार की वर्ष 2050 तक की जल जरूरतों को ध्यान में रखकर हो कोई समझौता, उमेश कुशवाहा ने फरक्का बराज और जल संधि को बताया बिहार के लिए दोहरी मार

पटना। बिहार में फरक्का जल संधि के प्रभावों को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने जनजागरूकता अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को लखीसराय से पार्टी के 'फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद' कार्यक्रम के तीसरे चरण की शुरुआत हुई। इस दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि वर्ष 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई फरक्का जल संधि बिहार के हित में नहीं है। इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए। यदि कोई नया समझौता होता है तो उसमें बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। लखीसराय के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संजय झा ने कहा कि फरक्का जल संधि के कारण बिहार का जल प्रबंधन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और राज्य गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शुष्क मौसम में गंगा के साथ बिहार की आंतरिक नदियों से भी पानी लेकर बांग्लादेश को दिया जाता है। इससे किसानों की सिंचाई, पेयजल, उद्योगों की जरूरतों और लाखों लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने इस समझौते में बिहार के हितों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि फरक्का बराज और फरक्का जल संधि से बिहार को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। फरक्का बराज के कारण गंगा में गाद जमा होने और नदी का तल ऊंचा होने से राज्य को हर साल बाढ़ की समस्या झेलनी पड़ती है। वहीं, जल संधि के कारण बिहार को अपने हिस्से का पानी भी बांग्लादेश को देना पड़ता है, जिससे कई जिलों में सूखे जैसी स्थिति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय संधि का 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार उठा रहा है, जो राज्य के साथ अन्याय है। उन्होंने संजय झा को इस मुद्दे को संसद में उठाने और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनाने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में विधायक रामानंद मंडल और जिलाध्यक्ष रामानुज शर्मा ने कहा कि जदयू का यह अभियान किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि बिहार के हक और जनता के हितों से जुड़ा है। पार्टी का प्रयास है कि फरक्का जल संधि से बिहार को होने वाले नुकसान की जानकारी आम लोगों तक पहुंचे और राज्य की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचे, ताकि इस समझौते पर पुनर्विचार हो सके। गौरतलब है कि जदयू के इस संवाद कार्यक्रम के पहले चरण में बक्सर, भोजपुर, बेगूसराय और खगड़िया तथा दूसरे चरण में सारण, वैशाली, समस्तीपुर और पटना में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। तीसरे चरण की शुरुआत लखीसराय से हुई है। इसके बाद मुंगेर, भागलपुर और कटिहार में संवाद कार्यक्रम होंगे। बिहार में गंगा बक्सर से प्रवेश कर कटिहार से बाहर निकलती है। इसी क्रम में 5 सितंबर को बक्सर से शुरू हुआ यह जनजागरूकता अभियान 4 नवंबर को कटिहार में संपन्न होगा। कार्यक्रम में पार्टी की ओर से तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई और फरक्का जल संधि से जुड़े तथ्यों की जानकारी देने वाले पर्चे भी वितरित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

सीडीएसएल ने वित वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए

पटना। वित वर्ष 2027 की पहली छमाही में कंसोलिडेटेड कुल आय और शुद्ध मुनाफे में साल-दर-साल क्रमशः 19% और 20% का इजाफा हुआ। एशिया की पहली लिस्टेड डिपॉजिटरी और 19 करोड़ से ज्यादा डीमैट खातों की भरोसेमंद संरक्षक सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त हुई तिमाही और छह महीने की अवधि के ऑडिट किए गए स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। सीडीएसएल के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) निहाल वोरा ने कहा, दुनियाभर में व्यापक आर्थिक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत के सिक्योरिटीज मार्केट में लोगों की भागीदारी लगातार मजबूती दिखा रही है। दूसरी तिमाही के अंत तक सीडीएसएल के डीमैट खातों की संख्या में सालाना आधार पर करीब 17% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बाजार में भागीदारी का यह लगातार बढ़ना हमें अपने कामकाज और निवेशकों को दी जाने वाली सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। इस तिमाही में हमने अपने गवर्निंग बोर्ड और सीनियर मैनेजमेंट में नई नियुक्तियों के जरिए नेतृत्व की क्षमता को और मजबूत किया है। सेबी के प्रोजेक्ट जागरूक में सिक्योरिटीज मार्केट पार्टनर के तौर पर हम निवेशकों को सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ निवेश करने के लिए जागरूक बनाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। इस अहम मकसद की दिशा में अपने प्रयासों के तहत हमने इस तिमाही में अमर चित्र कथा और युवा अनस्टॉपेबल के साथ मिलकर निवेशकों की शिक्षा और उन्हें सशक्त बनाने से जुड़ी पहल को आगे बढ़ाया है। सीडीएसएल का लगातार यही फोकस रहा है कि भरोसेमंद बुनियादी ढांचा तैयार किया जाए और हर निवेशक को वास्तव में आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाया जाए।

वेदांता के मजबूत नतीजों पर ब्रोकरेज का भरोसा बरकरार, शेयर में 50% तक तेजी की उम्मीद

पटना। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के बाद वेदांता लिमिटेड को प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों से सकारात्मक रेटिंग मिली है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज, एमके ग्लोबल और सीएलएसए ने कंपनी की मजबूत परिचालन क्षमता, बेहतर होती बैलेंस शीट और विस्तार योजनाओं को देखते हुए सकारात्मक निवेश दृष्टिकोण बरकरार रखा है। ब्रोकरेज फर्मों ने वेदांता के शेयर के लिए 290 से 350 तक का लक्ष्य मूल्य तय किया है, जो मौजूदा बाजार भाव से लगभग 24% से 50% तक की संभावित तेजी दर्शाता है। वेदांता ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में 9,938 करोड़ का समेकित EBITDA दर्ज किया, जो सालाना आधार पर दोगुने से अधिक और तिमाही आधार पर 17% अधिक रहा। हिंदुस्तान जिंक, जिंक इंटरनेशनल, कॉपर और फेरोक्रोम कारोबार के बेहतर प्रदर्शन ने कंपनी के नतीजों को मजबूती दी। हिंदुस्तान जिंक ने भी मजबूत परिचालन प्रदर्शन करते हुए लगभग 9,248 करोड़ का EBITDA दर्ज किया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका में गैम्सबर्ग फेज-2, जिंक स्मेल्टर विस्तार, कॉपर और फेरोक्रोम कारोबार में क्षमता वृद्धि जैसी परियोजनाएं भविष्य की वृद्धि के प्रमुख अवसर मानी जा रही हैं। ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी की मजबूत नकदी स्थिति, कम कर्ज और विस्तार योजनाओं को भी सकारात्मक बताया है। सितंबर 2026 के अंत तक वेदांता का नेट डेट-टू-EBITDA अनुपात केवल 0.1 गुना रहा। एमके ग्लोबल और सीएलएसए ने 350 के लक्ष्य मूल्य के साथ सकारात्मक रेटिंग बरकरार रखी है, जबकि कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने 290 के निष्पक्ष मूल्य के साथ 'बाय' की सलाह जारी रखी है। कुल मिलाकर, मजबूत परिचालन प्रदर्शन, बेहतर नकदी प्रवाह, कम कर्ज और विभिन्न कारोबारों में क्षमता विस्तार की योजनाओं ने वेदांता लिमिटेड के भविष्य के विकास को लेकर ब्रोकरेज फर्मों का भरोसा मजबूत किया है।

कैंपस एक्टिववियर ने विक्की कौशल के साथ अपना नया इंटीग्रेटेड कैंपेन लॉन्च किया



पटना। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स और एथलीज़र फुटवियर ब्रांड्स में से एक, कैंपस एक्टिववियर ने बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल के साथ अपना नया इंटीग्रेटेड कैंपेन लॉन्च किया है, जो उसके ब्रांड दर्शन 'Move Your Way' को आगे बढ़ाता है। कॉर्पोरेट इंडिया के जाने-पहचाने माहौल में रचा गया यह कैंपेन हास्य के ज़रिए दिखाता है कि नई पीढ़ी किस तरह वर्कप्लेस की अपेक्षाओं के बीच अपनी निजी रुचियों और प्राथमिकताओं के लिए भी जगह बना रही है। "एक साहसिक कदम दुनिया को आपकी राह पर ला सकता है" की सोच पर आधारित यह कैंपेन टेलीविज़न, ओटीटी और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स पर पेश किया जाएगा, जिसे क्रिएटर-आधारित कंटेंट का भी साथ मिलेगा। कैंपेन पर टिप्पणी करते हुए कैंपस एक्टिववियर के चीफ़ मार्केटिंग ऑफ़िसर गौरव शर्मा ने कहा 'Move Your Way' हमेशा से आत्म-अभिव्यक्ति के बारे में रहा है। इस फ़िल्म के साथ हम इसे और भी साहसिक दिशा में ले जा रहे हैं: अपनी सीमाएँ ख़ुद तय करने का अधिकार। युवा भारत महत्वाकांक्षा को अपनी शर्तों पर नए सिरे से परिभाषित कर रहा है और कैंपस उनके साथ मज़बूती से खड़ा रहना चाहता है। हमारी नई पहचान भी उसी ऊर्जा को दर्शाती है - ज़्यादा साहसी और ज़्यादा आत्मविश्वास से भरी, क्योंकि हम ब्रांड के अगले अध्याय में कदम रख रहे हैं। कैंपेन पर टिप्पणी करते हुए विक्की कौशल ने कहा, मुझे अच्छा लगा कि कैंपस ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी के एक जाने-पहचाने हिस्से को मज़ेदार और अनपेक्षित मोड़ दिया है। रोहित बिना किसी झिझक के जैसा है, वैसा ही रहता है, और उसे निभाने में मज़ा आया, क्योंकि वह उन स्थितियों में हास्य लेकर आता है, जिन्हें बहुत से लोग अपने दफ़्तरों में देख चुके होंगे। यह फ़िल्म ख़ुद को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लिए बिना, हल्के-फुल्के अंदाज़ में 'Move Your Way' की भावना को पेश करती है।

गोदरेज सिक्योरिटी सॉल्यूशंस ने अपने नए कैंपेन योर फेस इज़ की के साथ होम सिक्योरिटी में पेश की फेस रिकॉग्निशन तकनीक

पटना। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस ने अपना नया अभियान 'योर फेस इज़ की' शुरू किया है। इसके तहत उन्होंने गोदरेज NX प्रो एनक्रिप्ट (Godrej NX Pro Ncrypt) पेश किया है, जो आधुनिक फेस रिकॉग्निशन (चेहरे की पहचान) तकनीक से लैस एक नेक्स्ट-जेनरेशन होम लॉकर है। इस अभियान के जरिए कंपनी यह दिखा रही है कि जिस फेशियल रिकग्निशन का इस्तेमाल हम स्मार्टफोन, दफ्तर और यात्रा के दौरान करते हैं, वह अब घर की सबसे कीमती चीजों की सुरक्षा की 'चाबी' भी बन सकता है। यह कैंपेन स्मार्ट, सुविधाजनक और व्यक्तिगत सुरक्षा विकल्पों के प्रति ग्राहकों की बढ़ती पसंद को दर्शाता है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कारोबार के बिजनेस हैड पुष्कर गोखले ने कहा, "सुरक्षा का भविष्य इस बात से तय होगा कि तकनीक लोगों के रोजमर्रा के जीवन का कितनी समझदारी से हिस्सा बनती है। आज उपभोक्ता उन उपकरणों, कार्यस्थलों और सेवाओं का इस्तेमाल करने के लिए चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक को तेजी से अपना रहे हैं, जिन पर उन्हें भरोसा है। 'Your Face Is Key' अभियान के जरिए हम इसी परिचित व्यवहार को घर की सुरक्षा से जोड़ना चाहते थे। हमारा उद्देश्य यह दिखाना है कि तकनीक किस तरह सुरक्षा को अधिक आसान, सहज और व्यक्तिगत बना सकती है। 'Godrej NX Pro Ncrypt' नई पीढ़ी के ऐसे सुरक्षा समाधान तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिनमें भरोसेमंद सुरक्षा के साथ उपयोगी नवाचार भी शामिल हों।"

जहानाबाद पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 39 लोगों के चेहरे पर लौटाई मुस्कुराहट

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में खोये और गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी को लेकर जहानाबाद पुलिस की ओर से चलाया जा रहा ऑपरेशन मुस्कान लगातार लोगों के चेहरों पर खुशियां लौटा रही है। पुलिस अधीक्षक के.किरण कुमार के नेतृत्व में चलाये जा रहे इस अभियान के तहत पुलिस की तकनीकी टीम ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। अभियान के आठवें चरण में कुल 39 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गये। पुलिस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 2 नवंबर तक अभियान के आठवें चरण में बरामद किये गये मोबाइल फोन को उनके मालिकों को वापस किया गया है। लंबे समय से मोबाइल गुम होने के कारण परेशान लोग जब अपना फोन वापस लेने पहुंचे तो उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। कई लोगों के लिए मोबाइल सिर्फ बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि उनके रोजमर्रा के कामकाज और आजीविका से जुड़ा महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में मोबाइल वापस मिलने से उन्हें आर्थिक राहत के साथ-साथ मानसिक संतुष्टि भी मिली। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों में गृहिणी, मजदूर, किसान सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल रहे। मोबाइल गुम होने के बाद उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कुछ लोगों को तो यह उम्मीद भी नहीं थी कि उनका खोया हुआ फोन कभी वापस मिल पायेगा। लेकिन पुलिस की सक्रियता और तकनीकी प्रयासों से उनका मोबाइल सुरक्षित वापस मिल गया। मोबाइल वापस मिलने पर लाभुकों ने जहानाबाद पुलिस के प्रति आभार जताया। इसके लिये उन्होंने पुलिस प्रशासन और एसपी के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। 2026 में अब तक 502 मोबाइल की बरामदगी हो चुकी है। जहानाबाद पुलिस लगातार गुम हुए मोबाइल फोन की पहचान और बरामदगी के लिए काम कर रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 88 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गये थे, जबकि वर्ष 2026 में अब तक 502 मोबाइल फोन बरामद कर वितरित किए जा चुके हैं। इस अभियान की सफलता में पुलिस की तकनीकी टीम की अहम भूमिका रही है। मोबाइल फोन की पहचान, तकनीकी जानकारी जुटाने और उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी के.किरण कुमार के नेतृत्व में चल रही इस पहल से आम लोगों के बीच पुलिस के प्रति भरोसा भी मजबूत हो रहा है। मोबाइल गुम होने पर CEIR पोर्टल पर शिकायत करें। जहानाबाद पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम या चोरी होने की स्थिति में घबराएं नहीं। सबसे पहले संबंधित थाने में इसकी सूचना दें और भारत सरकार के CEIR पोर्टल (www.ceir.gov.in) पर जाकर अपने मोबाइल के IMEI नंबर के माध्यम से उसे ब्लॉक कराने के साथ शिकायत दर्ज करें। इससे मोबाइल के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने और उसकी बरामदगी में मदद मिल सकती है। ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से जहानाबाद पुलिस ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि आम नागरिकों की छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस लगातार तत्पर है। खोये हुए मोबाइल की वापसी की यह पहल पुलिस और जनता के बीच विश्वास की एक मजबूत कड़ी बन रही है।

गोल्डन गर्ल रिया कुमारी का पटना में शानदार स्वागत, खेल प्राधिकरण के डीजी रवींद्रन शंकरण ने बढ़ाया हौसला

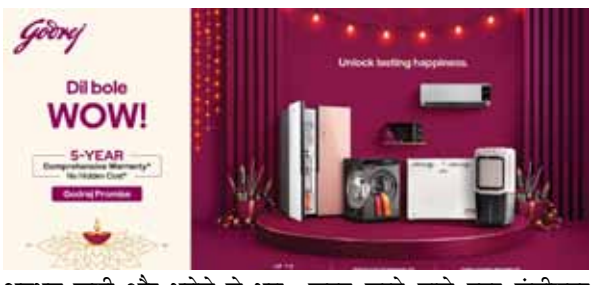


नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय टीम की सदस्य एवं बिहार के बेगूसराय जिले की बेटी रिया कुमारी का सोमवार को पटना पहुंचने पर शानदार स्वागत किया गया। पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित 52वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप के दौरान बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रन शंकरण ने रिया कुमारी का गर्मजोशी से स्वागत किया। रिया अहमदाबाद से सीधे पटना पहुंचीं। इस अवसर पर रवींद्रन शंकरण ने रिया कुमारी की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना बिहार के लिए गर्व की बात है। रिया ने अपने प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता बिहार की दूसरी बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने रिया को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेंद्र पी. ठाकुर और बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह भी मौजूद थे।

गोदरेज अप्लायंसेज का त्योहारी ऑफर, घरेलू उपकरणों पर पांच साल की व्यापक वारंटी का भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का अप्लायंसेज बिजनेस इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों के लिए घरेलू उपकरणों की खरीदारी को और फायदेमंद बना रहा है। कंपनी चुनिंदा उत्पादों पर पांच साल की व्यापक वारंटी दे रही है। 'गोदरेज प्रॉमिस' के तहत मिलने वाली इस वारंटी में कोई छिपा हुआ शुल्क नहीं लगेगा। यह ऑफर पात्र एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कूलर, माइक्रोवेव ओवन और डीप फ्रीजर पर लागू होगा। इसके अलावा, कंपनी ने आसान फाइनेंसिंग और कैशबैक के साथ कई आकर्षक त्योहारी ऑफर भी पेश किए हैं। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के अप्लायंसेज बिजनेस के हैड कमल नंदी ने कहा, "ग्राहक घरेलू उपकरण लंबे समय तक इस्तेमाल करने के लिए खरीदते हैं। हमारी पांच साल की व्यापक वारंटी इसी सोच को ध्यान में रखकर पेश की गई है। हमारा मानना है कि घर में नया उपकरण लाने का अनुभव खुशी और भरोसे से भरा होना चाहिए। त्योहारी ऑफर के जरिए हम ग्राहकों को आकर्षक छूट और खरीदारी के लाभों के साथ पांच साल की व्यापक वारंटी तथा बिना किसी छिपे शुल्क का भरोसा भी दे रहे हैं। इससे ग्राहक बेफिक्र होकर भरोसेमंद उपकरण खरीद सकेंगे और लंबे समय तक उनका लाभ उठा सकेंगे। बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों, गोदरेज प्रॉमिस और तेजी से बढ़ते रिटेल नेटवर्क के दम पर हम इस त्योहारी सीजन में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।" घरेलू उपकरणों के बाजार में बड़ी क्षमता वाली वॉशिंग मशीनों, रेफ्रिजरेटर और कम बिजली खपत करने वाले एयर कंडीशनर जैसे प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ रही है। लोगों की बढ़ती आय और तेजी से बढ़ते शहरीकरण से इस मांग को बल मिल रहा है। वहीं, दिवाली पर कैशबैक और आसान ईएमआई जैसे ऑफर भी ग्राहकों को पुराने उपकरणों की जगह नए उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रीमियम उत्पादों की मांग के साथ-साथ रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीनों के किफायती मॉडल भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। महानगरों के अलावा टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी लोग अब बेहतर गुणवत्ता और आधुनिक सुविधाओं वाले उत्पादों को पसंद कर रहे हैं।

धनतेरस और दिवाली पर किसना दे रहा पुराने सोने पर 105% तक वैल्यू, मेकिंग चार्ज पर 100% छूट

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। धनतेरस और दिवाली की दस्तक के साथ देश के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड्स में शुमार किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी अपने ग्राहकों के लिए त्योहारी खरीदारी पर कई आकर्षक लाभ लेकर आया है। इनमें चुनिंदा गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100% तक की छूट तथा डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर पुराने सोने के बदले 105% एक्सचेंज वैल्यू शामिल हैं। ये ऑफर्स ब्रांड की जारी गिफ्ट हैप्पीनेस पहल का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव और त्योहारी सीजन में ज्वेलरी की मांग के बीच ग्राहकों को अधिक वैल्यू देना है। त्योहारी सीजन में ज्वेलरी की खरीदारी पर बात करते हुए किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा, "धनतेरस और दिवाली आज भी ज्वेलरी खरीदारी के अहम मौके हैं, चाहे खरीदारी अपने लिए हो, उपहार देने के लिए हो या पारिवारिक समारोहों के लिए। सोने की कीमतें खरीदारी के फैसलों को प्रभावित करती हैं, लेकिन ग्राहक मेकिंग चार्ज, एक्सचेंज वैल्यू और खरीदारी की कुल लागत को लेकर भी सजग रहते हैं। हमारा फोकस ऐसे ऑफर्स के जरिए इन्हीं पहलुओं का ध्यान रखने पर है, जो ग्राहकों को अधिक फ्लैक्सिबिलिटी और वैल्यू दें और त्योहारी सीजन में ज्वेलरी की खरीदारी को और सुविधाजनक बनाएं।" पुराने सोने के एक्सचेंज ऑफर के जरिए ग्राहक अपने मौजूदा सोने का उपयोग नई डायमंड ज्वेलरी खरीदने में कर सकते हैं, वहीं मेकिंग चार्ज में रियायत से खरीदारी पर लगने वाली अतिरिक्त लागत कम होती है। इसके साथ ही किसना 25% डाउन पेमेंट पर डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन भी दे रहा है, जिससे ग्राहक पात्र ज्वेलरी की खरीदारी पहले से प्लान कर सकते हैं और सोने के दाम बढ़ने की स्थिति में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। यह सुविधा लागू शर्तों के अधीन है।

एम्स पटना में पहली बार बोन कंडक्शन इम्प्लांट सर्जरी सफल

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना के नाक, कान एवं गला (ईएनटी) विभाग ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग ने 30 अक्टूबर को पहली बार बोन कंडक्शन इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक की। यह सर्जरी एक छोटे बच्चे की गई जिसके जन्म से ही दोनों बाहरी कान नहीं थे। इस जन्मजात स्थिति को चिकित्सा भाषा में बाइलेटरल एनोटिया कहा जाता है। इसी दिन विभाग की टीम ने दो अन्य जटिल कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी भी सफलतापूर्वक कीं। इनमें एक बच्चा और एक वयस्क शामिल थे। इस तरह एक ही दिन में सुनने की समस्या से जुड़ी तीन जटिल सर्जरी की गईं। इन सभी सर्जरी का नेतृत्व डॉ. क्रांति भावना ने किया। इस दौरान वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं मार्गदर्शक डॉ. राजेश विश्वकर्मा का भी सहयोग और मार्गदर्शन मिला। इस उपलब्धि के साथ ही एम्स पटना के हियरिंग इम्प्लांट कार्यक्रम ने एक और महत्वपूर्ण मुकाम हासिल करते हुए अब तक कुल 400 हियरिंग इम्प्लांट के आंकड़े को पार कर लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)

> डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया में करीब 250 करोड़ लोग किसी न किसी स्तर की सुनने की समस्या से प्रभावित हो सकते हैं

के अनुसार, दुनिया में 43 करोड़ से अधिक लोगों को सुनने की गंभीर समस्या के कारण पुनर्वास सेवाओं की जरूरत है। इनमें लगभग 3.4 करोड़ बच्चे शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया में करीब 250 करोड़ लोग किसी न किसी स्तर की सुनने की समस्या से प्रभावित हो सकते हैं। चिकित्सकों के अनुसार, सुनने की समस्या की समय पर पहचान और उचित इलाज से बच्चों के विकास में काफी मदद मिल सकती है। सर्जरी के बाद नियमित जांच, स्पीच थेरेपी (बोलने का अभ्यास), सुनने वाले उपकरण का सही इस्तेमाल और माता-पिता का सहयोग भी बेहद जरूरी है। लगातार देखभाल और अभ्यास से बच्चों की सुनने, समझने और बोलने की क्षमता में सुधार लाने में मदद मिलती है। इस अवसर पर ईएनटी विभाग की ओर से 'हियरिंग सॉल्यूशंस' विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसमें डॉ. क्रांति भावना, अतिथि विशेषज्ञ डॉ. राजेश विश्वकर्मा और डॉ. लीना विश्वकर्मा ने सुनने से जुड़ी समस्याओं और उनके आधुनिक इलाज पर चर्चा की। कार्यक्रम में सुनने की क्षमता बढ़ाने वाली नई तकनीकों, इम्प्लांट के माध्यम से इलाज और चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नए बदलावों पर जानकारी साझा की गई। इस दौरान विशेषज्ञों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

1,218 दिनों में सरदार साहब ने वह कर दिया, जो कई बड़े नेता पूरे जीवनकाल में नहीं कर पाए



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दिल्ली में अमित शाह ने 'एकता दौड़' का शुभारंभ करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार साहब ने मात्र 1,218 दिनों में सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत की नींव रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में सरदार पटेल को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान नहीं मिला, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के माध्यम से उन्हें वैश्विक पहचान और सम्मान दिलाया। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार में 31 मार्च 2026 को भारत नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। अब 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे के कारोबार से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान देश की युवा शक्ति को सुरक्षित रखने और विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार करने का संकल्प है।

मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सा का नया आयाम बनेगा 'माइंड रिजुवेनेशन साइंस'

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव, मानसिक दबाव और भावनात्मक असंतुलन के बीच मानसिक स्वास्थ्य का महत्त्व लगातार बढ़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए 'माइंड रिजुवेनेशन साइंस' (मन पुनर्जीवन विज्ञान) चिकित्सा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में एक नई अवधारणा के रूप में उभर रहा है। यह बातें बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी एंड ओक्यूपेशनल थेरेपी (बीसीपीओ), पटना के विभागाध्यक्ष सह नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. प्रियदर्शी आलोक ने कहीं। बिहार कॉलेज में 'विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस 2026 उत्सव पखवाड़ा' के तहत आयोजित पहले वैज्ञानिक सत्र में 'माइंड रिजुवेनेशन साइंस' विषय पर इंटरैक्टिव एवं अनुभवात्मक कार्यशाला हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. प्रियदर्शी आलोक, डॉ. अभय कुमार जायसवाल, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. उदय कुमार और डॉ. उमेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद मुख्य संसाधन व्यक्ति कुमार राजीव और डीआरएम न्यूज 24 के ब्यूरो चीफ सुरेंद्र कुमार रंजन ने दीप प्रज्वलित कर सत्र की शुरुआत की। इस अवसर पर डॉ. प्रियदर्शी आलोक ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और मन की कार्यप्रणाली को समझना भी जरूरी है। ऐसे वैज्ञानिक सत्र विद्यार्थियों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई जानकारियों से परिचित कराने में सहायक हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभय कुमार जायसवाल ने कहा कि फिजियोथेरेपी और ओक्यूपेशनल थेरेपी के विद्यार्थियों के लिए शरीर के साथ मन के स्वास्थ्य की समझ भी आवश्यक है। संपूर्ण स्वास्थ्य और बेहतर जीवन के लिए दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति कुमार राजीव ने 'Pause, Rejuvenate & Design the Mind' की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आत्म-अवलोकन, मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक संतुलन, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक व्यवहार को बेहतर जीवन का आधार बताया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर विचारों और भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। इससे मानसिक स्पष्टता और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने बताया कि मानव मन, व्यवहार और कल्याण के क्षेत्र में लगभग तीन दशकों के शोध एवं अन्वेषण के आधार पर इस अवधारणा को विकसित किया गया है। इस अवसर पर आगामी 11 नवंबर को दूसरे वैज्ञानिक सत्र के आयोजन की भी जानकारी दी गई। इसका विषय 'Recent Advances in Neuro Rehabilitation' होगा। इसमें संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. नीरज मिश्रा शामिल होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभय कुमार जायसवाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उदय कुमार ने किया। मौके पर बड़ी संख्या में चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, ओक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, छात्र-छात्राएं और कॉलेज के कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रश्नपत्र छपाई और वित्तीय अनियमितता का मामला वर्ष 2022 का, वर्तमान प्रशासन का कोई संबंध नहीं : एलएनएमयू



दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (एलएनएमयू), दरभंगा ने प्रश्नपत्रों की छपाई और वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितता से संबंधित समाचार पर अपना पक्ष स्पष्ट किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि यह मामला वर्ष 2022 का है और तत्कालीन कुलपति एवं कुलसचिव के कार्यकाल से जुड़ा है। इसका वर्तमान विश्वविद्यालय प्रशासन से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उक्त मामले की जांच संबंधित विजिलेंस इकाई कर रही है। जांच एजेंसी को विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले के वास्तविक तथ्यों और जिम्मेदारियों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान कुलपति, कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक का इस प्रकरण से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संबंध नहीं है। साथ ही, कथित अनियमितताओं में वर्तमान पदाधिकारियों की कोई भूमिका नहीं रही है। प्रशासन ने कहा कि विश्वविद्यालय पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध है। जांच एजेंसी के निष्कर्ष आने से पहले किसी व्यक्ति या पदाधिकारी के संबंध में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। विश्वविद्यालय ने आमजन, विद्यार्थियों और अभिभावकों से जांच पूरी होने तक किसी प्रकार की भ्रामक धारणा नहीं बनाने की अपील की है।

मुसहर समाज को मिले विशेष श्रेणी का दर्जा : डॉ. भीम सिंह भवेश

» नौ सूत्री मांगों को लेकर माता शबरी संघर्ष समिति का महाधरना



आरा। जिला समाहरणालय के समक्ष माता शबरी संघर्ष समिति के बैनर तले मुसहर समाज की नौ सूत्री मांगों को लेकर एकदिवसीय महाधरना आयोजित किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन को मांगों से संबंधित स्मार-पत्र सौंपा गया। सभा को संबोधित करते हुए पद्मश्री डॉ. भीम सिंह भवेश ने कहा कि मुसहर समाज शैक्षिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से हाशिए पर है। बिहार में 42 लाख से अधिक आबादी वाले इस समाज के विकास के लिए विशेष अभियान चलाने की जरूरत है। उन्होंने अनुसूचित जाति में विशेष श्रेणी का दर्जा देने और मुसहर जाति आयोग के गठन की मांग की। महाधरना में शिक्षा एवं रोजगार के लिए विशेष अभियान, आधार, राशन, आयुष्मान और लेबर कार्ड बनवाने, मुसहर बस्तियों में पेयजल, शौचालय, सामुदायिक भवन एवं पहुंच पथ की व्यवस्था तथा आवासविहीन परिवारों को आवास देने की मांग उठाई गई। उज्ज्वला योजना का लाभ और सरकारी चतुर्थवर्गीय सेवाओं में प्राथमिकता देने की भी मांग की गई। डॉ. भवेश ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री को मांगों का स्मार-पत्र सौंपा जाएगा। तीन माह बाद समीक्षा कर आगे की रणनीति तय होगी। धरना में भोजपुर, रोहतास, पटना, बक्सर और जहानाबाद सहित विभिन्न जिलों के लोग शामिल हुए।

बिहार में नवंबर के अंत तक शुरू होगी भारत टैक्सी सेवा, पहले चरण में चार जिलों को मिलेगा लाभ

» पटना, गया, वैशाली और मुजफ्फरपुर में होगी शुरुआत, 2,005 टैक्सी चालक प्लेटफॉर्म से जुड़े; चालकों को मिलेगा सहकारी मॉडल का लाभ



पटना। बिहार में यात्रियों को जल्द ही टैक्सी और ऑटो बुकिंग के लिए एक नया विकल्प मिलने जा रहा है। राज्य में नवंबर माह के अंत तक भारत टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी है। पहले चरण में पटना, गया, वैशाली और मुजफ्फरपुर में इस सेवा की शुरुआत करने की योजना है। इसके लिए भारत टैक्सी के कस्टमर एप की टेस्टिंग पूरी कर ली गई है। सेवा की शुरुआत को लेकर सोमवार को विश्वेश्वरैया भवन में परिवहन सचिव राज कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें प्रस्तावित लॉन्च, वाहन एवं चालक पंजीकरण, परमिट संबंधी नियमों के अनुपालन, आईटी प्लेटफॉर्म और प्रचार-प्रसार की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बिहार रेजिमेंट केंद्र में एनसीसी कैडेट्स ने जाना सैनिक जीवन और सैन्य प्रशिक्षण का महत्व



दानापुर। बिहार रेजिमेंट केंद्र, दानापुर में सोमवार को 1 बिहार एनसीसी बटालियन एवं 11 बिहार एनसीसी बटालियन के अधिकारियों एवं स्टाफ के साथ कुल 103 एनसीसी कैडेट्स ने शैक्षणिक एवं सैन्य प्रशिक्षण भ्रमण किया। इस दल में 67 बालक एवं 36 बालिका कैडेट्स शामिल थे। इस भ्रमण का उद्देश्य युवा कैडेट्स को भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं, आधुनिक सैन्य प्रशिक्षण प्रणाली तथा सैनिक जीवन की विभिन्न चुनौतियों एवं विशेषताओं से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान कैडेट्स को बिहार रेजिमेंट केंद्र में उपलब्ध आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं एवं सैन्य प्रशिक्षण के विभिन्न आयामों से रूबरू कराया गया। कैडेट्स ने विभिन्न प्रशिक्षण सिमुलेटरों का अवलोकन कर आधुनिक तकनीक के माध्यम से संचालित सैन्य प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली को समझा। इसके पश्चात उन्होंने ट्रेनिंग ऑब्स्टेकल डिल नर्सरी एवं ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग क्षेत्र का भ्रमण किया, जहाँ पीटी जेसीओ द्वारा बाधा प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों का जीवंत एवं प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से कैडेट्स को शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता, साहस, अनुशासन एवं सामूहिक प्रयास के महत्व की जानकारी मिली। इस अवसर पर कैडेट्स ने अग्निवीर एडवांस्ड मिलिट्री ट्रेनिंग कैंप का भी दौरा किया तथा वहाँ अग्निवीरों को दिए जा रहे उन्नत सैन्य प्रशिक्षण को करीब से देखा। उन्होंने प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों एवं सैनिकों की दिनचर्या का अवलोकन कर सेना में प्रशिक्षण के उच्च मानकों, कठिन परिश्रम, समर्पण और अनुशासन की भूमिका को समझा। इस संपूर्ण भ्रमण के सफल आयोजन, समन्वय एवं संचालन की जिम्मेदारी बिहार रेजिमेंट केंद्र के शिक्षा अधिकारी, लेफ्टीनेंट कर्नल ईश्वर पाल के दिशा निर्देशों पर सूबेदार शैलेश कुमार तिवारी ने अत्यंत कुशलता एवं समर्पण के साथ निभाई।

38 वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना है मलयपुर का मां कालिका मंदिर

नई सोच एक्सप्रेस



» 11 दिवसीय महारुद्र शतचंडी हवनात्मक यज्ञ से भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर, विभिन्न प्रदेशों से पहुंच रहे श्रद्धालु

जमुई। जिले के बरहट प्रखंड अंतर्गत मलयपुर स्थित मां कालिका मंदिर पिछले 38 वर्षों से श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर की धार्मिक महत्ता ऐसी है कि वार्षिक पूजनोत्सव के अवसर पर जमुई जिले के अलावा विभिन्न प्रदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वर्तमान में मंदिर परिसर में आयोजित 11 दिवसीय महारुद्र शतचंडी हवनात्मक यज्ञ से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ है। मलयपुर में मां कालिका की पूजा-अर्चना की शुरुआत वर्ष 1986 में स्थानीय निवासी एवं मंदिर के संस्थापक अशोक कुमार सिंह की पहल पर हुई थी। शुरुआती दौर में पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती थी। भक्तों की बढ़ती आस्था को देखते हुए बाद में यहां भव्य स्थायी मंदिर का निर्माण कराया गया। वर्ष 2010 में मंदिर परिसर में संगमरमर से निर्मित मां कालिका के साथ भगवान शंकर सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। दूधिया रंग का भव्य मंदिर पूजनोत्सव के दौरान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। मंदिर में प्रतिदिन आरती होती है, जबकि संध्या आरती के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। इस दौरान भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से मां कालिका की आराधना करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं मां पूर्ण करती हैं। आचार्य शिवकुमार प्रसाद ने बताया कि आठ नवंबर तक चलने वाले 11 दिवसीय महारुद्र शतचंडी हवनात्मक यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा और मंडप प्रवेश के साथ हुआ। इसके बाद गणेश पूजन सहित विभिन्न वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। महायज्ञ में मां गायत्री का कुमकुम अर्चन, विशेष आरती, हनुमान जी की पूजा और 1100 सुंदरकांड पाठ विशेष आकर्षण हैं। उन्होंने बताया कि यज्ञ के दौरान अलग-अलग दिनों में बाबा कलेश्वर नाथ की विशेष पूजा एवं अभिषेक, मां महालक्ष्मी की अर्चना, भजन-कीर्तन, तुलसी अर्चन, भगवान श्रीकृष्ण की पूजा, दीपदान एवं ज्योति पूजन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कन्या एवं बटुक पूजन तथा मां कालिका की विशेष आवरण पूजा, सहस्रार्चन और आरती भी होगी। महायज्ञ के अंतिम दिन विधि-विधान से हवन और पूर्णाहुति संपन्न कराई जाएगी। महायज्ञ और वार्षिक पूजनोत्सव को लेकर मलयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर मां कालिका के दर्शन कर रहे हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे हैं।

संसारपुर रेलवे फाटक के पास ओवरलोड ईंट लदे ट्रैक्टर और कार में टक्कर, बड़ा हादसा टला



नई सोच एक्सप्रेस

» कार का शीशा चकनाचूर, वाहन क्षतिग्रस्त,दुर्घटना में सभी लोग सुरक्षित

गिद्धौर/जमुई। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत संसारपुर रेलवे फाटक के समीप ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर और एक कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसका शीशा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ईंटों से लदा ट्रैक्टर (बीआर 46जी 6002) और कार (बीआर 01 जेई 6168) के बीच रेलवे फाटक के पास टक्कर हुई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद ओवरलोड वाहनों के परिचालन और सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

राज्य मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डॉ. अजय पाल की शानदार कामयाबी

नई सोच एक्सप्रेस



छपरा। अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, छपरा में स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के व्याख्याता डॉ. अजय कुमार पाल ने खेल के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल कर महाविद्यालय और सारण जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने 34वीं उत्तर प्रदेश राज्य मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ खिलाड़ी के रूप में भी भाग लिया और स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की। लखनऊ विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित इस चैंपियनशिप में डॉ. पाल को तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया गया था। वहीं, 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में खिलाड़ी के रूप में भाग लेते हुए उन्होंने 4×100 मीटर रिले दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर डॉ. अजय कुमार पाल का चयन राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता 27 से 31 जनवरी 2027 तक लखनऊ स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित होगी। डॉ. पाल की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्या ने बधाई देते हुए इसे महाविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की कामना की। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. धर्मेंद्र कुमार, नागेश्वर प्रसाद, ऋषिकांत आनंद, धीरज कुमार, चंदन कुमार, मुकुल कुमार, मुन्ना यादव, अनुकरण तिवारी, लोकेश पाठक सहित सभी कर्मचारीगण एवं सारण जिले के शिक्षकों ने डॉ. अजय कुमार पाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

लोकतंत्र में असहमति का अधिकार, लेकिन अराजकता की नहीं कोई जगह, राधामोहन सिंह

नई सोच एक्सप्रेस



मोतिहारी। चकिया के एसआरएपी महाविद्यालय के सभागार में सोमवार को 'लोकतंत्र बनाम अराजकता' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री एवं सांसद राधामोहन सिंह शामिल हुए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद राधामोहन सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और सरकार की नीतियों से असहमति जताने का अधिकार है। लेकिन विरोध के नाम पर हिंसा, तोड़फोड़ और अराजकता को लोकतंत्र का हिस्सा नहीं माना जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को समझने, सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार से सतर्क रहने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की।वहीं, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र हमें असहमति जताने का अधिकार देता है, लेकिन असहमति का अर्थ अव्यवस्था नहीं है। जब संवाद की जगह हिंसा और तर्क की जगह अफवाह ले लेती है, तब संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान कमजोर होने लगता है। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्यामबाबू प्रसाद यादव ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही महाविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी, प्रबुद्धजन तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डायट खगड़िया में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शुरू, 240 शिक्षक ले रहे हिस्सा

नई सोच एक्सप्रेस



» सामाजिक विज्ञान विषय में शिक्षकों का हो रहा व्यावसायिक प्रशिक्षण, शिक्षण कौशल और कार्यक्षमता विकसित करने पर जोर

खगड़िया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), खगड़िया में सोमवार से पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण 2 नवंबर से 6 नवंबर 2026 तक चलेगा। इसमें जिले के मध्य विद्यालयों के 240 प्रशिक्षु शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सामाजिक विज्ञान विषय में व्यावसायिक शिक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन डायट के प्रभारी प्राचार्य सह वरीय व्याख्याता मनोज कुमार यादव ने किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से शिक्षकों के ज्ञान, योग्यता और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। इससे उन्हें अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने तथा शिक्षण कार्य में दक्षता हासिल करने में मदद मिलती है। व्याख्याता ललन कुमार, मोहम्मद औरंगजेब एवं अर्चना कुमारी ने बताया कि सतत व्यावसायिक विकास योजना के तहत शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिक्षकों के शिक्षण कौशल को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वहीं, व्याख्याता पंकज कुमार पंडित, धर्मनारायण तांती एवं विश्वमोहन राकेश ने कहा कि प्रशिक्षण से शिक्षकों में नई चेतना, बेहतर समझ, विकास और आपसी सहयोग की भावना विकसित होगी। व्याख्याता वीरेंद्र यादव, मधु श्री एवं सुभाष कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण से शिक्षकों में कार्य के प्रति स्वायत्तता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। तेजनारायण कुमार ने बताया कि इससे शिक्षक अपने कार्यों को निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगे। वहीं, निभा कुमारी एवं निमित कुमारी ने कहा कि प्रशिक्षण शिक्षकों को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ उनके कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सहायक होगा। प्रशिक्षु शिक्षक सिद्धार्थ कुमार एवं हरिमोहन प्रसाद निराला ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को शिक्षण की नई तकनीकों से अवगत कराया जा रहा है। इससे उनके कौशल में निखार आएगा और व्यावसायिक दक्षता का संवर्धन होगा। प्रशिक्षु शिक्षिकाओं पुष्पा कुमारी, मंजरी कुमारी एवं विष्णु प्रिया ने बताया कि महिला शिक्षकों के लिए स्कूटी परिचालन से संबंधित प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य मनोज कुमार यादव, व्याख्याता मोहम्मद औरंगजेब, पंकज कुमार पंडित, धर्मनारायण तांती, अर्चना कुमारी, विश्वमोहन राकेश, निभा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, प्रशिक्षण प्रभारी वीरेंद्र कुमार, मधु श्री, तेजनारायण कुमार, अंकित सुमन सहित अन्य व्याख्याता उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रशिक्षु शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, हरिमोहन प्रसाद निराला, नीतेश कुमार, आकाश भारती, गिरधारी कुमार रंजन, संतोष कुमार सिंह, रतन कुमार, सौरव कुमार तथा प्रशिक्षु शिक्षिकाएं पुष्पा कुमारी, सोनम कुमारी, मंजरी कुमारी समेत सभी प्रशिक्षु शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद थे।

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बाबा हरिहरनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक



नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को विश्व प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्र सोनपुर स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने बाबा हरिहरनाथ का दर्शन-पूजन और रुद्राभिषेक कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने प्रदेशवासियों के कल्याण और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य सच्चिदानंद राय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंदिर पहुंचने पर बाबा हरिहरनाथ मंदिर न्यास समिति के सदस्यों और पुजारियों ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। न्यास समिति के सचिव ने उन्हें अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि-विधान से पूजन और रुद्राभिषेक संपन्न कराया। पूजा-अर्चना के बाद मंत्री को बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद भेंट किया गया। बाबा हरिहरनाथ मंदिर धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। हरिहर क्षेत्र की पहचान इस प्राचीन मंदिर से जुड़ी हुई है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। विशेष अवसरों और विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से पूजा-अर्चना संपन्न हुई।

चीनी मिल के पेराई सत्र की तैयारियों की हुई समीक्षा

नई सोच एक्सप्रेस



» वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट और कार्ययोजना पर हुई चर्चा

मोतिहारी। क्षेत्रीय विकास परिषद की बैठक सोमवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र के विकास,गन्ना किसानों के हितों तथा सुगौली चीनी मिल के आगामी पेराई सत्र 2026-27 की तैयारियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्रीय विकास परिषद के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्ताव,विकास कार्यों की कार्ययोजना तथा परिषद के कमीशन भुगतान से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही आगामी पेराई सत्र के दौरान सुगौली चीनी मिल के सुचारू संचालन को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा भी की गई।जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ मिलकर चीनी मिल के संचालन और परिषद से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में गन्ना विभाग के अधिकारियों तथा चीनी मिल प्रबंधन के प्रतिनिधियों की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी पेराई सत्र को लेकर समय पर आवश्यक तैयारियां पूरी करने और संबंधित विषयों पर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा हुई।बैठक में मोतिहारी के ईख पदाधिकारी सह क्षेत्रीय विकास परिषद के सचिव श्रीराम सिंह,सहायक निदेशक ईख विकास प्रागेन्द्र गर्ग,जिला अभियंता पूर्वी चंपारण तथा एचपीसीएल सुगौली के डीजीएम केन, एस.आर. भारद्वाज उपस्थित रहे। वहीं परिषद के सदस्य विजय कुमार यादव,पवन राज,नागेन्द्र कुमार एवं राजकिशोर राय ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में बजट,कार्ययोजना और चीनी मिल के आगामी पेराई सत्र से संबंधित विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।

नशामुक्त समाज के निर्माण का जीविका दीदियों ने लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस



» चकाई में चला जागरूकता अभियान

चकाई। बिहार सरकार की मद्य निषेध नीति को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जमुई जिले में जीविका दीदियों द्वारा व्यापक नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को चकाई प्रखंड के पांच संकुल स्तरीय संघों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां जीविका दीदियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। जीविका, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चकाई, माधोपुर, चंद्रमंडीह, कियाजोरी एवं बिछकोरवा स्थित क्रमशः तिरंगा, हिंदुस्तान, आराधना, प्रगतिशील और उड़ान संकुल संघों में कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के इंस्पेक्टर पिंटू कुमार, ब्रह्माकुमारी संस्था की बीके कृति दीदी, बीके खुशबू दीदी, बीके सीता दीदी और बीके रवि भाई ने नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। जीविका जिला कार्यालय से प्रबंधक सामाजिक विकास रवींद्र कुमार, प्रबंधक संचार सुनीता कुमारी और चकाई बीपीएम संजीव कुमार वर्मा सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे। आध्यात्मिक सत्र में बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति, बच्चों की शिक्षा और सामाजिक वातावरण को भी प्रभावित करती है। दीदियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। 'गांव का संकल्प' अभियान के तहत जिले के 31 संकुल संघों में 7 नवंबर तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके तहत 3 नवंबर को झाझा, 4 नवंबर को सोनो एवं गिद्धौर, 5 नवंबर को अलीगंज एवं सिकंदरा, 6 नवंबर को जमुई सदर तथा 7 नवंबर को बरहट एवं लक्ष्मीपुर में अभियान चलाया जाएगा।

4 से 15 दिसंबर तक गांधी मैदान में सजेगा पटना पुस्तक मेला, 350 से अधिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस



» बिहार गीत के रचयिता लोककवि सत्यनारायण को समर्पित होगा इस बार का पुस्तक मेला, 'जॉय ऑफ रीडिंग, बियॉन्ड बुक्स' रखी गई है थीम

पटना। राजधानी के गांधी मैदान में 4 से 15 दिसंबर तक 42वां पटना पुस्तक मेला आयोजित किया जाएगा। सेंटर फॉर रीडरशिप डेवलपमेंट (सीआरडी) की ओर से आयोजित यह मेला साहित्य, संस्कृति और शिक्षा का बड़ा उत्सव होगा। देश के तीन प्रमुख पुस्तक मेलों में शामिल पटना पुस्तक मेला इस बार 'जॉय ऑफ रीडिंग, बियॉन्ड बुक्स' थीम पर आधारित होगा। इस वर्ष का मेला बिहार गीत के रचयिता और लोककवि सत्यनारायण को समर्पित किया जाएगा। इसकी जानकारी सीआरडी पटना पुस्तक मेला के अध्यक्ष एवं साहित्यकार रत्नेश्वर ने दी। इस बार पुस्तक मेले में 350 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें चिट्ठियां, शब्दांकुर, काव्यकथा, यूथ पोडियम, हुनर, कवि सम्मेलन, ज्ञान-रोजगार, युवा स्वर, स्वास्थ्य संवाद, नई किताब, सिनेमा-उनेमा, कला दीर्घा, जनसंवाद, कथा पाटलिपुत्र, नुक्कड़ के रंग, कोचिंग मास्टर और स्कूल उत्सव सहित कई आकर्षक आयोजन शामिल हैं। मेले में करीब 200 पुस्तक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां देश के प्रमुख प्रकाशक अपनी पुस्तकों के साथ मौजूद रहेंगे। युवाओं को साहित्य और विचारों से जोड़ने के लिए इस बार विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। 'चिट्ठियां' कार्यक्रम में मशहूर चिट्ठियों का पाठ होगा। डॉ. विमलेन्दु चर्चित चिट्ठियों से रूबरू कराएंगे, जबकि युवा अपनी लिखी या जीवन पर प्रभाव छोड़ने वाली चिट्ठियां पढ़ेंगे। डॉ. वरुण के संयोजन में आयोजित 'यूथ पोडियम' में राजनीति, कला, साहित्य और संस्कृति समेत विभिन्न विषयों पर युवाओं के साथ संवाद होगा। उत्कर्ष आनंद के संयोजन में 'शब्दांकुर' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें युवा कवि, कहानीकार और व्यंग्यकार अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। चयनित रचनाकार को शब्दांकुर पुरस्कार दिया जाएगा। निर्णायक मंडल के साथ दर्शकों की राय भी चयन प्रक्रिया का हिस्सा होगी। खानपान के शौकीनों के लिए आशीष कुमार के संयोजन में 'स्वाद विहार' विशेष आकर्षण होगा। इसमें बिहार के पारंपरिक व्यंजनों के साथ देश के चुनिंदा पकवान भी उपलब्ध होंगे। पुस्तक प्रेमियों के लिए फूड लाउंज बनाया जाएगा, जहां वे चाय की चुस्कियों के साथ किताबों का आनंद ले सकेंगे। स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए 'हुनर' कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। अंजनी धर के संयोजन में कहानी, माइम शो, वेस्ट क्राफ्ट, सेल्फी चैलेंज, ब्रेन ड्रेन और जैम गेम जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें 70 से अधिक स्कूलों के करीब पांच हजार विद्यार्थियों के भाग लेने की संभावना है। फिल्म प्रेमियों के लिएb'सिनेमा-उनेमा' फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होगा। कुमार रविकांत के संयोजन में इसके लिए विशेष सिनेमा हॉल बनाया जाएगा। इसमें प्रतिदिन फीचर फिल्म, शॉर्ट फिल्म और वृत्तचित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। फिल्म प्रदर्शन के बाद संबंधित विषयों पर संवाद होगा, जिसमें देशभर के फिल्मकार और विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। आम दर्शकों को भी उनसे सीधे बातचीत का अवसर मिलेगा। सिनेमा जगत की प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डॉ. विकास शंकर के संयोजन में देश के प्रमुख चिकित्सक हिस्सा लेंगे। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर आम लोगों और श्रोताओं से सीधे संवाद करेंगे। वहीं, कवि सम्मेलन में चंदन द्विवेदी और रजत सहित कई कवि अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मेले में भव्य कला दीर्घा भी बनाई जाएगी। मुकेश कुमार के संयोजन में युवा कलाकारों, लोक कलाकारों, वरिष्ठ कलाकारों और पद्म पुरस्कार से सम्मानित बिहार के कलाकारों की कृतियों की प्रदर्शनी लगेगी। कला के विभिन्न विषयों पर प्रतिदिन विमर्श और गोष्ठियां भी होंगी तथा विशिष्ट कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा 'नुक्कड़ के रंग' कार्यक्रम में पटना के प्रमुख कॉलेजों के विद्यार्थी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करेंगे। जयप्रकाश के संयोजन में प्रतिदिन 'काव्यकथा' का आयोजन होगा, जिसमें देश के चर्चित कवि और कथाकार अपनी रचनाएं सुनाएंगे। सरिता मिश्रा के संयोजन में 'स्कूल उत्सव' के तहत विभिन्न स्कूलों के बच्चे गीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां देंगे। प्रशांत रंजन के संयोजन में आयोजित 'जनसंवाद' पुस्तक मेले का प्रमुख आकर्षण होगा। इसमें विभिन्न विषयों के नामचीन विद्वान हिस्सा लेंगे। वहीं, रेखा भारती मिश्रा के संयोजन में 'कोचिंग मास्टर' और 'ज्ञान-रोजगार' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण और कोचिंग संस्थानों की भागीदारी होगी।bपुस्तक मेले में देशभर के अनेक चर्चित लेखक, पत्रकार, कवि और साहित्यकार शामिल होंगे। इनमें हर्ष वर्धन त्रिपाठी, अनंत विजय, पूनम सिंह, डॉ. विनय कुमार, किरण घई, जय प्रकाश पांडेय, डॉ. अरुण भगत, मदन कश्यप, निवेदिता झा, संजय कुंदन, पंकज चौधरी, अनिल विभाकर, कुमार मुकुल, शहंशाह आलम, खुर्शीद अकबर, अरुण शीतांश, मुकेश प्रत्युष और अन्य साहित्यकारों के नाम प्रमुख हैं। कथाकारों में पूनम सिंह, भावना शेखर, प्रभात प्रणीत, रीता सिंह, कमलेश, नीलिमा सिंह, उषा ओझा, ध्रुव कुमार और किरण सिंह सहित कई रचनाकार भाग लेंगे। इस बार पुस्तक मेले में कुल 200 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें प्रभात प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, वाणी प्रकाशन, ज्ञानपीठ, उपकार प्रकाशन, हिन्द युग्म, प्रकाशन संस्थान, दिनकर पुस्तकालय, सम्यक प्रकाशन, ओसवाल बुक्स एंड लर्निंग, एनसीपीयूएल, रेख्ता फाउंडेशन, इमारते शरिया, साहित्य अकादमी, एडुटेरिया और एमटीजी बुक्स सहित कई प्रतिष्ठित संस्थान शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, पटना पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का मंच नहीं, बल्कि साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और विचारों के आदान-प्रदान का साझा मंच है। इस बार भी विविध कार्यक्रमों के माध्यम से पाठकों, युवाओं, विद्यार्थियों और आम लोगों को पढ़ने तथा रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भारती और हर्ष ने इंडियन गेम शो के 50 एपिसोड पूरे होने का जश्न मनाया



पटना।कॉमेडियन और होस्ट भारती सिंह तथा लेखक निर्माता हर्ष लिंबाचिया इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष के 50 एपिसोड पूरे होने की उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं। भारती और हर्ष ने इस शो को अपने दिल के बेहद करीब एक प्रोजेक्ट के रूप में देखा है और कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए इसलिए और भी खास है क्योंकि यह शो को दर्शकों से मिले प्यार और स्वीकृति को दर्शाती है। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और होस्टिंग कौशल के लिए जानी जाने वाली भारती ने कहा कि इस शो ने उन्हें और हर्ष को दर्शकों को अपनी निजी दुनिया में आमंत्रित करने और उनके साथ हंसी-मज़ाक तथा मनोरंजन के पल साझा करने का अवसर दिया है। हर्ष लिंबाचिया ने कहा कि हम सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हमारे विज़न पर विश्वास किया और इतने सारे घरों तक पहुंचाने में मदद की।

गणित एवं विज्ञान दिवस की प्रतियोगिता को लेकर जागरूकता अभियान, छात्रों को किया प्रेरित

सुपौल। राज्य स्तरीय राष्ट्रीय गणित दिवस (2026) एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (2027) के अवसर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में जिले के छात्र-छात्राओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सुपौल अभियंत्रण महाविद्यालय की ओर से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं को लेकर महाविद्यालय ने पहल की है। महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देश पर प्राध्यापकों की एक विशेष टीम गठित की गई है। टीम ने जिले के विभिन्न उच्च माध्यमिक एवं प्लस टू विद्यालयों का दौरा कर विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ संवाद किया। जागरूकता दल में सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार मंडल, डॉ. केएन राय एवं निकुंज कुमार शामिल रहे। विद्यालयों में आयोजित संवाद के दौरान प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को दोनों दिवसों के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले टैलेंट सर्च टेस्ट के प्रारूप, पाठ्यक्रम, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और इससे मिलने वाले शैक्षणिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्राध्यापकों ने छात्र-छात्राओं को गणित और विज्ञान विषयों के प्रति रुचि विकसित करने तथा राज्य स्तर पर अपनी शैक्षणिक मेधा प्रदर्शित करने के लिए प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने को प्रेरित किया। महाविद्यालय का उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों को इस अवसर से जोड़कर उनकी प्रतिभा को उचित मंच उपलब्ध कराना है।

छठ पर्व पर गहरे पानी वाले घाटों पर जाने से बचें श्रद्धालु, निजी नावों के परिचालन पर डीएम ने लगाया पूर्ण प्रतिबंध

कटिहार। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों (एसडीओ) और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों (एसडीपीओ) को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने स्पष्ट किया है कि अधिक गहराई वाले नदियों व तालाबों में श्रद्धालुओं को जाने से रोका जाए और दुर्घटना की रोकथाम के लिए छठ के दौरान निजी नावों के परिचालन पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाए। **गहरे पानी वाले असुरक्षित घाटों पर सतर्कता:**दीपावली के बाद 09 नवंबर से ही श्रद्धालुओं का गंगा व अन्य नदियों में स्नान हेतु जुटना शुरू हो जाएगा। इसके बाद 15 नवंबर को सायंकालीन अर्घ्य तथा 16 नवंबर को प्रातःकालीन अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। जिले के कई पारंपरिक घाटों और नदियों में जलस्तर काफी अधिक है और किनारे सुरक्षित नहीं हैं, जिससे डूबने या अन्य दुर्घटनाओं की प्रबल आशंका बनी रहती है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे असुरक्षित और गहरे घाटों को चिह्नित कर लोगों को वहां जाने से मना किया जाए। इन संवेदनशील घाटों पर नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित करने और पब्लिक एड्रेस सिस्टम (लाउडस्पीकर) के जरिए लगातार उद्घोषणा कर श्रद्धालुओं को जागरूक करने का आदेश दिया गया है। **निजी नावों के परिचालन पर सख्त पाबंदी:**अक्सर देखा जाता है कि छठ पर्व के दौरान युवा वर्ग निजी नावों से नदी में भ्रमण करते हैं। क्षमता से अधिक लोगों के बैठने के कारण नाव पलटने का गंभीर खतरा बना रहता है। इस संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने नहाय-खाय से लेकर 16 नवंबर को सुबह के अर्घ्य संपन्न होने तक निजी नौकाओं के परिचालन पर पूर्ण रोक लगा दी है। डीएम ने सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को आदेश दिया है कि घाटों पर गृह रक्षक (होमगार्ड), चौकीदार और दफादारों की प्रतिनियुक्ति कर इस प्रतिबंध की सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

कला-संस्कृति समाज के हर वर्ग को जोड़ने वाली मजबूत कड़ी : अनिल कुमार चंचल

नई सोच एक्सप्रेस



» 'अपना पटना परिवार' के संगीत आयोजन में करीब 25 कलाकारों ने दी एकल और युगल प्रस्तुतियां, गैर-पेशेवर गायकों के आत्मविश्वास की सराहना

पटना। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) महाराष्ट्र प्रदेश के संयोजक, गीतकार, संगीतकार एवं गायक अनिल कुमार चंचल ने कहा कि कला और संस्कृति समाज के हर वर्ग को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। संगीत की कोई भाषा या धर्म नहीं होता, बल्कि यह मानवीय भावनाओं के जरिए लोगों को एक-दूसरे के करीब लाता है। ऐसे आयोजन सामाजिक सद्भाव, प्रेम और भाईचारे को मजबूत करते हैं। श्री चंचल एक नवंबर को आयोजित 'अपना पटना परिवार' के संगीत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के सभी हिस्सों में इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन होने चाहिए, ताकि लोगों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आपसी जुड़ाव बढ़ाने का अवसर मिल सके। उन्होंने बताया कि 'अपना पटना परिवार' संगीत से जुड़ा एक विशेष समूह है, जिसमें पटना के गैर-पेशेवर गायक-गायिकाएं शामिल हैं। अरुणिमा सिन्हा श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित इस समूह के सदस्य प्रत्येक वर्ष संगीत समारोह को त्योहार की तरह मनाते हैं। इस वर्ष के आयोजन में करीब 25 कलाकारों ने एकल और युगल गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मनोरंजन किया। कार्यक्रम की खासियत यह रही कि कलाकारों ने बिना पूर्व रिहर्सल और औपचारिक परिचय के सीधे मंच पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। अनिल कुमार चंचल ने कलाकारों के आत्मविश्वास और सहजता की सराहना करते हुए कहा कि गैर-पेशेवर गायकों का इस तरह मंच पर प्रस्तुति देना सराहनीय है। उन्होंने आयोजक टीम और सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मूल रूप से पटना निवासी अनिल कुमार चंचल पिछले कुछ वर्षों से नवी मुंबई में रह रहे हैं। वह विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े होने के साथ संगीत एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। उन्होंने बिहार के कई गुमनाम शायरों की रचनाओं, गीतों और गजलों पर भी काम किया है। इसके अलावा उनके कई भजन, गीत और गजलों की पेशेवर स्तर पर रिकॉर्डिंग एवं शूटिंग हो चुकी है, जो यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता सिंह, मगध विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुबोध वर्मा, डॉ. राकेश रंजन श्रीवास्तव और ज्योति रंजन सिन्हा सहित पटना के कई सेवानिवृत्त पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने संगीत प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों की प्रतिभा की सराहना की।

सैमसंग की ब्रांड वैल्यू पहुंची 105 पॉइंट 2 अरब डॉलर

नई सोच एक्सप्रेस

INTERBRAND BEST GLOBAL BRANDS 2026

पटना।सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने इंटरब्रांड की बेस्ट ग्लोबल ब्रांड्स 2026 रैंकिंग में लगातार सातवें साल दुनिया के पांच सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में अपनी जगह बरकरार रखी है। कंपनी की ब्रांड वैल्यू बढ़कर 105 पॉइंट 2 अरब डॉलर हो गई है। इसके साथ ही सैमसंग 2020 से लगातार शीर्ष पांच में शामिल रहने वाली एशिया की एकमात्र कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि कंपनी के तकनीकी नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और ग्राहकों को बेहतर कनेक्टेड अनुभव देने की रणनीति को दर्शाती है। इंटरब्रांड के अनुसार सैमसंग की मजबूत ब्रांड पहचान के पीछे रिकॉर्ड कमाई, एआई सेमीकंडक्टर कारोबार में निवेश और वन सैमसंग रणनीति की अहम भूमिका रही है। कंपनी के डिवाइस सोलूशन्स डिवीज़न ने एआई की बढ़ती मांग को देखते हुए हाई-वैल्यू मेमोरी चिप्स की आपूर्ति बढ़ाई है। सैमसंग ने एचबीएम 4 मेमोरी का बड़े पैमाने पर उत्पादन और व्यावसायिक आपूर्ति भी शुरू की है। वहीं डिवाइस एक्सपीरियंस डिवीज़न मोबाइल, टेलीविजन और घरेलू उपकरणों में एआई आधारित सुविधाओं तथा बेहतर कनेक्टिविटी पर काम कर रहा है। सैमसंग ने 2026 में गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 भी पेश किया जो उसकी फोल्डेबल स्मार्टफोन सीरीज की आठवीं पीढ़ी है। नए डिजाइन और 4:3 डिस्प्ले अनुपात वाले इस डिवाइस को युवा उपभोक्ताओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

38 वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना है मलयपुर का मां कालिका मंदिर

नई सोच एक्सप्रेस

» 11 दिवसीय महारुद्र शतचंडी हवनात्मक यज्ञ से भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर, विभिन्न प्रदेशों से पहुंच रहे श्रद्धालु

जमुई। जिले के बरहट प्रखंड अंतर्गत मलयपुर स्थित मां कालिका मंदिर पिछले 38 वर्षों से श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर की धार्मिक महत्ता ऐसी है कि वार्षिक पूजनोत्सव के अवसर पर जमुई जिले के अलावा विभिन्न प्रदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वर्तमान में मंदिर परिसर में आयोजित 11 दिवसीय महारुद्र शतचंडी हवनात्मक यज्ञ से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ है। मलयपुर में मां कालिका की पूजा-अर्चना की शुरुआत वर्ष 1986 में स्थानीय निवासी एवं मंदिर के संस्थापक अशोक कुमार सिंह की पहल पर हुई थी। शुरुआती दौर में पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती थी। भक्तों की बढ़ती आस्था को देखते हुए बाद में यहां भव्य स्थायी मंदिर का निर्माण कराया गया। वर्ष 2010 में मंदिर परिसर में संगमरमर से निर्मित मां कालिका के साथ भगवान शंकर सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। दूधिया रंग का भव्य मंदिर पूजनोत्सव के दौरान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। मंदिर में प्रतिदिन आरती होती है, जबकि संध्या आरती के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। इस दौरान भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से मां कालिका की आराधना करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं मां पूर्ण करती हैं। आचार्य शिवकुमार प्रसाद ने बताया कि आठ नवंबर तक चलने वाले 11 दिवसीय महारुद्र शतचंडी हवनात्मक यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा और मंडप प्रवेश के साथ हुआ। इसके बाद गणेश पूजन सहित विभिन्न वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। महायज्ञ में मां गायत्री का कुमकुम अर्चन, विशेष आरती, हनुमान जी की पूजा और 1100 सुंदरकांड पाठ विशेष आकर्षण हैं। उन्होंने बताया कि यज्ञ के दौरान अलग-अलग दिनों में बाबा कलेश्वर नाथ की विशेष पूजा एवं अभिषेक, मां महालक्ष्मी की अर्चना, भजन-कीर्तन, तुलसी अर्चन, भगवान श्रीकृष्ण की पूजा, दीपदान एवं ज्योति पूजन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कन्या एवं बटुक पूजन तथा मां कालिका की विशेष आवरण पूजा, सहस्रार्चन और आरती भी होगी। महायज्ञ के अंतिम दिन विधि-विधान से हवन और पूर्णाहुति संपन्न कराई जाएगी। महायज्ञ और वार्षिक पूजनोत्सव को लेकर मलयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर मां कालिका के दर्शन कर रहे हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे हैं।

पटना में पहली बार होगा चार दिवसीय फैशन वीक, बॉलीवुड सितारों और फैशन जगत की हस्तियां होंगी शामिल

नई सोच एक्सप्रेस



» सतरंगी मीडिया और हर्षा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स की पहल, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और गया में होंगे ऑडिशन; विजेता को बॉलीवुड परियोजनाओं में काम का मिलेगा अवसर

पटना। बिहार के फैशन और मनोरंजन जगत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में सतरंगी मीडिया पीआर सर्विसेज मुंबई ने पटना फैशन वीक आयोजित करने की घोषणा की है। हर्षा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स मुंबई के सहयोग से आयोजित होने वाला यह चार दिवसीय फैशन उत्सव बिहार में फैशन, मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया के लिए नया मंच तैयार करेगा। आयोजकों के अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य बिहार की प्रतिभाओं को बॉलीवुड और राष्ट्रीय फैशन उद्योग से जोड़ना है। पटना फैशन वीक के लिए बिहार के विभिन्न शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत मुजफ्फरपुर, भागलपुर और गया में प्रतिभाओं का चयन किया जाएगा। इसके बाद चयनित प्रतिभागियों को पटना में आयोजित होने वाले चार दिवसीय मुख्य फैशन शो में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने घोषणा की है कि प्रतियोगिता के विजेता को बॉलीवुड परियोजनाओं में काम करने का अवसर दिया जाएगा। फैशन वीक में बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार कनोजिया और अभिनेता बुलू कुमार जूरी के सदस्य के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा हर्षा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के संस्थापक हर्ष पोपट विघे तथा बिहार भाजपा महिला प्रकोष्ठ की नेता संध्या कश्यप भी निर्णायक मंडल का हिस्सा होंगी। प्रतिभागियों के प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास की जिम्मेदारी आधिकारिक ग्रूमर एवं कोरियोग्राफर इरफान अजीज खान संभालेंगे। वे चयनित प्रतिभागियों को ग्रूमिंग, डांस, बॉडी लैंग्वेज और रैंप वॉक का प्रशिक्षण देंगे, ताकि उन्हें पेशेवर फैशन शो के अनुरूप तैयार किया जा सके। चार दिवसीय आयोजन में फैशन शो के साथ कॉस्मेटिक्स एवं ब्यूटी ब्रांड, डिजाइनर परिधान, फैशन फैब्रिक, आभूषण और प्रीमियम फुटवियर का भी प्रदर्शन किया जाएगा। इसके माध्यम से फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र से जुड़े ब्रांडों, कारोबारियों और डिजाइनरों को अपना उत्पाद प्रस्तुत करने का मंच मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय टैगोर फिल्म अवॉर्ड्स में बिहार की फिल्म 'एक और' को मिले दो पुरस्कार

नई सोच एक्सप्रेस



» बेस्ट सोशल फिल्म और बेस्ट शॉर्ट आर्ट फिल्म का मिला सम्मान, दरभंगा और पटना में हुई है पूरी शूटिंग

पटना। बिहार में बनी शॉर्ट फिल्म 'एक और' ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म मंच पर अपनी पहचान बनाते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रंगवाणी, वैशाली एवं रंगाभिषेक के बैनर तले निर्मित इस फिल्म को कोलकाता में आयोजित इंटरनेशनल टैगोर फिल्म अवॉर्ड्स 2026 में दो पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। फिल्म को बेस्ट सोशल फिल्म और बेस्ट शॉर्ट आर्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। शिक्षा और सामाजिक सरोकारों पर आधारित इस फिल्म का निर्माण बिहार की प्रतिभाओं और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है। फिल्म की पूरी शूटिंग दरभंगा और पटना में हुई है। इसमें दरभंगा की ऐतिहासिक धरोहरों, किले और विभिन्न स्थानीय लोकेशनों को भी दर्शाया गया है। फिल्म निर्माण में बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग का सहयोग भी मिला है। फिल्म के निर्माता विनय कुमार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि बिहार में प्रतिभाओं और कहानियों की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें उचित मंच और अवसर देने की है। फिल्म के माध्यम से स्थानीय कलाकारों और तकनीकी टीम के सहयोग से बिहार में ही गुणवत्तापूर्ण सिनेमा निर्माण का प्रयास किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिले दो पुरस्कार पूरी टीम की मेहनत और समर्पण का परिणाम हैं। फिल्म के लेखक, निर्देशक एवं पटकथा लेखक अभिषेक राज हैं। वे पिछले डेढ़ दशक से बिहार के रंगमंच से जुड़े हैं और किलकारी बिहार बाल भवन, पटना में नाट्य प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। फिल्म में आद्विक प्रकाश और अंजलि शर्मा ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। गौरतलब है कि फिल्म 'एक और' का चयन अब तक चार अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में हो चुका है। 7वें इंडो-जापान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसे बेस्ट शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार मिल चुका है। वहीं, 8वें श्रीलंका इंटरनेशनल ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल और 12वें साउथ इंडियन फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स में भी फिल्म का आधिकारिक चयन हुआ है। फिल्म को मिले इन सम्मानों से बिहार के कलाकारों, रंगकर्मियों और स्थानीय फिल्म निर्माण से जुड़े लोगों में उत्साह है। यह उपलब्धि राज्य में सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों के निर्माण और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की संभावनाओं को नई मजबूती देती है।

सड़क पर ब्रेकर बनने से जलजमाव की समस्या, ग्रामीण परेशान

नई सोच एक्सप्रेस



बनमा ईटहरी |प्रखंड अंतर्गत रसलपुर पंचायत के वार्ड संख्या 12 में सड़क पर ब्रेकर बनाए जाने से जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़क पर पानी जमा रहने के कारण स्थानीय लोगों और राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व वार्ड संख्या 12 में सड़क का निर्माण कराया गया था। स्थानीय कुछ लोगों द्वारा सड़क पर ब्रेकर बना दिया गया। बताया जा रहा है कि ब्रेकर बनने के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है, जिससे सड़क पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़क पर पानी जमा रहने से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। खासकर पैदल चलने वाले लोगों और दोपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण के बाद उत्पन्न हुई इस समस्या से स्थानीय लोगों को परेशानी बढ़ गई है।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

इंटरनेट बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं

अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि बच्चों को भी बालिगों की तरह इंटरनेट के उपयोग का अधिकार है। 'सुरक्षाÓ के नाम पर इंटरनेट तक उनकी पहुंच रोकी नहीं जा सकती। इस रूप में कोर्ट ने आधुनिक जीवन में इंटरनेट के महत्त्व को रेखांकित किया है। यह सराहनीय है कि कोर्ट ने प्रतिबंध ही सुरक्षा है, जैसी प्रशासनिक सोच को खारिज कर दिया। दरअसल, बच्चों को साइबरस्पेस से बाहर निकालना पीड़ित को ही समस्या मान लेने जैसा है। उचित ही न्यायालय ने इस नजरिए को ठुकरा दिया। इसके बावजूद इस फैसले में कई समस्याएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खुद अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। यानी सेवा प्रदाता प्लेटफॉर्म कंपनियों को जवाबदेही से पूरी तरह मुक्त कर दिया। कोर्ट ने इन कंपनियों से बाल यौन शोषण सामग्री हटाने को कहा तो है, लेकिन उनके अनिवार्य तकनीकी ऑडिट और सजा का कोई प्रावधान नहीं किया। अदालत की यह राय वाजिब है कि दूरदराज के इलाकों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पास अक्सर सीखने और दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम इंटरनेट ही होता है। लेकिन ऐसी स्थिति में प्लेटफॉर्म कंपनियों की जवाबदेही तय करने का सिस्टम और जरूरी हो जाता है। गरीब परिवारों में माता-पिता अक्सर डिजिटल साक्षर नहीं होते। उनके बच्चे सस्ते स्मार्टफोन के जरिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं। डिवाइस सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, और सामग्री फिल्टरिंग के अभाव में इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार किस हद तक सशक्तीकरण है, यह सवाल बना रहेगा। वैसे भारत में व्यापक दायरे में भी अधिकार और उसके उपभोग की स्थितियों ने एक विरोधाभास खड़ा कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट पहले निर्णय दे चुका है कि बार-बार इंटरनेट शट-डाइन नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन इससे शटडाउन पर रोक नहीं लगी है। भारत सबसे ज्यादा ऐसा शट-डाउन करने वाला देश बना हुआ है। इसीलिए अधिकार की हर न्यायिक घोषणा के व्यावहारिक महत्त्व पर अक्सर नया सवाल उठ खड़ा होता है।

रामलीला मैदान की हुंकार और 2027 की चुनौती

अखिलेश यादव के सामने भाजपा की विदाई से पहले विपक्षी एकता बचाने की कठिन परीक्षा



आरती कुमारी

दिल्ली के रामलीला मैदान से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के खिलाफ जिस आक्रामक अंदाज में हुंकार भरी है, उसकी असली परीक्षा अब उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन पर होगी। एक नवंबर को इंडिया गठबंधन की महारैली में विपक्षी नेताओं ने एक मंच पर खड़े होकर चुनावी व्यवस्था, कथित वोट चोरी और भाजपा की राजनीति पर तीखे सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा कीविदाई होगी। उन्होंने यहां तक कहाकि उत्तर प्रदेश के लोग स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई उससे भी बेहतर करते हैं। उनके इस बयान ने प्रदेश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि दिल्ली के रामलीला मैदान में दिखाई देने वाली विपक्षी एकजुटता क्या लखनऊ पहुंचने के बाद भी कायम रह पाएगी? क्योंकि भाजपा को सत्ता से हटाने की लड़ाई में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। अखिलेश यादव ने रामलीला मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी बताते हुए परिवर्तन का संदेश दिया। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिनकी जमीन ही नहीं बची, वे पैर कहां रखेंगे। उनका यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान के जवाब के रूप में देखा गया। अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम कटने संबंधी बयान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि आखिर इतना बड़ा आंकड़ा कहां से आया और इसकी जानकारी किस आधार पर दी गई? विपक्ष का तर्क है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी और कथित वोट चोरी लोकतंत्र के लिए गंभीर विषय हैं। हालांकि, मतदाता सूची में नाम कम होने और जानबूझकर वोट चोरी किए जाने के आरोपों को एक ही तथ्य मानना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में संशोधन, पात्र मतदाताओं के नाम हटने, नाम जोड़ने की प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग के आधिकारिक आंकड़ों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन उन सवालों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करना भी उसकी जिम्मेदारी है। चुनावी व्यवस्था पर बहस तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए, ताकि मतदाता का भरोसा किसी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की भेंट न चढ़े।

2024 की जीत से बढ़ा आत्मविश्वास: अखिलेश यादव की राजनीतिक आक्रामकता के पीछे 2024 के लोकसभा चुनाव का परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीतकर भाजपा को बड़ा झटका दिया था। भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई थी। सपा और कांग्रेस का संयुक्त आंकड़ा 43 सीटों तक पहुंचना इसलिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि उत्तर प्रदेश लंबे समय से भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति का सबसे मजबूत आधार रहा है। समाजवादी पार्टी ने अपने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण को चुनावी सफलता में बदलकर दिखाया। कांग्रेस को भी गठबंधन के सहारे अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का अवसर मिला। यही वजह है कि दोनों दल अब 2027 के विधानसभा चुनाव को प्रदेश की सत्ता में बदलाव के बड़े अवसर के रूप में देख रहे हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव की सफलता को विधानसभा चुनाव की जीत की गारंटी मान लेना राजनीतिक भूल होगी। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मुद्दे अलग होते हैं। राष्ट्रीय राजनीति के प्रभाव के साथ विधानसभा चुनाव में स्थानीय उम्मीदवार, जातीय समीकरण, क्षेत्रीय समस्याएं, संगठन की सक्रियता और सरकार के कामकाज का असर कहीं अधिक दिखाई देता है। 2024 का परिणाम विपक्ष को आत्मविश्वास जरूर देता है, लेकिन 2027 के लिए उसे नए सिरे से तैयारी करनी होगी।

403 सीटों का गणित आसान नहीं: उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं और बहुमत के लिए 202 सीटों की आवश्यकता होती है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अकेले 255 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। समाजवादी पार्टी 111 सीटों तक पहुंची थी, जबकि कांग्रेस को केवल दो सीटें मिली थीं। भाजपा के सहयोगी दलों को मिलाकर एनडीए की संख्या 273 तक पहुंच गई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि विपक्ष को सत्ता तक पहुंचने के लिए अपनी पिछली स्थिति से काफी आगे जाना होगा। लोकसभा की 43 सीटों पर जीत बड़ी उपलब्धि जरूर है, लेकिन विधानसभा की 202 सीटों का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर क्षेत्र में मजबूत उम्मीदवार, सक्रिय संगठन और मतदाताओं के बीच विश्वसनीयता जरूरी होगी। भाजपा को हराने के लिए केवल सरकार के खिलाफ नाराजगी पैदा करना पर्याप्त नहीं होगा। विपक्ष को जनता के सामने अपना वैकल्पिक विकास मॉडल भी रखना होगा। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने के साथ यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर वह इन समस्याओं का समाधान कैसे करेगा। जनता केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि भविष्य की स्पष्ट दिशा भी चाहती है।

सीटों के बंटवारे में उलझ सकता है गठबंधन: विपक्षी एकता की सबसे कठिन परीक्षा सीटों के बंटवारे में होने वाली है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है। पार्टी की नजर उन सीटों पर है जहां उसका पुराना जनाधार और मजबूत उम्मीदवार मौजूद हैं। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी खुद को प्रदेश की सबसे बड़ी विपक्षी ताकत मानती है। मई 2026 में सामने आए राजनीतिक घटनाक्रम के अनुसार कांग्रेस ने 100 से 125 सीटों पर मजबूत उम्मीदवार तैयार करने की रणनीति बनाई थी। वहीं समाजवादी पार्टी सीटों की संख्या के बजाय जीतने की संभावना को प्राथमिकता देने की बात कहती रही है। दोनों दलों के बीच अंतिम सीट समझौता अभी होना बाकी है। यहीं से गठबंधन की वास्तविक परेशानी शुरू होती है। कांग्रेस को अधिक सीटें मिलती हैं तो सपा के स्थानीय नेताओं की नाराजगी बढ़ सकती है। सपा अधिक सीटें अपने पास रखती है तो कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा हो सकता है। दोनों दलों के सामने अपने-अपने राजनीतिक आधार को बचाने की चुनौती है। वर्ष 2017 का अनुभव भी दोनों दलों के सामने है। उस समय सपा और कांग्रेस ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस को 105 सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटें जीत सकी थी। समाजवादी पार्टी को भी सत्ता से बाहर होना पड़ा था। 2022 में दोनों दल अलग-अलग चुनाव लड़े और कांग्रेस दो सीटों पर सिमट गई। ऐसे में दोनों दलों को यह समझना होगा कि गठबंधन की मजबूती केवल सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि सही उम्मीदवार, कार्यकर्ताओं के तालमेल और साझा रणनीति से तय होती है।

पीडीए की मजबूती और बसपा की भूमिका: अखिलेश यादव की राजनीति का सबसे बड़ा आधार पीडीए है। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को एक राजनीतिक मंच पर लाने की उनकी कोशिश ने 2024 में समाजवादी पार्टी को बड़ी सफलता दिलाई। मगर 2027 में इस समीकरण को बनाए रखना आसान नहीं होगा। कांग्रेस का अपना सामाजिक आधार है। सपा का अपना संगठन और मतदाता वर्ग है। छोटे सहयोगी दल भी अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी चाहते हैं। ऐसे में अखिलेश यादव को सभी सहयोगियों को साथ लेकर चलना होगा। केवल बड़े नेताओं की संयुक्त तस्वीर से मतदाता एक साथ नहीं आते। इसके लिए गांवों, कस्बों और बूथों तक साझा अभियान चलाना होगा। बसपा प्रमुख मायावती की राजनीति भी इस समीकरण को प्रभावित कर सकती है। दलित मतदाताओं के बीच बसपा का प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सपा और कांग्रेस को यह समझना होगा कि दलित मतदाताओं का समर्थन केवल नारों से नहीं, बल्कि भरोसे, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी से हासिल किया जा सकता है।

भाजपा की चुनौती और विपक्ष की जिम्मेदारी: भाजपा को विपक्ष की एकजुटता से राजनीतिक चुनौती जरूर मिलेगी, लेकिन उसे कमजोर समझना विपक्ष की बड़ी भूल होगी। भाजपा के पास प्रदेशव्यापी संगठन, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और सरकार चलाने का अनुभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी पहले से चुनावी तैयारी में जुटी है। विपक्ष को भाजपा के संगठनात्मक ढांचे का मुकाबला करने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना होगा। बूथ प्रबंधन, मतदाता संपर्क, स्थानीय समस्याओं की पहचान और उम्मीदवारों की स्वीकार्यता चुनावी सफलता के महत्वपूर्ण आधार होंगे। यदि गठबंधन के कार्यकर्ता एक-दूसरे के उम्मीदवारों के लिए काम नहीं करेंगे तो शीर्ष नेताओं की एकजुटता का चुनावी लाभ सीमित रह जाएगा। साथ ही विपक्ष को जनता के सामने सकारात्मक एजेंडा रखना होगा। रोजगार के अवसर, किसानों की आय, युवाओं का भविष्य, महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं पर ठोस प्रस्ताव देने होंगे। भाजपा की आलोचना के साथ अपने शासन की संभावित प्राथमिकताओं को स्पष्ट करना भी जरूरी है

बिहार अब वह बिहार नहीं रहा



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

बिहार की धरती केवल एक भौगोलिक प्रदेश नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, दर्शन, संघर्ष और गौरवशाली इतिहास की साक्षी रही है। इसी धरती ने दुनिया को शांति का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध दिए, जैन धर्म के तीर्थंकर महावीर की तपोभूमि दी, विश्व को ज्ञान की रोशनी देने वाला नालंदा विश्वविद्यालय दिया और लोकतंत्र की पहली प्रयोगशालाओं में से एक वैशाली की विरासत दी। यहां की मिट्टी के कण-कण में इतिहास की अनगिनत कहानियां छिपी है। यहां आने वाला पर्यटक केवल ऐतिहासिक इमारतों को नहीं देखता है, बल्कि भारत की आत्मा, उसकी सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परंपरा को करीब से महसूस करता है। इसलिए बिहार आने का अर्थ केवल पर्यटन नहीं है, बल्कि अपनी सभ्यता के स्वर्णिम अध्यायों से साक्षात्कार करना है। आज जरूरत है कि देश-दुनिया के लोग बिहार को उसकी पुरानी छवि से नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान और बदलते स्वरूप से देखें। बिहार अब वह बिहार नहीं रहा, जिसकी तस्वीर दशकों से देश के सामने प्रस्तुत की जाती रही है। बिहार का इतिहास किसी एक कालखंड या राजवंश तक सीमित नहीं है। यह वह भूमि है, जहां से ज्ञान, अध्यात्म, लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन और मानवीय मूल्यों की अनेक धाराएं निकली। प्राचीन मगध साम्राज्य ने भारतीय राजनीतिक इतिहास को दिशा दी। मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त और सम्राट अशोक की शासन परंपरा ने भारत की सीमाओं से बाहर तक अपनी छाप छोड़ी। अशोक का धम्म संदेश आज भी शांति, सहिष्णुता और मानवीयता का प्रतीक है। वैशाली की धरती लोकतांत्रिक परंपराओं की प्राचीन स्मृतियों को अपने भीतर समेटे हुए है। राजगीर की पहाड़ियों में इतिहास और अध्यात्म की अनुभूति होती है। बोधगया में महाबोधि मंदिर के आसपास का वातावरण आज भी दुनिया भर से आने वाले लोगों को शांति का एहसास कराता है। यहीं पीपल के वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ और वे भगवान बुद्ध कहलाए। नालंदा की धरती ज्ञान की उस परंपरा की याद दिलाती है, जब दुनिया के अलग-अलग देशों से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने आते थे। यह केवल एक विश्वविद्यालय नहीं था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-विनिमय, शोध और बौद्धिक विमर्श का महान केंद्र था। इसकी ख्याति भारत की सीमाओं से निकलकर चीन, तिब्बत, कोरिया और दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंची थी। इसलिए बिहार को समझना भारत की सभ्यता को समझने जैसा है। यहां का हर ऐतिहासिक स्थल एक कहानी कहता है और हर सांस्कृतिक परंपरा अपने भीतर एक संदेश समेटे हुए है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस बिहार ने कभी दुनिया को ज्ञान और दर्शन की रोशनी दी, उसकी पहचान बीते कुछ दशकों में अनेक नकारात्मक धारणाओं के बीच सिमटकर रह गई। विशेष रूप से बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशकों में बिहार और बिहारी शब्द को कई बार अशिष्ट टिप्पणियों, उपहास और सामाजिक पूर्वाग्रहों के साथ जोड़ दिया गया। यह स्थिति केवल प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली नहीं थी, बल्कि करोड़ों बिहारियों के आत्मसम्मान को भी चोट पहुंचाने वाली थी। लेकिन इस स्थिति के लिए केवल बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। बिहार की छवि को प्रभावित करने में हमारी अपनी सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक कमियों का भी योगदान रहा है। जब हम अपनी विरासत को भूलते हैं, अपनी उपलब्धियों को सामने नहीं लाते और अपनी कमजोरियों को दूर करने के बजाय उन्हें स्वीकार कर लेते हैं, तब दूसरे भी हमारी पहचान को उसी नजर से देखने लगते हैं। आज समय बदल रहा है। बिहार अपनी ऐतिहासिक पहचान को पुनर्जीवित करने के साथ आधुनिक विकास की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, पर्यटन, आधारभूत संरचना, सांस्कृतिक संरक्षण और संस्थागत विकास के क्षेत्र में नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुत्थान हो या पटना में बिहार संग्रहालय का निर्माण, ये सभी प्रयास इस बात के प्रतीक हैं कि बिहार अपनी विरासत को केवल याद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे भविष्य की शक्ति बनाना चाहता है। पटना की धरती पर स्थित बिहार म्यूजियम आज बिहार की बदलती सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुका है। यह केवल ईंट-पत्थरों से बनी एक भव्य इमारत नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, कला, शिल्प और गौरवशाली विरासत का जीवंत दस्तावेज है। इस संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह इतिहास को केवल पुस्तकों और तारीखों के माध्यम से प्रस्तुत नहीं करता, बल्कि उसे देखने, समझने और महसूस करने का अवसर देता है। यहां संरक्षित कलाकृतियां, मूर्तियां, पुरातात्विक अवशेष, ऐतिहासिक वस्तुएं और कलात्मक प्रस्तुतियां बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक यात्रा को सामने लाती हैं। यहां आने वाला व्यक्ति प्राचीन बिहार की कला, स्थापत्य, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक जीवन के विभिन्न पहलुओं से परिचित होता है। संग्रहालय की दीर्घाएं अतीत के अलग-अलग कालखंडों को इस तरह सामने रखती हैं कि दर्शक स्वयं को इतिहास के बीच खड़ा महसूस करने लगता है। बिहार म्यूजियम का आधुनिक स्थापत्य भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। इसकी संरचना में आधुनिकता और भारतीय सांस्कृतिक संवेदना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। विशाल परिसर, सुव्यवस्थित दीर्घाएं, कलात्मक प्रस्तुति और संग्रह की विविधता इसे एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। यह संग्रहालय बिहार के लोगों को अपनी विरासत पर गर्व करने का अवसर देता है और नई पीढ़ी को यह समझने के लिए प्रेरित करता है कि आधुनिकता की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अपनी जड़ों से जुड़े रहना कितना जरूरी है। किसी संग्रहालय की प्रतिष्ठा केवल उसकी भव्य इमारत से निर्धारित नहीं होती। उसकी पहचान उसके संग्रह, शोध, संरक्षण, प्रस्तुति, दर्शकों के अनुभव और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महत्व से बनती है। इस दृष्टि से बिहार म्यूजियम का लगातार चर्चा में आना बिहार के लिए उत्साहजनक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संग्रहालयों की प्रतिष्ठा को लेकर होने वाले मूल्यांकन और पर्यटन संबंधी चर्चाओं में बिहार म्यूजियम का नाम सामने आना राज्य की सांस्कृतिक उपलब्धि है। यदि किसी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग या सूची में इसे दुनिया के शीर्ष दस संग्रहालयों और एशिया में प्रथम स्थान का गौरव प्राप्त हुआ है, तो यह निश्चित रूप से हर बिहारी के लिए गर्व का विषय है। हालांकि ऐसी रैंकिंग के मूल्यांकन वर्ष, संस्था और मानदंड को ध्यान में रखना भी जरूरी है। इस उपलब्धि का महत्व इसलिए भी अधिक है कि बिहार म्यूजियम ने देश-दुनिया के सामने बिहार की एक नई तस्वीर प्रस्तुत की है। अब बिहार की चर्चा केवल राजनीतिक घटनाओं, गरीबी, पलायन या चुनौतियों के संदर्भ में ही नहीं, बल्कि कला, संस्कृति, इतिहास और विश्वस्तरीय संग्रहालय के संदर्भ में भी हो सकती है। यह उपलब्धि बताती है कि बिहार में क्षमता की कमी कभी नहीं रही। आवश्यकता रही है उस क्षमता को सही दिशा, संसाधन और अवसर देने की। बिहार की सांस्कृतिक और बौद्धिक पहचान की चर्चा नालंदा के बिना अधूरी है। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षा केंद्रों में शामिल था। यहां दर्शन, व्याकरण, चिकित्सा, गणित, तर्कशास्त्र और बौद्ध अध्ययन जैसे विषयों की शिक्षा दी जाती थी। दूर-दराज के देशों से विद्यार्थी और विद्वान यहां आते थे। समय के थपेड़ों और ऐतिहासिक विनाश के बावजूद नालंदा की स्मृति समाप्त नहीं हुई। आज नए नालंदा विश्वविद्यालय के माध्यम से उसी ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की उस बौद्धिक विरासत को फिर से विश्व के सामने प्रस्तुत करने की कोशिश है, जिसने कभी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा जगत को प्रभावित किया था। नालंदा और बिहार म्यूजियम मिलकर एक ऐसा सांस्कृतिक संदेश देते हैं, जिसमें अतीत का गौरव और भविष्य की आकांक्षा एक साथ दिखाई देती है। बिहार की विशेषता यह भी है कि यहां अनेक धर्मों और आध्यात्मिक परंपराओं ने मानवता को नई दिशा दी है। बोधगया में बुद्ध की करुणा और शांति का संदेश मिलता है तो पावापुरी में भगवान महावीर के अहिंसा और अपरिग्रह के सिद्धांतों की अनुभूति होती है। राजगीर, वैशाली, पावापुरी, बोधगया और अन्य धार्मिक-ऐतिहासिक स्थल केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं हैं, बल्कि भारत की बहुलतावादी संस्कृति और सह-अस्तित्व की परंपरा के प्रमाण भी है। इन स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु बिहार को एक अलग दृष्टि से देखते हैं। यहां की धरती पर कदम रखते ही उन्हें महसूस होता है कि भारत की आध्यात्मिक चेतना कितनी गहरी और व्यापक रही है। बिहार की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यहां इतिहास किसी एक धर्म, समुदाय या विचारधारा की कहानी नहीं कहता, बल्कि अनेक परंपराओं के सह-अस्तित्व और संवाद की विरासत प्रस्तुत करता है। बिहार के पास पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। धार्मिक पर्यटन, बौद्ध पर्यटन, जैन पर्यटन, ऐतिहासिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन के अनेक केंद्र यहां मौजूद हैं। बोधगया में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटकों का आगमन, राजगीर का ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षण, नालंदा के खंडहर, वैशाली की ऐतिहासिक पहचान, पावापुरी की धार्मिक महत्ता और पटना का बिहार म्यूजियम मिलकर एक व्यापक पर्यटन परिपथ का निर्माण कर सकते हैं। पर्यटन का विकास केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। होटल, परिवहन, खानपान, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, गाइड सेवा और छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहन मिलता है। यदि इन सभी क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएं तो बिहार पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। इसके लिए जरूरी है कि ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंचने के साधन बेहतर हों, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, प्रशिक्षित गाइड उपलब्ध हों तथा पर्यटकों को बहुभाषी जानकारी मिले। डिजिटल प्रचार और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नेटवर्क से जुड़ाव भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बिहार की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी, प्रतिभा, श्रमशक्ति और संघर्षशील समाज है। देश के विभिन्न हिस्सों में बिहार के लोग शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, तकनीक, उद्योग, साहित्य, कला और व्यवसाय के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। बिहारियों ने अपनी मेहनत और लगन से राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब आवश्यकता है कि यही आत्मविश्वास बिहार की धरती पर भी दिखाई दे।

जनगणना 2027 : जातिगत आँकड़ों से सामाजिक न्याय तक, डिजिटल भारत की नई जनगणना और विकास की भावी दिशा



आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी, कटिहार, बिहार

किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा की वास्तविक दिशा निर्धारित करने के लिए उसकी जनसंख्या, सामाजिक संरचना, आर्थिक स्थिति, शैक्षणिक स्तर और उपलब्ध संसाधनों की प्रमाणिक जानकारी होना अनिवार्य है। जनगणना केवल नागरिकों की संख्या गिनने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं का व्यापक दस्तावेज होती है। इसी के आधार पर सरकारें विकास योजनाएँ बनाती हैं, संसाधनों का वितरण करती हैं और भविष्य की नीतियों की रूपरेखा तैयार करती हैं। ऐसे में वर्ष 2027 में प्रस्तावित भारत की जनगणना केवल एक नियमित सरकारी अभ्यास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, जातिगत प्रतिनिधित्व, आर्थिक नियोजन और विकसित भारत के संकल्प की दृष्टि से ऐतिहासिक महत्त्व रखती है। भारत में पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना कोरोना महामारी के कारण स्थगित करनी पड़ी। अब लगभग डेढ़ दशक के अंतराल के बाद देश में नई जनगणना की तैयारी की जा रही है। विशेष बात यह है कि इस बार जनगणना में पहली बार व्यापक स्तर पर डिजिटल तकनीक का उपयोग होगा तथा स्वतंत्रता के बाद पहली बार सभी जातियों की गणना को भी इसमें शामिल किया गया है। इससे प्राप्त आँकड़े भारत की बदलती सामाजिक और आर्थिक संरचना को समझने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जनगणना : राष्ट्र निर्माण की आधारशिला: भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जनगणना का महत्त्व असाधारण है। यहाँ भाषाई, धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विविधता इतनी व्यापक है कि बिना प्रमाणिक आँकड़ों के समावेशी विकास की कल्पना अधूरी रह जाती है। जनगणना के माध्यम से देश की कुल जनसंख्या, आयु संरचना, महिला-पुरुष अनुपात, शिक्षा, रोजगार, प्रवासन, आवास, परिवारों की आर्थिक स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है। इन्हीं आँकड़ों के आधार पर विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों, सड़कों, पेयजल योजनाओं और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं की आवश्यकता का आकलन किया जाता है। किस क्षेत्र में कितने विद्यालय चाहिए, कहाँ स्वास्थ्य केंद्रों की आवश्यकता है, किन जिलों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की जरूरत है और किन क्षेत्रों में आधारभूत संरचना कमजोर है—इन प्रश्नों का उत्तर प्रमाणिक जनगणना से ही बेहतर ढंग से मिल सकता है। इसलिए जनगणना को केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की विकास योजना का आधार माना जाना चाहिए।

जातिगत जनगणना : सामाजिक न्याय की नई कसौटी: वर्ष 2027 की जनगणना का सबसे चर्चित और महत्त्वपूर्ण पक्ष जातिगत गणना है। स्वतंत्रता के बाद सामान्य जनगणना में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आँकड़े तो एकत्र किए जाते रहे हैं, लेकिन अन्य जातियों की व्यापक गणना नहीं हुई थी। अब सभी जातियों की गणना का निर्णय सामाजिक और राजनीतिक विमर्श में नई बहस को जन्म दे रहा है। भारत की सामाजिक संरचना में जाति आज भी शिक्षा, रोजगार, सामाजिक अवसरों और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक है। ऐसे में विभिन्न जातियों की वास्तविक जनसंख्या, शैक्षणिक स्थिति, आर्थिक स्थिति और सामाजिक भागीदारी की जानकारी उपलब्ध होना नीतिगत दृष्टि से उपयोगी हो सकता है। जातिगत आँकड़ों से यह समझने में सहायता मिल सकती है कि किन समुदायों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पर्याप्त रूप से नहीं पहुँचा है, किन वर्गों में शिक्षा और रोजगार की स्थिति कमजोर है तथा किन क्षेत्रों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। लेकिन जातिगत जनगणना का उद्देश्य समाज को जातियों में बाँटना नहीं, बल्कि सामाजिक असमानताओं की वास्तविक स्थिति समझकर समान अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए। जाति आधारित राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विभाजन से बचते हुए इन आँकड़ों का उपयोग न्यायपूर्ण विकास के लिए किया जाना आवश्यक है। यह भी समझना होगा कि जातिगत जनसंख्या का आँकड़ा अपने आप आरक्षण की सीमा अथवा स्वरूप में परिवर्तन नहीं करता। इसके लिए संवैधानिक प्रावधानों, न्यायिक निर्णयों और विधिक प्रक्रिया का पालन आवश्यक होगा।

डिजिटल जनगणना : तकनीकी परिवर्तन का नया अध्याय: वर्ष 2027 की जनगणना भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। इसमें प्रगणक कागजी प्रपत्रों के स्थान पर मोबाइल आधारित तकनीकी साधनों से जानकारी एकत्र करेंगे। नागरिकों को निर्धारित अवधि में स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी दी जाएगी। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जा रही है। पहले चरण में मकानों, आवासीय सुविधाओं और परिवारों की उपलब्ध संपत्तियों से संबंधित जानकारी एकत्र की गई है। दूसरा चरण जनसंख्या गणना का होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और जनसांख्यिकीय जानकारी दर्ज की जाएगी। अधिकांश राज्यों में दूसरे चरण के लिए स्व-गणना की सुविधा 10 जनवरी से 24 जनवरी 2027 तक तथा घर-घर जाकर गणना 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक निर्धारित है। कुछ चुनावी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्यों के लिए अलग समय-सारणी निर्धारित की गई है। डिजिटल व्यवस्था से आँकड़ों का संकलन, निगरानी और विश्लेषण अधिक व्यवस्थित हो सकता है। इससे त्रुटियों में कमी आने और परिणामों के प्रकाशन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। हालाँकि, तकनीकी व्यवस्था की सफलता के लिए इंटरनेट की उपलब्धता, कर्मचारियों का प्रशिक्षण, आँकड़ों की शु

10 नवंबर को निकलेगी भगवान चित्रगुप्त की विशाल शोभायात्रा, तैयारियों में जुटा केंद्रीय चित्रगुप्त महा परिवार

नई सोच एक्सप्रेस



गिरिडीह। चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर 10 नवंबर को केंद्रीय चित्रगुप्त महा परिवार के बैनर तले भगवान चित्रगुप्त की भव्य व विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा पुराने जेल परिसर स्थित चित्रगुप्त मंदिर से निकलेगी। इसकी सफलता को लेकर कायस्थ समाज में तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के सभी कायस्थ परिवारों के साथ-साथ विभिन्न प्रखंडों में रहने वाले चित्रांशों व महिलाओं से भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। वहीं, महिलाओं से शोभायात्रा में पीली साड़ी पहनकर आने का विशेष आग्रह किया गया है। शोभायात्रा को ऐतिहासिक व यादगार बनाने के उद्देश्य से चित्रांश मोहल्लों में बैठक व जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में 31 अक्टूबर को पटेल नगर व रविवार को बस स्टैंड रोड में चित्रांश समाज की बैठक हुई। जिसमें जनजागरण अभियान चलाने व कोष संग्रह के लिए समाज के लोगों के बीच जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सिंकू सिन्हा ने बताया कि शोभायात्रा में शामिल होने वाले सभी लोगों को विशेष पट्टी दी जाएगी। साथ ही एक ट्रक पर भगवान चित्रगुप्त का भव्य रथ तैयार किया जाएगा, जो शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण होगा। कायस्थ महासभा के सचिव संजीव नाथ धुल्लू ने कहा कि इस बार की शोभायात्रा यादगार होगी व समाज के सभी लोगों को इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। बैठक में जयशंकर, सिंकू सिन्हा, संजीव नाथ धुल्लू, राजेश सिन्हा, नीलू सिन्हा, रंजन सिन्हा, विकास सिन्हा व सतीश कुंदन सहित कई चित्रांश उपस्थित थे। **महिलाओं ने भी संभाली शोभायात्रा की कमान:** शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर महिलाओं की बैठक डॉ. पुष्पा सिन्हा के अरगाघाट स्थित आवास पर हुई। बैठक में महिलाओं ने व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने व घर-घर जाकर समाज की महिलाओं को जोड़ने का निर्णय लिया। डॉ. पुष्पा सिन्हा ने कहा कि शोभायात्रा की सफलता के लिए सभी महिलाओं को बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। तनुजा सहाय ने सुझाव दिया कि समाज की महिलाओं को महीने में कम से कम एक बार बैठक करनी चाहिए, ताकि आपसी संपर्क व सामाजिक गतिविधियां निरंतर बनी रहें। संगीता सिन्हा ने कहा कि रुक-रुक कर कार्यक्रम आयोजित करने से उत्साह कम होता है, इसलिए समाज को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। वहीं, पम्मी सिन्हा ने सभी महिलाओं से 10 नवंबर को पीली साड़ी पहनकर शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की। महिलाओं की बैठक में संगीता सिन्हा, तनुजा सहाय, नेहा सिन्हा, जूली सिन्हा, मंजू सिन्हा, डॉ. पायल वर्मा, राखी सिन्हा, श्वेत शिखा, पम्मी सिन्हा, मनिका सिन्हा, वार्ड पार्षद सरिता श्रीवास्तव, सीमा शरण, खुशबू शरण, सिंकी शरण, धरणीधर, मनीष नारायण, प्रो. अनुज, राजेश सिन्हा, नीतीश आनंद, अनुज व प्रभात कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। समाज के लोगों का कहना है कि इस शोभायात्रा के माध्यम से भगवान चित्रगुप्त के प्रति आस्था के साथ-साथ कायस्थ समाज की एकजुटता, सामाजिक सहभागिता व सांस्कृतिक पहचान का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गम्हरिया थाना प्रकरण में महिला आयोग के हस्तक्षेप का आदित्य साहू ने किया स्वागत

» पीड़िता को त्वरित न्याय और दोषियों को मिले कठोर सजा, सात दिनों में मांगी गई कार्रवाई रिपोर्ट

रांची। सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में महिला के साथ दुष्कर्म की घटना के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग के हस्तक्षेप का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह घटना झारखंड की पुलिस व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सरकार को मामले में त्वरित और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। आदित्य साहू ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने झारखंड के डीजीपी को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच का निर्देश दिया है। आयोग ने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ पीड़िता को चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक और कानूनी सहायता उपलब्ध कराने तथा पुलिस थानों में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई प्रतिवेदन (एटीआर) भी मांगा है। साहू ने कहा कि जिस थाने में महिला न्याय और सुरक्षा की उम्मीद लेकर पहुंची थी, उसी परिसर में ऐसी जघन्य घटना का आरोप सामने आना बेहद शर्मनाक है। यह सवाल खड़ा करता है कि महिलाएं आखिर सुरक्षा और न्याय की उम्मीद लेकर कहां जाएं। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन की जवाबदेही से भी जुड़ा है। उन्होंने बताया कि मामले में आरोपी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी और अन्य कर्मियों के निलंबन की कार्रवाई हुई है। हालांकि, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, साक्ष्यों का संरक्षण और प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति की जवाबदेही तय करना जरूरी है। किसी भी दोषी को पद या वर्दी की आड़ में बचने नहीं दिया जाना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार से पीड़िता को पर्याप्त सुरक्षा और न्यायिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच किसी भी दबाव से मुक्त होनी चाहिए और दोषियों को कानून के अनुसार कठोर सजा मिलनी चाहिए। साथ ही सरकार ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के लिए भाजपा ने गठित की प्रदेश स्तरीय समिति

रांची।आगामी जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल संचालन और बेहतर समन्वय के लिए भाजपा झारखंड प्रदेश ने प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देश पर गठित इस समिति में पांच संरक्षक, एक संयोजक, दो सह-संयोजक और 11 सदस्यों को शामिल किया गया है। समिति में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, चंपई सोरेन और मधु कोड़ा के साथ नीलकंठ सिंह मुंडा को संरक्षक बनाया गया है। वहीं, समीर उरांव को संयोजक तथा मनोज सिंह और सुनील सोरेन को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सन्नी टोप्पो, शिवशंकर उरांव, रामकुमार पाहन, रोशनी खलखो, अनीता मुर्मू, भूषण पाट पिंगुवा, संजय सरदार, हरकृष्णा सिंह खेरवार, अशोक बड़ाईक, कोचे मुंडा और बबलू भगत को समिति का सदस्य बनाया गया है। भाजपा का उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वीर महापुरुषों के बलिदान एवं योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। समिति जनजातीय गौरव दिवस के तहत होने वाले कार्यक्रमों के आयोजन, समन्वय और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी।

कोडरमा में तेज रफ्तार टैंकर ने साइकिल सवार को कुचला, ग्रामीणों ने एनएच-20 किया जाम

कोडरमा। जिला के चंदवारा थाना क्षेत्र में रांची-पटना मुख्य मार्ग पर सोमवार को सड़क हादसे में साइकिल सवार एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। उरवां स्थित तथागत हॉस्पिटल के समीप तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। घायल का नाम रामेश्वर ठाकुर है। वह उरवां गांव के रहने वाले हैं। उनकी उम्र 60 साल के आसपास बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रामेश्वर ठाकुर किसी निजी काम से साइकिल पर सवार होकर जामुखांडी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे टैंकर (यूपी 75 एटी 5017) ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। **पाइपलाइन मरम्मत के लिए वन-वे था रास्ता, ग्रामीणों में आक्रोश:** घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने रांची-पटना मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि पाइपलाइन की मरम्मत के लिए सड़क पर वन-वे व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन इसके बावजूद यातायात प्रबंधन में लापरवाही बरती गई। इसी वजह से हादसा हुआ। ग्रामीणों ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सड़क जाम कर विरोध जताया। जाम के कारण रांची-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-20 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। खबर लिखे जाने तक सड़क जाम जारी था व सैकड़ों वाहन फंसे हुए थे।

बिरसा मुंडा के 151वीं जंयती पर जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा का हुआ आयोजन, डीसी ने जागरूकता रथ को रवाना किया



लातेहार। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर जिले में जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीसी संदीप कुमार ने कहा कि जनजातीय समुदायों का सवार्गीण विकास जिला प्रशासन की पहला प्राथमिकता है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हरके अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना व जनजातीय परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व बुनियादी सुविधाओं से जोड़ना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने व सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। डीसी ने सोमवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा के तहत समाहरणालय परिसर से जनजातीय गौरव रथ रवाना किया। जनजातीय गौरव रथ जिले के सभी प्रखंडों के जनजातीय बहुल ग्रामों का भ्रमण करेगा। इस दौरान ग्रामीणों को जनजातीय समुदायों के विकास, उनके अधिकारों व केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना व उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना। जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा 1 नवंबर से 15 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान, पीएम-जनमन सहित जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को सड़क, बिजली, पेयजल, आवास, स्वास्थ्य सुविधा व संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ कौशल विकास, स्वरोजगार व उद्यमिता के अवसरों की जानकारी भी दी जायेगी। मौके पर आईटीडीए निदेशक सरोजनी ऐनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला खेल पदाधिकारी अविनेश कुमार त्रिपाठी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी चंद्र किशोर कुमार सहित कई अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रांची में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नई सोच एक्सप्रेस



» हजारों कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर नेताओं ने साधा निशाना; एसआईआर के समर्थन में लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प

रांची।भारतीय जनता पार्टी की ओर से राजधानी रांची में सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत विशाल पदयात्रा निकाली गई। मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका से शुरू हुई पदयात्रा कचहरी चौक होते हुए जेल मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह झारखंड प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा समेत हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा ने इस आयोजन के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कांग्रेस पर चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ने कहा कि मॉक पार्लियामेंट करने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। प्रधानमंत्री बनने के लिए चुनाव जीतकर जनता का विश्वास हासिल करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस संसद, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस को ईवीएम पर भी सवाल उठाने का अधिकार नहीं है, क्योंकि इसी चुनाव प्रणाली से विपक्षी दलों के नेता भी विभिन्न राज्यों में सत्ता में पहुंचे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह मुद्दाविहीन हो चुकी है। एसआईआर का विरोध मृत, अवैध और फर्जी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी है और किसी भी वैध मतदाता का नाम नहीं कटेगा। उन्होंने झारखंड में घुसपैठ की समस्या को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कांग्रेस को यह विकास बर्दाश्त नहीं हो रहा है। उन्होंने झारखंड की हेमंत सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए और कहा कि राज्य की समस्याओं को छोड़कर सरकार के नेता दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर देश में अराजकता का माहौल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य जनता को लोकतंत्र के सामने खड़े खतरों से अवगत कराना है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि राष्ट्र सेवा भाजपा कार्यकर्ताओं का मूल सिद्धांत है। देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है। जदयू विधायक सरयू राय ने विपक्ष की मॉक पार्लियामेंट पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। संसदीय व्यवस्था का मजाक उड़ाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता विपक्ष की राजनीति को समझ रही है। पदयात्रा के समापन पर नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय पहुंचकर धरती आबा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय, दीपक प्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, सुनीता सिंह समेत भाजपा एवं एनडीए के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और हजारों महिला-पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में हुई रामकृष्ण मिशन आश्रम की बैठक



नई सोच एक्सप्रेस

» 56वें वार्षिक राज्य स्तरीय रिबिल्ड इंडिया प्रतियोगिता की जानकारी दी गई

गुमला। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी, रांची की ओर से आयोजित 56वें वार्षिक राज्य-स्तरीय 'रिबिल्ड इंडिया प्रतियोगिता (2026-27) के संबंध में एक विशेष बैठक का आयोजन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या माधवी पांडे ने रामकृष्ण मिशन आश्रम के मोंक-इन-चार्ज स्वामी सुखमयानंद, स्टेट चीफ कोऑर्डिनेटर एसएन झा व आशुतोष रक्षित का स्वागत किया। इस दौरान अतिथियों ने 'रिबिल्ड इंडिया' थीम के तहत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे—कक्षा 5 से 12, यूजी, पीजी व शिक्षकों के लिए क्विज प्रतियोगिता, स्वदेश मंत्र पाठ व निबंध लेखन की जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि इस निःशुल्क प्रतियोगिता में 30 नवंबर 2026 तक पंजीकरण किया जा सकता है व इसमें कुल 1,00,000/- रुपये तक के आकर्षक नकद पुरस्कार रखे गए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शिक्षिका संजुक्ता खटुआ व शिक्षक अभिजीत झा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ' पदयात्रा राजनीतिक पाखंड और फोटोशूट का नया अध्याय : केशव महतो कमलेश

नई सोच एक्सप्रेस



» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा- लोकतंत्र बचाने का नारा देने के बजाय चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का जवाब दे सरकार

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भाजपा की ओर से आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को राजनीतिक दिखावा और फोटोशूट करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह पदयात्रा लोकतंत्र की रक्षा का प्रयास नहीं, बल्कि जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने की कवायद है। कमलेश ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में लोकतंत्र की रक्षा करना चाहती है, तो उसे सबसे पहले चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में मतदाताओं के मताधिकार और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भाजपा इन मुद्दों पर जवाब देने के बजाय पदयात्रा के जरिए राजनीतिक प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दुष्यंत कुमार और हरदीप पुरी का उल्लेख करते हुए भाजपा पर दोहरे राजनीतिक चरित्र का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा लोकतंत्र और संवैधानिक मर्यादाओं की बात करती है, वहीं दूसरी ओर अपने राजनीतिक आचरण पर आत्ममंथन करने से बचती है। कमलेश ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनावी नारा नहीं, बल्कि जनता के मताधिकार, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और उनकी जवाबदेही का प्रतीक है। भाजपा की राजनीति में नारे कुछ और होते हैं, जबकि वास्तविक उद्देश्य कुछ और होता है। जनता अब इस दोहरे चरित्र को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनता के मताधिकार की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। भाजपा को कैमरों के सामने प्रदर्शन करने के बजाय यह बताना चाहिए कि वह चुनाव आयोग की जवाबदेही और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बहाल करने के लिए क्या ठोस कदम उठा रही है। कमलेश ने कहा कि लोकतंत्र फोटो खिंचवाने से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने से बचता है। जनता को नारों की नहीं, बल्कि अपने सवालों के जवाब की जरूरत है।

पीएम राहत योजना को लेकर रांची के सरकारी और निजी अस्पतालों को दिया गया प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



» सड़क दुर्घटना पीड़ितों को सात दिनों तक 1.5 लाख रुपये तक मिलेगा कैशलेस इलाज, सिविल सर्जन की अध्यक्षता में आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

रांची।सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को त्वरित और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से शुरू की गई राष्ट्रीय कैशलेस आपातकालीन उपचार योजना (पीएम राहत योजना) को लेकर सोमवार, 2 नवंबर 2026 को रांची जिले के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन, रांची की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने की योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान योजना के क्रियान्वयन, अस्पतालों की जिम्मेदारियों और उपचार से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनआईसी झारखंड, रांची के प्रबंधक अमरजीत उरांव एवं शाश्वत कुमार सिन्हा तथा सिविल सर्जन कार्यालय के डी.डी.एम. संजय तिवारी ने प्रशिक्षण दिया। इसमें जिले के सरकारी एवं निजी अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारी, अस्पताल प्रबंधक, कार्यकारी प्रबंधक, अस्पताल कोऑर्डिनेटर सहित अन्य संबंधित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को आर्थिक परेशानी के कारण इलाज में देरी से बचाना तथा समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

झारखंड के 13 जिलों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करेगा टाटा स्टील फाउंडेशन, NHM के साथ तीन साल का समझौता

नई सोच एक्सप्रेस



» मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार और स्वास्थ्य प्रशासन को बेहतर बनाने पर रहेगा जोर, छह प्रमुख क्षेत्रों में होगा काम

रांची।झारखंड की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने और आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), झारखंड और टाटा स्टील फाउंडेशन के बीच तीन साल के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत राज्य के 13 जिलों में स्वास्थ्य सेवा वितरण को बेहतर बनाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने तथा स्वास्थ्य प्रशासन की क्षमता बढ़ाने के लिए रणनीतिक, तकनीकी और कार्यान्वयन संबंधी सहयोग दिया जाएगा। समझौते के तहत टाटा स्टील फाउंडेशन पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में अपनी 'मैटरनल एंड न्यूबॉर्न सर्वाइवल इनिशिएटिव प्लस' (MANSI+) पहल को जारी रखेगा। वहीं, प्रोजेक्ट स्वस्थ के माध्यम से दुमका, जामताड़ा, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग किया जाएगा। इस परियोजना के तहत झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को रणनीतिक, तकनीकी-प्रबंधकीय तथा पर्यवेक्षण संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्रों पर सेवा वितरण, सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य प्रशासन, मानव संसाधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी और स्वास्थ्य वित्तपोषण जैसे छह प्रमुख क्षेत्रों पर काम होगा। साझेदारी का विशेष जोर मातृ, नवजात, शिशु, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं (RMNCAH+N) को बेहतर बनाने पर रहेगा। इसके लिए नए कार्य मॉडल और डिजिटल उपकरणों को अपनाने के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था की संस्थागत क्षमता भी मजबूत की जाएगी। इस अवसर पर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. प्रभात कुमार और टाटा स्टील फाउंडेशन के मुख्य परिचालन अधिकारी (COO) देबदूत मोहंती ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा (IAS) सहित राज्य सरकार, एनएचएम और टाटा स्टील फाउंडेशन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जुएल ओराम ने सुदेश महतो से की शिष्टाचार मुलाकात, जनजातीय कल्याण और विकास पर हुई चर्चा



नई सोच एक्सप्रेस

रांची। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो से रांची के बुकरू स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच झारखंड के राजनीतिक परिदृश्य, जनजातीय कल्याण और राज्य के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान सुदेश महतो ने केंद्रीय मंत्री को भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, विचारों और आदर्शों से प्रेरित उलगुलान फाउंडेशन की पहल, उद्देश्य और कार्यशैली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन जनजातीय समाज के हितों और विकास से जुड़े विचारों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने फाउंडेशन की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गोवर्धन पूजा पर 17वें सवैतनिक अवकाश की मांग, प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

» ओईएफ कानपुर के कर्मचारियों को 10 नवंबर को छुट्टी देने का आग्रह, अधिवक्ता अमित त्रिपाठी ने मांगा हस्तक्षेप

कानपुर। रक्षा मंत्रालय के अधीन आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफ), फूलबाग के कर्मचारियों को गोवर्धन पूजा के अवसर पर 10 नवंबर 2026 को 17वां सवैतनिक अवकाश देने की मांग उठी है। इस संबंध में अधिवक्ता अमित त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। 29 अक्टूबर को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा है कि ओईएफ कानपुर में प्रतिवर्ष तीन राष्ट्रीय अवकाश के अतिरिक्त 13 सवैतनिक त्योहारों के अवकाश निर्धारित किए जाते हैं। इनका निर्धारण स्थानीय कार्यसमिति की संस्तुति के आधार पर होता है। पूर्व में गोवर्धन पूजा पर अवकाश की संस्तुति की जाती रही है, लेकिन इस वर्ष 10 नवंबर को पड़ने वाले इस पर्व को अवकाश सूची में शामिल नहीं किया गया है। अमित त्रिपाठी ने कहा कि गोवर्धन पूजा उत्तर प्रदेश, विशेषकर कानपुर और बुंदेलखंड क्षेत्र की महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा है। ऐसे में इस पर्व पर अवकाश नहीं मिलने से कर्मचारियों को धार्मिक आयोजन छोड़कर कार्यस्थल पर उपस्थित होना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के कई गैर-औद्योगिक कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उत्तर प्रदेश सरकार के विभागों में गोवर्धन पूजा पर सवैतनिक अवकाश दिया जाता है। इसके बावजूद रक्षा क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों को इससे वंचित रखना उचित नहीं है। पत्र में रक्षा औद्योगिक प्रतिष्ठानों में तीन राष्ट्रीय अवकाश सहित कुल 16 सवैतनिक अवकाश की निर्धारित सीमा का उल्लेख करते हुए विशेष प्रशासनिक छूट देने का आग्रह किया गया है। अधिवक्ता ने प्रधानमंत्री से ओईएफ कानपुर के कर्मचारियों के लिए 10 नवंबर को 17वां सवैतनिक अवकाश स्वीकृत करने अथवा फैक्ट्री प्रशासन को विशेष अनुमति देने का अनुरोध किया है। पत्र की प्रतिलिपि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव को भी भेजी गई है।

बनकटा स्टेशन पर मौर्य एक्सप्रेस और बरौनी-ग्वालियर मेल का ठहराव बहाल करने की मांग,महाप्रबंधक से मिला

» प्रतिनिधिमंडल, सांसद के पत्र और ग्रामीणों के हस्ताक्षरयुक्त मांगपत्र सौंपा

गोरखपुर। गोरखपुर-छपरा रेलखंड के बनकटा रेलवे स्टेशन पर मौर्य एक्सप्रेस और बरौनी-ग्वालियर मेल का ठहराव कोरोना काल से पूर्व की भांति बहाल कराने की मांग तेज हो गई है। इसको लेकर सोमवार को राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवडकर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सलेमपुर के सांसद रमाशंकर विद्यार्थी के पत्र और क्षेत्रीय जनता के हस्ताक्षरयुक्त मांगपत्र को सौंपते हुए दोनों ट्रेनों का ठहराव शीघ्र बहाल करने की मांग की। इस दौरान पत्रकार, कवि एवं समाजसेवी बृजेश मिश्र ने महाप्रबंधक को बताया कि कोरोना काल से पहले बनकटा स्टेशन पर मौर्य एक्सप्रेस के अप और डाउन तथा बरौनी-ग्वालियर मेल का ठहराव होने से क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सुविधा मिलती थी। लेकिन कोरोना काल के बाद से ठहराव बंद होने के कारण विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और आम यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बनकटा स्टेशन आसपास के दर्जनों डिग्री कॉलेजों, लगभग दो दर्जन इंटर कॉलेजों, चार दर्जन से अधिक हाईस्कूलों और कई गांवों के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख केंद्र है। दोनों ट्रेनों का ठहराव बंद होने से यात्रियों को दूसरे स्टेशनों से ट्रेन पकड़नी पड़ती है, जिससे समय और धन की बर्बादी होती है। बृजेश मिश्र ने सांसद के पत्र के माध्यम से इस जनसमस्या को प्रमुखता से उठाते हुए अपने काव्य के जरिए भी क्षेत्रीय जनता की पीड़ा और मांग को प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने रेल प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए दोनों ट्रेनों का बनकटा स्टेशन पर पूर्ववत ठहराव शीघ्र बहाल करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि सांसद के पत्र और स्थानीय जनता की मांग पर रेल प्रशासन सकारात्मक निर्णय लेगा। ठहराव बहाल होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद यादव, राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद गोरखपुर के जिलाध्यक्ष राकेश तिवारी और जिला प्रभारी दुर्गेश मिश्र उपस्थित थे।

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के चायपानी मोड़ के आगे झाड़ियों से महिला का शव बरामद

शिकारीपाड़ा/दुमका। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के चाय पानी मोड़ के आगे जंगल में महिला का शव पुलिस ने बरामद किया है। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हुई है। महिला की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के आसपास बताया जा रहा है। महिला ने पीला रंग का कुर्ता, काला रंग का पजामा, काला रंग का दुपट्टा व पैर में भूरा रंग का फीता वाला सैंडल पहने हुए है। प्रथमदृष्टया शव लगभग सात-आठ दिन पुराना मालूम होता है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा ने ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि यदि उनके क्षेत्र में कोई महिला मिसिंग है या यदि कोई इस महिला के संबंध में कुछ जानकारी देना चाहे, तो अविलंब पुलिस से संपर्क करें। ताकि अज्ञात महिला के शव का शिनाख्त हो सके। पुलिस ने अपील किया है कि, इस महिला के पहचान करने में सहयोग करें व कुछ पता चलने पर शिकारीपाड़ा थाना को सूचित करें।

डीसी की अध्यक्षता में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित हुई बैठक

कोडरमा। डीसी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ मौसम 2026 अंतर्गत जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक सोमवार को हुई। जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि बीमा एजेंसी से प्राप्त क्यूसी डाटा के अनुसार जिले में योजना अंतर्गत कुल 30,837 आवेदन प्राप्त हुए जिसका बीमित क्षेत्रफल 16477.76 हेक्टर है, जिसमें से 25 डुप्लीकेट आवेदन नए आवेदन 01 आवेदन व लैंड रिकवरी आदि से संबंधित 2047 आवेदन है। जिसे बीमा एजेंसी ने रिजेक्शन की श्रेणी में रखा है। इस संदर्भ में डीसी ने बीमा एजेंसी को निर्देशित किया कि लैंड रिकवरी आवेदनों की प्रखंडवार/पंचायतवार सूची जिला कृषि पदाधिकारी को अविलंब उपलब्ध करायेंगे व जिला कृषि पदाधिकारी इस सूची की जांच कर प्रतिवेदन एक सप्ताह में उपलब्ध करायेंगे। ताकि पात्र किसानों का आवेदन कम-से-कम रिजेक्ट हो व इस योजना से किसानों को लाभान्वित किया जा सके।

सिमडेगा पुलिस ने अक्टूबर में 566 पासपोर्ट व चरित्र प्रमाण-पत्र आवेदनों का किया निष्पादन

सिमडेगा। सिमडेगा एसपी के निर्देशन में राइट टू सर्विस एक्ट के तहत पासपोर्ट व चरित्र प्रमाण-पत्र सत्यापन का कार्य समय-सीमा के भीतर किया जा रहा है। अक्टूबर 2026 में पासपोर्ट सत्यापन के 70 आवेदनों में से 67 का औसतन पांच दिनों में निष्पादन किया गया। शेष तीन आवेदनों का निष्पादन भी निर्धारित समय-सीमा में किया जा रहा है। वहीं, चरित्र प्रमाण-पत्र सत्यापन के 578 आवेदनों में से 499 का सात दिनों के भीतर निष्पादन किया गया है। शेष 79 आवेदनों का सत्यापन जल्द पूरा किया जाएगा। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस आम नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी व गुणवत्तापूर्ण सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क चौड़ीकरण में एकतरफा भूमि अधिग्रहण का ग्रामीणों ने किया विरोध

नई सोच एक्सप्रेस



पलामू। जिला के विश्रामपुर से इटको सड़क चौड़ीकरण में एकतरफा भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई का विरोध तेज हो गया है। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विश्रामपुर सीओ को सोमवार को आवेदन देकर नियमसंगत जमीन अधिग्रहण की मांग की। ग्राम नावाडीह कला, छिपादोहर खुर्द, छिपादोहर कला व विश्रामपुर के ग्रामीण सुदर्शन चौधरी, उमेश कुमार, श्यामसुंदर प्रसाद, आनंद, नंदू, कमेश प्रसाद, जितेंद्र चौधरी, उदय राम सहित अन्य ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण को लेकर इन दिनों भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है, लेकिन कार्रवाई एकतरफा की जा रही है। जमीन का अधिग्रहण दोनों साइड से होना चाहिए, लेकिन प्रभावशाली लोगों की संपत्ति बचाने के लिए सड़क की एक तरफ की ही जमीन ली जा रही है। पूर्व में नापी के समय 30 फीट सड़क बनाने के लिए 15-15 फीट दोनों तरफ से जमीन अधिग्रहण करने की बात कही गयी थी। इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव अभिमन्यु सिंह बबलू ने ग्रामीणों की मांग का समर्थन किया व जिला प्रशासन से नियमानुसार जमीन अधिग्रहण की अपील की है। उन्होंने कहा कि इटको से विश्रामपुर सड़क चौड़ीकरण के नाम पर अधिकारी की ओर से आम जनता के हित का ध्यान नहीं रखा जा रहा है अगर नियमानुसार कार्रवाई नहीं की गयी व स्थानीय लोगों को परेशान किया गया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर सड़क से लेकर हाईकोर्ट तक आन्दोलन किया जायेगा। इधर, विवाद में नया मोड़ तब आया, जब बसपा के मीडिया प्रभारी राहुल कुमार दुबे ने आरोप लगाया कि सड़क का सेंटर प्वाइंट कथित तौर पर एक निजी कॉलेज के गेट को बचाने के लिए दूसरी तरफ खिसकाया जा रहा है। राहुल दुबे ने कहा कि रामचंद्र चंद्रवंशी का कॉलेज गेट न टूटे, इसलिए जानबूझकर सड़क का सेंटर दूसरी तरफ धकेला जा रहा है। कॉलेज गेट बचाने के लिए नावाडीह के देवी धाम को तोड़ना हिंदू धर्म का अपमान है। उन्होंने कहा कि नावाडीह का देवी धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है। किसी निजी कॉलेज के गेट को बचाने के लिए देवी धाम को नुकसान पहुंचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि देवी धाम को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई तो विश्रामपुर बंद कराकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सिमडेगा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, लापता 18 वर्षीय युवती ओडिशा से बरामद

नई सोच एक्सप्रेस



सिमडेगा। सिमडेगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जलडेगा थाना (बांसजोर ओपी) क्षेत्र से लापता 18 वर्षीय युवती को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राजगांगपुर से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर को युवती के लापता होने की लिखित शिकायत मिलने पर सनहा संख्या 18/26 दर्ज कर खोजबीन शुरू की गई। एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने तकनीकी व मानवीय सूचना के आधार पर युवती को राजगांगपुर से बरामद किया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद 2 नवंबर को युवती को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुत्री के सकुशल मिलने पर परिजनों ने सिमडेगा पुलिस के प्रति आभार जताया। पुलिस ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा व सहायता के लिए जिला पुलिस सदैव तत्पर है।

» राजगांगपुर से युवती को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

डीसी व एसएसपी के निर्देशानुसार अतिक्रमण पर जिला प्रशासन- पुलिस की सख्त कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस



धनबाद। डीसी आदित्य रंजन व एसएसपी प्रभात कुमार के कड़े निर्देशानुसार जिले में सरकारी भूमियों को अतिक्रमणमुक्त रखने के अभियान के तहत प्रशासन ने त्वरित व सख्त कार्रवाई की गई है। इसी क्रम में धनसार थाना क्षेत्र अंतर्गत मनईटांड़ में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने के प्रयास को पुलिस व प्रशासन ने विफल कर दिया। बीती रात असामाजिक तत्वों की ओर से सीमेंटेड शीट की बाउंड्री वॉल खड़ी कर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा था। (जिसमें गणेश यादव नामक व्यक्ति की संलिप्तता सामने आई है)। प्रशासन व पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर तुरंत निर्माण को हटवाया व स्थल से एक स्कूटी जब्त की है जिस पर एफआईआर करने की प्रक्रिया की जा रही है। निर्देश के आलोक में सदर अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार व धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने संयुक्त रूप से घटनास्थल पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत अंचलाधिकारी ने कहा कि क्षेत्र की सरकारी जमीन की अविलंब मापी कराई जाएगी, ताकि स्पष्ट सीमांकन कर आवश्यक सरकारी योजनाओं का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को चिह्नित कर अतिक्रमण वाद के तहत नोटिस जारी किया जाएगा व भूमि को पूर्णतः अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। डीसी व एसएसपी ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि पूरे जिले में सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी जमीन पर काबिज लोग स्वतः अतिक्रमण हटा लें अन्यथा प्रशासन व पुलिस अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई करेगी।

» मनईटांड़ में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास विफल, अंचल अधिकारी व थाना प्रभारी ने किया स्थल निरीक्षण

न्यायालय के निर्देश पर ओड़गा पुलिस ने टोनिया गांव में अभियुक्त के घर चस्पा किया इश्तेहार

नई सोच एक्सप्रेस



जलडेगा। ओडिशा के बारकोट न्यायालय से जारी इश्तेहार का सोमवार को सिमडेगा जिले के ओड़गा ओपी क्षेत्र अंतर्गत टोनिया गांव में अभियुक्त के आवास पर विधिवत तामिला कराया गया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने यह कार्रवाई लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी और उसे न्यायालय के समक्ष उपस्थित कराने के उद्देश्य से की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, बारकोट (देवगढ़) ने अभियुक्त रंजीत उर्फ मुना उर्फ मनोज कंडुलना, पिता अल्बन कंडुलना, के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 82 के तहत उद्घोषणा (इश्तेहार) जारी की थी। अभियुक्त बारकोट थाना कांड संख्या 177/2019 (सीटी 381ए/2019) व 162/2019 (सीटी 336बी/2019) के मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहा है। न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में सोमवार को ओड़गा ओपी के पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र टुडू पुलिस बल व चौकीदार के साथ टोनिया गांव स्थित अभियुक्त के आवास पर पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों व परिजनों की मौजूदगी में इश्तेहार को जोर-जोर से पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद न्यायालय के आदेशानुसार अभियुक्त के घर की दीवार पर इश्तेहार चस्पा कर विधिवत तामिला की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस अधिकारियों ने इस दौरान अभियुक्त के परिजनों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने अथवा उपस्थित होने के लिए सूचित करें। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अभियुक्त निर्धारित अवधि में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध सीआरपीसी की धारा 83 के तहत संपत्ति की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

» बारकोट थाना के दो मामलों में लंबे समय से फरार है अभियुक्त रंजीत उर्फ मुना उर्फ मनोज कंडुलना, आत्मसमर्पण नहीं करने पर होगी संपत्ति की कुर्की-जब्ती

एक्सरे रूम में महिला मरीज पर गिरा जर्जर दरवाजा, सिर पर लगी गंभीर चोट

नई सोच एक्सप्रेस



कोडरमा। कोडरमा सदर अस्पताल में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक्स-रे कराने पहुंची एक महिला के ऊपर कमरे का जर्जर दरवाजा टूटकर गिर गया। इस हादसे में महिला के सिर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। वहीं, इस घटना में दो अन्य महिलाओं के भी घायल होने की सूचना है। गौरतलब है कि सतगावां निवासी जवाहर प्रसाद यादव की पत्नी अलवा देवी इलाज कराने कोडरमा सदर अस्पताल पहुंची थीं। इसी दौरान वह एक्स-रे कराने के लिए अस्पताल के एक्स-रे कक्ष में गईं। तभी अचानक कमरे का दरवाजा टूटकर उनके ऊपर गिर गया। दरवाजे की चपेट में आने से उनके सिर में गंभीर चोट लगी। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अस्पतालकर्मियों की मदद से घायल महिला को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। **जर्जर भवन ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवालः**इस हादसे ने कोडरमा सदर अस्पताल के भवन की स्थिति व मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल भवन के कई हिस्से लंबे समय से जर्जर बताए जा रहे हैं। ऐसे में इलाज के लिए आने वाले मरीजों व उनके परिजनों की सुरक्षा खतरे में है। स्थानीय स्तर पर अस्पताल भवन की मरम्मत व जर्जर हिस्सों की समय रहते देखरेख की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बताया जा रहा है कि सदर अस्पताल की जर्जर हालत के बारे में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से भी शिकायत की गई है। मगर, कोई ध्यान नहीं दे रहा है। झुमरी तिलैया निवासी महेश कुमार जो सदर अस्पताल में इलाज के लिए आए हैं का कहना है कि इन दिनों प्रशासनिक अधिकारियों का काम काज करने का तरीका बदल गया है। अधिकारी उसी मामले में दिलचस्पी लेते हैं जिसमें कुछ फायदे का सौदा होता है।

टूप संख्या 18/46 झारखंड बटालियन एनसीसी के कैडेटों ने सशस्त्र बलों के लिए दीपावली पर तैयार किए सुंदर ग्रीटिंग कार्ड



नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला की टूप संख्या 18/46 झारखंड बटालियन एनसीसी के कैडेटों ने 'बडिंग हार्ट्स टू ब्रेवहार्ट्स' थीम के तहत दीपावली के अवसर पर सशस्त्र बलों के लिए सुंदर ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए गए हैं। 46 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल पीबी शर्मा ने टीम को इस एक्टिविटी के लिए बधाई देते हुए संदेश दिया है कि एनसीसी कैडेटों का यह प्रयास देश के वीर जवानों के प्रति उनके सच्चे सम्मान व कृतज्ञता को दशार्ता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या माधवी पांडे ने इस रचनात्मक गतिविधि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति व अनुशासन की भावना को मजबूत करते हैं। वहीं, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर सेकेंड ऑफिसर अभिजीत झा ने कैडेटों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमा पर तैनात हमारे सैनिकों के लिए बच्चों का यह स्नेह व समर्थन उनके मनोबल को व अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस एक्टिविटी में विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स के साथ पूर्व कैडेट ने भी भाग लिया।

ग्लोबल एथिक्स डे पर आईसीएआई वाराणसी शाखा ने आयोजित की 'एथिक्स इकोथॉन' दौड़

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी।ग्लोबल एथिक्स डे 2026 के उपलक्ष्य में दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की वाराणसी शाखा की ओर से सोमवार को 'एथिक्स इकोथॉन' दौड़ का आयोजन किया गया। सुबह सात बजे आईसीएआई भवन, प्रेमचंद्र नगर कॉलोनी, पांडेयपुर से शुरू हुई दौड़ कचहरी तक आयोजित की गई। इसके माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों, ईमानदारी, पारदर्शिता, सामाजिक उत्तरदायित्व और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य लोगों को नैतिकता के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि नैतिकता किसी एक पेशे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा, उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी, सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष एवं शिकासा अध्यक्ष सीए नमन कपूर, कार्यकारिणी सदस्य सीए श्रीप्रकाश पांडेय और सीए नीरज कुमार सिंह सहित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विद्यार्थी एवं उनके परिजन शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक दौड़ में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने नैतिकता, ईमानदारी और सामाजिक मूल्यों को अपने दैनिक जीवन के साथ-साथ व्यावसायिक कार्यक्षेत्र में भी अपनाने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से संदेश दिया गया कि नैतिक आचरण ही एक स्वस्थ, जिम्मेदार और पारदर्शी समाज की मजबूत नींव है।

» चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विद्यार्थियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा, नैतिकता एवं ईमानदारी का दिया संदेश

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने को जिला प्रशासन हुआ सख्त



नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। जिले में हो रही लगातार सड़क दुर्घटनाओं व उनसे रहे जान-माल की नुकसान को देखते हुये जिला प्रशासन व जिला पुलिस काफी सक्रिय है। डीसी संदीप कुमार व एसपी कुमार गौरव के निर्देशानुसार सोमवार को लातेहार जिला मुख्यालय में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान में दोपहिया वाहन व चारपहिया वाहनों की सघनता से जांच की गई। साथ ही दोपहिया वाहन चालकों के शराब का सेवन करके वाहन चलाए जाने की आशंका को देखते हुये ब्रेथ एनालाइजर से भी जांच किया गया। वाहन जांच के दौरान अधिकारियों ने वाहन चालकों से यातायात के नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करने की अपील की। डीटीओ उमेश मंडल ने सड़क सुरक्षा में जागरूकता लाने के उद्देश्य से वाहन चालकों से कहा कि दोपहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। साथ ही चार पहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। शराब पीकर कभी भी वाहन नहीं चलायें अन्यथा पकड़े जाने पर यातायात के नियमानुसार कार्रवाई किया जायेगा। खुद को भी सुरक्षित रखें व दूसरे वाहन चालकों को भी सुरक्षित रखने में मदद करें, आपकी थोड़ी सी लापरवाही के कारण न जाने कितने घरों का चिराग बुझ जाते हैं। शराब का सेवन करके वाहन चलाना हमेशा ही जानलेवा साबित होता है। इस बात का हमेशा ही ख्याल रखें। इस मौके पर डीटीओ उमेश मंडल, मुख्यालय डीएसपी प्रदीप मिंज, सड़क सुरक्षा प्रबंधक तनवीर आलम समेत पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

महीपाल फुले को मिली बड़ी जिम्मेदारी, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त



कुरुक्षेत्र।राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक महासंघ नई दिल्ली के द्वारा सामाजिक कार्यों में निष्ठा ,योगदान को देखते हुए मुझे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया मैं राष्ट्रीय संरक्षक माननीय श्री फगन सिंह कुलस्ते सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री जी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चित्र कुमार सांभरवाल जी का राष्ट्रीय महासचिव इंजीनियर श्री रवि कुमार गिरधारी सोम कुंवर जी का दिल की गहराई से धन्यवाद करता हूं जो विश्वास आपने मुझ पर जताया है में उसका मैं पूरी ईमानदार से निर्वाह करूंगा

कौड़ीराम चौराहे पर जाम से लोग परेशान, अतिक्रमण और अवैध वाहन स्टैंड से बढ़ी मुश्किलें



गोरखपुर। कौड़ीराम चौराहे पर रोजाना लगने वाले भीषण जाम से आम जनता, व्यापारी और राहगीर परेशान हैं। दिन से लेकर देर रात तक चौराहे पर यातायात बाधित रहता है, लेकिन समस्या के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क पर अतिक्रमण, बेतरतीब खड़े ऑटो और ई-रिक्शा तथा अवैध वाहन स्टैंड के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। सबसे अधिक परेशानी एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं को होती है। आरोप है कि अधिकारियों और वीआईपी वाहनों के गुजरने के दौरान ही यातायात व्यवस्था दुरुस्त की जाती है, जबकि आम लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है। क्षेत्रीय व्यापारियों और नागरिकों ने पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए चौराहे को अतिक्रमण मुक्त कराने, अवैध वाहन स्टैंड हटाने और स्थायी रूप से ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

युवाओं में एकता और खेल भावना का संदेश लेकर आयोजित हुआ 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन

» सैकड़ों युवाओं और खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

आगरा। इंटरनेशनल यूथ वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से एकलव्य स्टेडियम में 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन का भव्य आयोजन किया गया। इसमें शहर के सैकड़ों युवाओं और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, सामाजिक समरसता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और खेल भावना को बढ़ावा देना था। वॉकथॉन के दौरान प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लेकर एकता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सचिव शुभम उपाध्याय के साथ अर्पित कुमार, राहुल उपाध्याय, आलोक बंसल, दीपक रावत, सोमेश जादौन, राज त्यागी, विशाल गोस्वामी, दीपक बघेल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। फाउंडेशन के कार्यकारी सदस्यों डॉ. सलोनी सिंह बघेल, प्रशांत सिंह, शुभम उपाध्याय, नसीम अहमद, डॉ. श्वेता भान, पल्लवी शुक्ला, राज त्यागी, सौरभ शर्मा एवं डॉ. सोनम दास ने संयुक्त रूप से कहा कि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना तथा उन्हें सामाजिक कार्यों और खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना फाउंडेशन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी युवाओं के हित, स्वास्थ्य, एकता और सामाजिक जागरूकता को लेकर देश के विभिन्न शहरों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। फाउंडेशन का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक मंच प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

स्वर्ण प्राशन एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 140 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण



वाराणसी। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से मोढ़ेला-मंडुआडीह रोड स्थित सान्वी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल और महमूरगंज स्थित सूर्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में स्वर्ण प्राशन एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह आठ बजे से रात नौ बजे तक चले इस शिविर में करीब 140 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें स्वर्ण प्राशन की खुराक दी गई। शिविर का आयोजन डॉ. शर्मिला तिवारी एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक विकास, पोषण, स्वास्थ्य और उचित देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। आयोजकों ने बताया कि स्वर्ण प्राशन आयुर्वेद की पारंपरिक पद्धति है। शिविर के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ अभिभावकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और उचित देखभाल के लिए प्रेरित किया जा रहा है। चिकित्सकों ने बच्चों में बार-बार होने वाले सर्दी-जुकाम, फ्लू एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी। इस अवसर पर अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। चिकित्सकों ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, पौष्टिक आहार और उचित चिकित्सकीय देखभाल जरूरी है। 28 नवंबर को फिर लगेगा शिविर आयोजकों के अनुसार स्वर्ण प्राशन एवं स्वास्थ्य जांच का अगला शिविर आगामी 28 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंच सकते हैं और स्वास्थ्य परीक्षण के साथ चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

आगरा में 10 दिवसीय राजस्थानी लोक नृत्य कार्यशाला का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस



आगरा।अटल आवासीय विद्यालय, कोरई, आगरा में भारतीय लोक संस्कृति एवं पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थानी लोक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सुश्री सुनीता कंवर ने कक्षा 6 से 11 तक के चयनित विद्यार्थियों को राजस्थानी लोक नृत्य की विभिन्न मुद्राओं, भाव-भंगिमाओं, लय एवं ताल का प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यशाला में भाग लिया तथा पारंपरिक नृत्य की बारीकियां सीखीं। यह कार्यशाला विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता वशिष्ठ के सौजन्य एवं मार्गदर्शन में आयोजित की गई। संगीत शिक्षक श्री दुर्गेश कुमार तथा महिला पीईटी श्रीमती प्रवीण भारद्वाज ने कार्यशाला के सफल संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता वशिष्ठ ने कोरियोग्राफर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता विकसित करने में सहायक होती हैं। कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए सीखने, अपनी प्रतिभा निखारने तथा भारतीय लोक संस्कृति से जुड़ने का एक सराहनीय अवसर साबित हुई। कक्षा 11 से संजना,माही, खुशी, कक्षा 9 से नर्गिस, नव्या, प्रिया,लवली,अंशु,सानिया,मोना , रोशनी तन्वी कक्षा 8एवं 7 से करीना, तन्नू सहित शगुन,भावना का प्रदर्शन विशेष सराहनीय रहा

सेंट एंजेल्स स्कूल में टेबल टेनिस प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस



बागपत, उत्तर प्रदेश।सेंट एंजेल्स पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय इंटर हाउस टेबल टेनिस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक अजय गोयल ने मां सरस्वती प्रतिमा समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। आज प्रतियोगिता के प्रथम दिवस पर ब्लू, रेड, ग्रीन व येलो हाउस के खिलाड़ियों के बीच प्रथम चरण के मैच खेले गए। बालकों के जूनियर वर्ग में पहला मैच येलो हाउस के आयुष व ब्लू हाउस के अथर्व के बीच खेला गया, जिसमें येलो हाउस के आयुष ने ब्लू हाउस के अथर्व को 11-8 व 11-9 से हराकर प्रतियोगिता के दूसरे चरण में प्रवेश किया। इसके अलावा रेड हाउस के सिद्धार्थ ने येलो हाउस के राजा को 11-04, 7-11 व 11-08 से रेड हाउस के पर्जन्य ने ब्लू हाउस के मोहित को 11-05, 7-11 व 13-11 से रेड हाउस के वेदांश ने ग्रीनहाउस के गितेश को 11-06 व 11-09 से रेड हाउस के नीरव ने ब्लू हाउस के नमन को 11-09 व 13-11 से हराकर द्वितीय चरण में प्रवेश किया। बालकों के सब जूनियर वर्ग में ब्लू हाउस के अविराज ने येलो हाउस के शौर्य को 11-09, 12-14 व 11-09 से ब्लू हाउस के कार्तिक ने रेड हाउस के अरनव को 11-07 व 11-05 से ब्लू हाउस के प्रतीक ने ग्रीनहाउस के जुनैद को 11-4 व 11-06 से, ब्लू हाउस के अयान ने रेड हाउस के नक्श को 11-07, 08-11 व 11-09 से हराकर द्वितीय चरण में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में यशराघव, अवि, आरव, अनंत, उत्कर्ष, जुनैद, हुसैन, रुद्र, उज्जवल, हिमांशु, अर्पित, लक्ष्य, हर्ष, अंश, रहमान, आदि छात्रों ने भी प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल व फाइनल मैच कल खेले जाएंगे। टेबल टेनिस प्रतियोगिता के इस अवसर पर राजीव, अजीत, अक्षय, बबलेश, सूरज, हनित, गौरव, कृष्ण, इमरान, ज्योति, सुमन, निधि, आदि शिक्षक व शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

एसआईआर वोट चोरी नहीं, मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया : संबित पात्रा

नई सोच एक्सप्रेस



» काशी से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और ममता बनर्जी पर साधा निशाना, बोले- घुसपैठियों को मतदाता बनाने की इजाजत नहीं

वाराणसी।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। सोमवार को वाराणसी के सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि एसआईआर वोट चोरी नहीं, बल्कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण की संवैधानिक प्रक्रिया है। इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर विपक्ष देश में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर मतदाता बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। संबित पात्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव में हार मिलने पर कांग्रेस कभी ईवीएम तो कभी चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराती है। वर्ष 2014 से 2025 के बीच कांग्रेस को 56 विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है। राहुल गांधी को इन हारों की जिम्मेदारी लेने के बजाय चुनाव आयोग पर आरोप लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने प्रियंका गांधी का भी उल्लेख करते हुए गांधी परिवार की राजनीति और आपसी तालमेल पर सवाल उठाए। कांग्रेस शासनकाल में भी 10 बार हुआ एसआईआर एसआईआर को भाजपा सरकार की नई पहल बताने वाले विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए पात्रा ने कहा कि देश में अब तक 12 बार विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया हो चुकी है। इनमें 10 बार कांग्रेस शासनकाल और दो बार भाजपा शासनकाल में यह प्रक्रिया अपनाई गई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाना इस प्रक्रिया का हिस्सा है। इसे 13 करोड़ वोट चोरी बताना तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने जैसा है। उन्होंने दावा किया कि करीब तीन करोड़ लोग अनुपस्थित श्रेणी में चिह्नित हुए, जबकि छह करोड़ लोगों ने फॉर्म-6 के माध्यम से नाम जुड़वाने की प्रक्रिया अपनाई और छह करोड़ स्थानांतरित मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए। ममता बनर्जी पर भी साधा निशाना पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र और देश के संसाधनों पर पहला अधिकार भारतीय नागरिकों का है। घुसपैठियों को मतदाता बनाने की किसी को इजाजत नहीं दी जा सकती। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम सुनिश्चित करना और अपात्र नामों को हटाना है। उन्होंने बंगाल की 20 विधानसभा सीटों का उदाहरण देते हुए दावा किया कि जिन क्षेत्रों में सर्वाधिक मतदाताओं के नाम कटे, उनमें अधिकांश सीटों पर तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की। चुनाव आयोग पर आरोपों को बताया बेबुनियाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर राहुल गांधी की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर पात्रा ने कहा कि उनके मुख्य चुनाव आयुक्त बनने से पहले ही भाजपा 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव जीत चुकी थी। उन्होंने 2014 के चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय मुख्य चुनाव आयुक्त वीएस संपत थे, जिनकी नियुक्ति कांग्रेस शासनकाल में हुई थी। इसके बावजूद भाजपा ने बहुमत हासिल किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को राजनीतिक आरोपों के आधार पर कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में 59 वर्षों, पश्चिम बंगाल में 49 वर्षों, उत्तर प्रदेश में 37 वर्षों, बिहार में 36 वर्षों, त्रिपुरा में 33 वर्षों और ओडिशा में 26 वर्षों से कांग्रेस सत्ता से बाहर है। इन राज्यों में पार्टी की हार का कारण एसआईआर नहीं, बल्कि उसकी अपनी राजनीतिक कमजोरियां हैं। कांग्रेस के बूथ एजेंटों से मांगा जवाब संबित पात्रा ने कहा कि चुनाव आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अधिकार दिया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के एजेंट भी मतदाता सूची की जांच कर सकते हैं। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम छूटा है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम जुड़ा है तो उसे प्रमाण के साथ सामने लाया जाना चाहिए। केवल आरोप लगाने से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत नहीं होगी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का हवाला देते हुए कहा कि फॉर्म-6 में कोई संशोधन नहीं किया गया है। उनके अनुसार, जून 2025 से अब तक 18 से 28 वर्ष आयु वर्ग के करीब 2.37 करोड़ युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए हैं। अंत में पात्रा ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल उठाना सभी राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन सवाल तथ्यों के आधार पर होने चाहिए। एसआईआर में कहीं त्रुटि है तो उसे सामने लाया जाए, उसका सुधार किया जाएगा। मतदाता सूची की शुद्धता को राजनीतिक विवाद का हथियार बनाना देशहित में नहीं है। पत्रकार वार्ता में भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल, क्षेत्र उपाध्यक्ष नवरतन राठी, मधुकर चित्रांश, संतोष सोलापुरकर, शैलेन्द्र मिश्रा, अमित राय, विपिन सिंह, प्रमील पांडेय और अभिषेक त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भोजूबीर सब्जी मंडी के पास जर्जर प्राथमिक विद्यालय का भवन बना खतरा, कभी भी हो सकता है हादसा

नई सोच एक्सप्रेस



» मालिकाना हक के विवाद में वर्षों से बंद है विद्यालय, मुख्य सड़क किनारे स्थित भवन की बदहाली से राहगीरों और व्यापारियों में दहशत

वाराणसी। सिंधोरा मार्ग पर भोजूबीर सब्जी मंडी के पास मुख्य सड़क किनारे स्थित वर्षों से बंद प्राथमिक विद्यालय का भवन अब जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। भवन की दीवारें और छत जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। छज्जे की हालत भी बेहद खराब है। वहीं, भवन के ऊपर और आसपास बड़ी-बड़ी घास एवं झाड़ियां उग आई हैं। भवन की स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों और मरम्मत नहीं हो पा रही है। ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि भोजूबीर सब्जी मंडी के पास मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण इस भवन के आसपास हमेशा लोगों की आवाजाही रहती है। यहां सब्जी मंडी के व्यापारी, ग्राहक और राहगीरों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में भवन का कोई हिस्सा गिरने पर बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए तत्काल सुरक्षा के उपाय किए जाने चाहिए, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति की जान जोखिम में न पड़े। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने भी भवन की बदहाली पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि मकान के मालिकाना हक का विवाद भले ही न्यायालय में लंबित हो, लेकिन आम जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है। ऐसे में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को मामले का तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से भवन का स्थलीय निरीक्षण कर उसकी सुरक्षा स्थिति का आकलन कराने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जर्जर भवन की सुध नहीं ली गई तो यह किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

स्वर्ण प्राशन एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 140 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी।बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से मोढ़ेला-मंडुआडीह रोड स्थित सान्वी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल और महमूरगंज स्थित सूर्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में स्वर्ण प्राशन एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह आठ बजे से रात नौ बजे तक चले इस शिविर में करीब 140 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें स्वर्ण प्राशन की खुराक दी गई। शिविर का आयोजन डॉ. शर्मिला तिवारी एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक विकास, पोषण, स्वास्थ्य और उचित देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। आयोजकों ने बताया कि स्वर्ण प्राशन आयुर्वेद की पारंपरिक पद्धति है। शिविर के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ अभिभावकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और उचित देखभाल के लिए प्रेरित किया जा रहा है। चिकित्सकों ने बच्चों में बार-बार होने वाले सर्दी-जुकाम, फ्लू एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी। इस अवसर पर अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। चिकित्सकों ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, पौष्टिक आहार और उचित चिकित्सकीय देखभाल जरूरी है। 28 नवंबर को फिर लगेगा शिविर आयोजकों के अनुसार स्वर्ण प्राशन एवं स्वास्थ्य जांच का अगला शिविर आगामी 28 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंच सकते हैं और स्वास्थ्य परीक्षण के साथ चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आईसीएआई वाराणसी शाखा ने आयोजित की 'स्पार्क' कार्यशाला

नई सोच एक्सप्रेस



» कौशल विकास, क्षमता, शैक्षणिक उन्नति, संघर्षशीलता और ज्ञान के पांच आयामों पर दिया गया जोर

वाराणसी।विद्यार्थियों की प्रतिभा, कौशल और आत्मविश्वास को निखारने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की वाराणसी शाखा की ओर से एक दिवसीय 'स्पार्क' कार्यशाला का आयोजन किया गया। पांडेयपुर स्थित प्रेमचंद्र नगर कॉलोनी के आईसीएआई भवन में आयोजित इस कार्यशाला में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और उनकी क्षमताओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने स्वागत संबोधन के साथ किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और बेहतर व्यक्तित्व का विकास भी जरूरी है।\ कार्यशाला के वक्ता शशिकांत यादव एवं कैप्टन प्रमोद कुमार सिंह ने 'स्पार्क' कार्यक्रम की अवधारणा और उसके उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को पहचानना, उनकी क्षमताओं को विकसित करना और उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना है। वक्ताओं ने कार्यशाला के पांच प्रमुख आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसमें कौशल विकास के माध्यम से व्यावहारिक दक्षता बढ़ाने, विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को पहचानने, शैक्षणिक क्षमता में सुधार, कठिन परिस्थितियों में संघर्षशीलता एवं सकारात्मक सोच बनाए रखने तथा जिज्ञासा और तार्किक चिंतन के जरिए ज्ञान बढ़ाने पर जोर दिया गया।b उन्होंने कहा कि 'स्पार्क' केवल एक कार्यशाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और निर्धारित लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में शाखा सचिव सीए रणजीत कुमार पांडेय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा वक्ताओं, अतिथियों और छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शाखा उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी, शाखा कोषाध्यक्ष एवं शिकासा अध्यक्ष सीए नमन कपूर, शाखा कार्यकारिणी सदस्य सीए श्रीप्रकाश पांडेय और सीए नीरज कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरियाणा सहित देशभर में धर्म रक्षा–राष्ट्र रक्षा यात्रा निकालेंगे महंत राजेंद्र पुरी



नई सोच एक्सप्रेस

» सनातन धर्म की मजबूती और गौ माता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने के लिए विभिन्न राज्यों में यात्रा निकालने की तैयारी, नरवाना में भी जल्द होगा आयोजन

कुरुक्षेत्र।जग ज्योति दरबार के महंत राजेंद्र पुरी अब हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों सहित देशभर के राज्यों में धर्म रक्षा–राष्ट्र रक्षा यात्रा निकालेंगे। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के नौ विधानसभा क्षेत्रों में निकाली गई यात्रा की अपार सफलता के बाद उन्होंने यह निर्णय लिया है। यात्रा के माध्यम से सनातन धर्म की मजबूती, गौ माता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने, धार्मिक जागरूकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। महंत राजेंद्र पुरी ने सोमवार को नरवाना से लौटने के बाद बताया कि उनकी यात्रा से जुड़ने के लिए हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों से संतों और श्रद्धालुओं के लगातार संपर्क आ रहे हैं। कुरुक्षेत्र के बाद अब नरवाना में भी धर्म रक्षा–राष्ट्र रक्षा यात्रा निकालने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में स्थानीय लोगों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर यात्रा की रूपरेखा पर चर्चा की गई।



इन बैड मनी हैबिट्स से आज ही कर लें किनारा

अधिकतर लोग यह मानते हैं कि एक अच्छा जीवनयापन करने के लिए उनकी अच्छी-खासी इनकम होनी चाहिए। लेकिन आपकी सैलरी या इनकम अमाउंट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है, उस पैसे को मैनेज करने की कला आना। ऐसे कई लोग होते हैं, जो बेहद ही सिस्टमेटिक तरीके से अपने पैसे को खर्च करते हैं और कुछ हिस्से को निवेश करते हैं। जिससे उन्हें वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य में भी किसी तरह की कोई समस्या नहीं होती है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनकी इनकम अच्छी खासी होती है। लेकिन फिर भी उन्हें वे पैसे कम ही पड़ जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो कर्ज लेने की जरूरत भी पड़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनमें कुछ बैड मनी हैबिट्स होती है।

कमाई से अधिक खर्च

बहुत से लोगों को काफी अधिक खर्च करने की आदत होती है। यहां तक कि वे जितना कमाते हैं, उससे भी अधिक खर्च करना शुरू कर देते हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए वे क्रेडिट कार्ड आदि का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा करने से आपको कभी भी फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, हर महीने अपनी आय का लगभग 20 प्रतिशत बचाने का लक्ष्य रखें।

जरूरत से ज्यादा लोन

आज के समय में आपको कार से लेकर घर तक के लिए लोन मिल जाता है। कुछ लोग एक बेहतर जीवन जीने के लिए इन सभी चीजों पर लोन ले लेते हैं। हालांकि, एक साथ कई सारे लोन लेना समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जाता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आप जरूरत से ज्यादा कर्ज व ब्याज के बोझ तले दब जाते हैं। इस तरह अगर कभी आपको जॉब में समस्या होती है तो घर का खर्चा उठाना भी भारी पड़ जाएगा।

पैसे को इनवेस्ट ना करना

यह एक बेहद जरूरी कदम है, लेकिन अधिकतर लोग बुढ़ापे में इनवेस्टमेंट करने पर विचार करते हैं। जबकि यह आपकी बहुत बड़ी गलती हो सकती है। अगर आप शुरुआत से ही पैसे को थोड़ा इनवेस्ट करने के लिए प्लॉन करती हैं तो ऐसे में आपको आगे चलकर काफी अच्छी रकम एक साथ मिल जाती है। आजकल इनवेस्टमेंट के कई बेहतरीन प्लॉन अवेलेबल हैं, जिनमें आप मंथली से लेकर सालाना रिटर्न ले सकती हैं या फिर कुछ सालों के बाद आपको एक बड़ी रकम भी मिल सकती हैं। आप अपनी सैलरी इनकम के छोटे से हिस्से से इनवेस्टमेंट की शुरुआत करें। इससे धीरे-धीरे आप खुद को फाइनेंशियली अधिक स्ट्रॉन्ग महसूस करेंगी।



हम घर को साफ़-सुथरा और व्यवस्थित बनाते हैं, फिर घर हमारे मन को साफ़ और ज़िंदगी को व्यवस्थित करता है। दीपावली जीवन में जो अपार सुख भरती है, उसका एक बड़ा हिस्सा स्वच्छता और व्यवस्था से उपजता है। इस जादू को महसूस करने के दिन आ गए हैं!

जीवन पर कई तरह से असर डालता है साफ सुथरा और व्यवस्थित घर

दीपावली के आने की पहली आहट घर की साफ़-सफ़ाई के 'संगीत' में मिलती है। जीवन की धुरी घर है तो घर की धुरी स्त्री, यानी स्त्री के हाथों घर और घर के ज़रिए जीवन के व्यवस्थित होने की शुरुआत हो रही होती है। दीप पर्व दूसरे सारे त्योहारों की तरह हमें उमंग-तरंग से तो भरता ही है, साथ ही पूरे एक वर्ष के लिए हमारे जीवन का नवीनीकरण कर जाता है, इसीलिए ये हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा त्योहार है।

दीपावली आती है तो घर की हर चीज़ पर नज़र ज़रूर डाली जाती है। उसे धोया या झाड़ा-पोंछा जाता है। उसकी सही जगह पर रखा जाता है। देखा जाता है कि फलां वस्तु अब काम की रही भी कि नहीं! वह वहीं ठीक रहेगी जहां रखी है या किसी और जगह पर उसका होना मुनासिब होगा? अगर वह अब अपने मूल काम की नहीं रही, तो क्या किसी और काम आ सकती है? और ये भी नहीं तो उसे किसे दे दिया जाए कि वह उसके कोई काम आ जाए? यह सब नहीं हो पाता, तब जाकर हम उसके फेंके जाने पर पहुंचते हैं। इस गुण ने ही तो इस प्राचीन सभ्यता को यूं जीवंत बनाए रखा है। हम किसी भी चीज़ के सदुपयोग की कोशिश अंत तक करते हैं।

घर को जमाना मन को सजाना

ऐसा नहीं है कि इस क़वायद का उद्देश्य केवल चीज़ों को चमकाना और अच्छा दिखाना है। इसके पीछे पूरा का पूरा मनोविज्ञान है। दरअसल, जब मन अच्छा होता है तब तो जीवन क्रम में रहता ही है, लेकिन कभी जब बिखराव ज़्यादा हो जाए और मन समझाए न समझे, तब जीवन को व्यवस्थित कर मन को अच्छा करना पड़ता है। और दीपावली पर पूरे घर को फिर से व्यवस्थित करना वही नुस्ख़ा है। एक बार ठीक हुआ मन फिर लंबे समय तक या कह लीजिए, कम से कम एक साल तक तो जीवन को व्यवस्थित रखने के लायक़ बन ही जाता है और तब तक अगली दीपावली आ जाती है!

घर में स्वच्छता और व्यवस्था का असर क्या होता है, यह शोध-अध्ययन के बजाय महसूस करने की बात है। हर किसी ने दिवाली की सफ़ाई के बाद में अतिरिक्त सकारात्मकता, उमंग और उत्साह का अनुभव किया ही होगा। जहां तक रिसर्च की बात है, तो उनसे भी पुष्टि होती है कि साफ़-सुथरा और अच्छी तरह व्यवस्थित घर रहने वालों के जीवन पर कई तरह से असर डालता है। सबसे बड़ा प्रभाव तो मन की उलझन और जकड़न दूर होने के रूप में पड़ता है। आप स्पष्ट ढंग से सोच पाते हैं। यही वजह है कि सुव्यवस्था को रचनात्मकता बढ़ाने वाला तत्व भी माना जाता है। तनाव और चिड़चिड़ापन भी कम हो जाता है। इसके अलावा, सामाजिक मामलों में आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि अब आपको चिंता नहीं होती कि कोई अचानक आ धमकेगा तो घर की हालत देखकर क्या सोचेगा! बल्कि आप तो लोगों को आमंत्रित करना चाहते हैं। यह भी मानी हुई बात है कि अस्त-व्यस्त, कबाड़ख़ाने जैसी जगह में नींद ढंग से नहीं आती, सो दिवाली के लिए की गई मेहनत आपकी नींद, सुकून, चैन और आराम में भी बढ़ोतरी करती है।

व्यवस्था में प्रवाहित होती है ऊर्जा

विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठक ज़रूर जानते होंगे कि अणुओं का व्यवस्थित होना ही विद्युत के प्रवाह को संभव बनाता है। अणु व्यवस्थित क्रम में हुए नहीं कि बिजली अपने उद्गम से उपयोग तक निर्बाध बहने लगती है। ठीक इसी तरह हमारे घर का व्यवस्थित होना हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने लगता है और तब यही ऊर्जा हमारे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की वाहक बनती है। मां लक्ष्मी की हम पर कृपा बरसने लगती है।

यही तो है दीपावली, दीपों की अवली, दीपों की पंक्ति। अमावस की उस रात हमारे घरों की चारदीवारी और मुंडेर पर लगे पंक्तिबद्ध दीये इसी बात की ही तो घोषणा कर रहे होते हैं कि देखो! हमने अपना जीवन व्यवस्थित कर लिया है। अब इसमें ऊर्जा प्रवाहित होगी।

मुक्त होने का मंत्र...

हर भावनात्मक लगाव की तरह इस बात को समझना भी बहुत ज़रूरी है कि कोई भी चीज़ चाहे आज कितनी ही ठीक हालत में क्यों न हो, कभी कितनी ही क़ीमती क्यों न रही हो, अगर आज हमारे किसी भी काम की नहीं, तो बेहतर है हम ऐसे किसी को दे दें जिसके काम आए। और इसे जांचने का एक सीधा-सा तरीक़ा है ...

यदि दैनिक जीवन की किसी चीज़ को आपने एक वर्ष से काम में नहीं लिया या वार-त्योहार के लिए सहेजी चीज़ों को ऐसे ही किसी मौक़े पर काम में लेने से आप हिचकिचाए हैं और अंततः आपने उसे रखा ही रहने दिया, तो यक़ीन मानिए वह अब आपके किसी काम की नहीं। उसका होना भीड़ ही बढ़ाएगा, अव्यवस्था ही फैलाएगा।



संविदा की शर्तें स्वीकार कर नौकरी, फिर नियम बदलने का दबाव क्यों? नए युवाओं के हक पर भी हो विचार



धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, स्वतंत्र पत्रकार

सरकारी नौकरी की चाहत रखने वाले लाखों युवाओं के लिए संविदा पर नियुक्ति भी रोजगार पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर होती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास, तकनीकी सेवाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं में संविदा के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं। इन नियुक्तियों में अभ्यर्थी निर्धारित योग्यता, चयन प्रक्रिया और सेवा शर्तों को स्वीकार करके काम शुरू करते हैं। लेकिन जब निर्धारित अवधि समाप्त होने लगती है, तब सेवा विस्तार, नियमितीकरण और राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की प्रवृत्ति एक गंभीर बहस का विषय बन जाती है। सवाल यह है कि जब किसी अभ्यर्थी ने नियुक्ति से पहले ही स्पष्ट रूप से जान लिया था कि उसकी नौकरी निश्चित अवधि और निर्धारित शर्तों पर आधारित है, तब अवधि पूरी होने के बाद उन्हीं शर्तों को बदलने की मांग कितनी उचित है? नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर करके सेवा की शर्तें स्वीकार करना कर्मचारी की सहमति का प्रमाण है। फिर समय पूरा होने पर उन शर्तों से अलग व्यवस्था की मांग क्यों? क्या संविदा की अवधारणा का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा, यदि हर नियुक्ति के बाद उसकी मूल शर्तों को बदलने का दबाव बनाया जाने लगे? यहां यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि संविदा कर्मचारियों की मेहनत और उनके अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। अनेक कर्मचारी वर्षों तक विभागों में जिम्मेदारी से काम करते हैं। वे सरकारी योजनाओं को जमीन पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई बार उनसे निर्धारित कार्य से अधिक जिम्मेदारियां भी ली जाती हैं। ऐसे में उनके मानदेय, कार्यस्थल की सुविधाओं, समय पर भुगतान और सम्मानजनक व्यवहार को सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। रोजगार की असुरक्षा से गुजर रहे कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए, लेकिन समाधान ऐसा हो जो दूसरे योग्य अभ्यर्थियों के अवसरों को समाप्त न करे। एक महत्वपूर्ण प्रश्न उन युवाओं का भी है, जो उच्च शिक्षा और तकनीकी डिग्रियां प्राप्त करने के बाद वर्षों से रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकारी विभागों में यदि संविदा के पदों पर कार्यरत लोगों को बिना नई चयन प्रक्रिया के लगातार सेवा विस्तार या नियमितीकरण मिलता है, तो उन युवाओं के लिए अवसर सीमित होने की आशंका स्वाभाविक है। क्या सरकारी रोजगार पर केवल पहले से कार्यरत लोगों का अधिकार है? क्या नई पीढ़ी की योग्यता, मेहनत और उम्मीदों का कोई महत्व नहीं है?

सरकार को इस समस्या का व्यावहारिक और मानवीय समाधान निकालना चाहिए। संविदा की अवधि पूरी होने पर संबंधित कर्मचारियों को अचानक बेरोजगारी के हवाले करने के बजाय वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एक व्यवस्थित मंच तैयार किया जाए। उनके अनुभव और योग्यता के आधार पर निजी कंपनियों, संस्थानों, गैरसरकारी संगठनों तथा अन्य रोजगार क्षेत्रों से जोड़ने की पहल हो। इसके लिए विशेष रोजगार मेले, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार सहायता केंद्र और पुनर्नियोजन कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। इससे वर्षों तक सरकारी योजनाओं में काम कर चुके कर्मचारियों को अपने अनुभव के अनुरूप नया रोजगार तलाशने में मदद मिलेगी। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुरक्षित रह सकेगी। दूसरी ओर, संबंधित पदों पर आवश्यकता और नियमों के अनुसार नई नियुक्तियां होने से योग्य बेरोजगार युवाओं को भी अवसर मिलेगा। यह व्यवस्था पुराने अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर सकती है।

सरकार को यह भी समीक्षा करनी चाहिए कि किन पदों पर स्थायी रूप से कर्मचारियों की जरूरत है। यदि किसी विभाग में वर्षों से एक ही पद पर संविदा कर्मियों से नियमित काम लिया जा रहा है, तो वहां पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से स्थायी नियुक्तियों पर विचार होना चाहिए। चयन में योग्यता, आरक्षण, निष्पक्षता और समान अवसर के संवैधानिक सिद्धांतों का पालन अनिवार्य है। दूसरी ओर, कर्मचारियों को भी यह समझना होगा कि किसी व्यवस्था को स्वीकार करने के बाद उसमें बदलाव की मांग केवल दबाव के आधार पर उचित नहीं ठहराई जा सकती। यदि सेवा शर्तों में कोई अन्यायपूर्ण प्रावधान है या सरकार की ओर से समझौते का उल्लंघन हुआ है, तो उसके समाधान के लिए कानूनी और लोकतांत्रिक रास्ते खुले हैं। लेकिन निर्धारित अवधि को समाप्त होने से रोकने के लिए हर बार आंदोलन या दबाव को ही रास्ता बनाना उचित समाधान नहीं है। अंततः सरकार की जिम्मेदारी केवल वर्तमान कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए रोजगार के रास्ते खोलना भी है। संविदा कर्मचारियों को सम्मान, उचित मानदेय और वैकल्पिक रोजगार का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन नए योग्य युवाओं के हक की कीमत पर नहीं। नियुक्ति की शर्तों का सम्मान, पारदर्शी चयन और समान अवसर ही स्वस्थ रोजगार व्यवस्था की बुनियाद हैं। सरकार ऐसी नीति बनाए जिसमें न पुराने कर्मचारियों का अनुभव व्यर्थ जाए और न नई पीढ़ी की प्रतिभा बेरोजगारी की भीड़ में खो जाए। आखिर सरकारी व्यवस्था किसी एक वर्ग की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के हित और न्याय के लिए संचालित होनी चाहिए।



आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालते हैं सोशल मीडिया पर दूसरों के रिएक्शन

इंटरनेट के इस युग में हम सभी के लिए सोशल मीडिया एक जरूरत बनता जा रहा है। सुबह उठकर हम सभी सबसे पहले अपने फोन को चेक करते हैं और सोशल मीडिया पर जाकर स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं। दूसरों की पोस्ट को लाइक करने से लेकर कमेंट लिखने व पढ़ने का यह सिलसिला हर किसी की जिन्दगी का एक हिस्सा बन चुका है। अधिकतर लोग अपनी लाइफ को सोशल मीडिया पर शेयर करना पसंद करते हैं। हालांकि, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन कभी-कभी दूसरों से कनेक्ट करने वाला यह प्लेटफार्म आपकी लत बन जाता है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर दूसरों के रिएक्शन आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले लें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही संकेतों के बारे में बता रहे हैं, जो यह बताते हैं कि अब आपको एक सोशल मीडिया ब्रेक ले लेना चाहिए-

बहुत अधिक तनाव होना

अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से आप खुद को बहुत अधिक तनाव में महसूस करते हैं या फिर आपको एक भारीपन का अहसास होता है तो ऐसे में आपको सोशल मीडिया से ब्रेक ले लेना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया पर मौजूद नेगेटिव खबरों व ऑनलाइन विवादों के लगातार संपर्क में रहने से आप भी नेगेटिव फील कर सकते हैं।

असंतुष्ट महसूस करना

जहां सोशल मीडिया दूसरों से कनेक्ट करने का एक अच्छा तरीका है। वहीं, इन प्लेटफॉर्म पर लोग खुद की तुलना दूसरों से जरूर करते हैं। जिसके कारण उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचती है। यह भी संभव है कि आप दूसरों के जीवन या लाइफस्टाइल को देखकर खुद में असंतुष्टि का अहसास करने लगें। अगर आपके मन में ऐसी फीलिंग्स बढ़ने लगी हैं तो बेहतर होगा कि आप एक कदम पीछे लें और कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

नींद पर असर पड़ना

सेहतमंद रहने के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। लेकिन ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जो सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। खासतौर से, बेडटाइम पर स्क्रॉल करने की उनकी आदत होती है। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसका अर्थ है कि आप अपने स्लीप पैटर्न के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इससे आपको कई तरह के हेल्थ इश्यूज का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि इस आदत को तोड़ने के लिए आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बना लें।

प्रोडक्टिविटी में कमी आना

जिन लोगों को सोशल मीडिया की लत लग जाती है, वे अपना अधिकतर समय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ही बिताना पसंद करते हैं। ऐसे में उनकी प्रोडक्टिविटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगता है। हो सकता है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार काम ना कर रहे हों या फिर उनके काम की क्वालिटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगा हो। अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है तो आपको सोशल मीडिया को अलविदा कह देना चाहिए।

सूर्या की फिल्म 'सीन का रोमांचक ट्रेलर जारी, 6 नवंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक



दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता सूर्या की आगामी फिल्म 'सीन का ट्रेलर जारी हो गया है। ट्रेलर सामने आते ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। 'रोमांचम और 'आवेशम जैसी फिल्मों के लिए चर्चित निर्देशक जितु माधवन ने इस फिल्म को एक्शन, रहस्य और हास्य के मिश्रण के रूप में तैयार किया है। ट्रेलर में सूर्या का नया अंदाज और कहानी की दिलचस्प झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में सूर्या पुलिस अधिकारी 'इनबराज की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी नौकरी छोडने का फैसला करता है। उसके वरिष्ठ अधिकारी और सहकर्मी उसे वापस लाने की कई कोशिशें करते हैं, लेकिन वह अपने फैसले पर अडिग रहता है। इसी बीच उसकी जिंदगी में नया मोड़ आता है, जब अभिनेत्री नाज़रिया द्वारा निभाया गया 'माया का किरदार घरेलू सहायिका के रूप में उसके जीवन में प्रवेश करता है।

फिल्म की कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है, जब पुलिस के सामने 'ईश्वरन नाम के एक बेहद तेज दिमाग वाले व्यक्ति की चुनौती खड़ी होती है। ईश्वरन की भूमिका नास्लेन ने निभाई है। पुलिस को उसका मुकाबला करने के लिए एक योग्य अधिकारी की जरूरत पड़ती है। ऐसे में नौकरी छोड़ चुके इनबराज को दोबारा जिम्मेदारी संभालने के लिए बुलाया जाता है। ट्रेलर में सूर्या के साथ नाज़रिया भी एक्शन करती नजर आ रही हैं। वहीं, कहानी में हास्य के कई प्रसंग भी देखने को मिलेंगे। फिल्म में लाल, आनंदराज सहित कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का संगीत सुशिन श्याम ने तैयार किया है। तमिल सिनेमा में संगीतकार के तौर पर यह उनकी पहली फिल्म है। 'सीन का निर्माण सूर्या और ज्योतिका ने किया है। फिल्म 6 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। 'करुप्पु और 'विश्वनाथ एंड संस के बाद सूर्या की इस फिल्म से भी प्रशंसकों को काफी उम्मीदें हैं। दर्शकों को उम्मीद है कि 'सीन के जरिए अभिनेता लगातार तीसरी सफलता हासिल कर सकते हैं।

सूर्या की 'सीन' को मिला यू/ए प्रमाणपत्र, ओवरसीज मार्केट में एडवांस बुकिंग शुरू: फिल्म 'सीन' के ट्रेलर की अपार सफलता के बाद सेंसर बोर्ड ने इसे यू/ए (U/A) प्रमाणपत्र देकर पास कर दिया है। इसी के साथ विदेशी बाजारों—यूके, अमेरिका और खाड़ी देशों में फिल्म की एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है, जहाँ शुरुआती रुझानों में शानदार रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है।

ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि जितु माधवन का निर्देशन और सुशिन श्याम का तमिल डेब्यू फिल्म के आकर्षण को दोगुना कर रहा है। 6 नवंबर को रिलीज हो रही इस बहुभाषी फिल्म को लेकर सिनेमाघरों में शुरुआती शो बढ़ाने की मांग भी जोर पकड़ने लगी है।

अभिनेत्री कंगना पर राणा दग्गुबाती का अगला दांव

स्केरी पिक्चर का किया ऐलान



बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत और दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता एवं फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती एक नई फिल्म के लिए साथ आए हैं। राणा दग्गुबाती बतौर निर्माता भूतिया फिल्म 'स्केरी पिक्चर बना रहे हैं, जिसमें कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन तेलुगु सिनेमा के अभिनेता और फिल्म निर्माता रवि बाबू करेंगे। यह उनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म होगी। फिल्म की घोषणा हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित 'हॉररकॉन इंडिया 2026 के दौरान की गई। कार्यक्रम में राणा दग्गुबाती ने बताया कि यह एक भूतिया फिल्म है, जिसे उनके मित्र रवि बाबू निर्देशित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रवि बाबू तेलुगु भाषा में कई भूतिया फिल्मों का निर्माण और निर्देशन कर चुके हैं। अब वह पहली बार हिंदी फीचर फिल्म लेकर आ रहे हैं। राणा ने यह भी बताया कि फिल्म के शीर्षक की घोषणा सबसे पहले इसी मंच से की जा रही है। अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम खाते पर राणा दग्गुबाती का वीडियो साझा कर फिल्म से जुडने की पुष्टि की। इसके साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। 'स्केरी पिक्चर में कंगना मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि राणा दग्गुबाती निर्माण की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म की कहानी और अन्य कलाकारों को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।



अनीत पड्डा की प्रतिक्रिया वायरल

फिल्म सैयारा से अपनी पहली ही फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में यशराज फिल्म्स द्वारा अहान पांडे की अगली फिल्म बेपरवाह का आधिकारिक पोस्टर जारी किया गया, जिसमें वे अभिनेत्री शरवरी वाघ के साथ मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। पोस्टर जारी होने के बाद अहान की पहली सह-कलाकार अनीत पड्डा का इस पर आया रिएक्शन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी पहली फिल्म सैयारा की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद अहान पांडे और अनीत पड्डा के बीच ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब अहान की नई फिल्म बेपरवाह का पोस्टर सामने आने पर अनीत पड्डा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्टर साझा करते हुए दिल का इमोजी बनाया और प्रोडक्शन हाउस के आधिकारिक अकाउंट पर द बेस्ट लिखकर कमेंट किया।



केदारनाथ दर्शन विवाद में सारा अली खान के समर्थन में उतरीं सोनिया बंसल

अभिनेत्री सारा अली खान के केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने को लेकर उठे विवाद के बीच 'बिग बॉस 17 से चर्चा में आईं अभिनेत्री सोनिया बंसल उनके समर्थन में सामने आई हैं। सोनिया ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की धार्मिक आस्था उसका निजी मामला है। हर इंसान को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धार्मिक स्थल पर जाकर प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से धर्म के आधार पर किसी को परखने के बजाय प्रेम, इंसानियत और आपसी सम्मान को महत्व देने की अपील की।



सोनिया ने कहा कि सारा अली खान एक अच्छी अभिनेत्री हैं और हमेशा अपने दिल की सुनती हैं। वह कई बार केदारनाथ जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सारा फिल्म 'केदारनाथ का हिस्सा रही हैं, जिसमें मंदिर की पृष्ठभूमि में आस्था, प्रेम और इंसानियत की कहानी दिखाई गई थी। सोनिया के मुताबिक, आशीर्वाद लेने जैसी निजी बात को विवाद का विषय बनाना समझ से परे है। सारा भी अन्य लोगों की तरह प्रार्थना और मानसिक शांति की इच्छा रखती हैं। सोनिया ने कहा कि समाज में लोग बहुत जल्दी हर बात को धर्म से जोड़ देते हैं। यह सोचने की जरूरत है कि हम अपने बच्चों को कैसा समाज देना चाहते हैं। उन्हें लोगों से प्रेम करना, उन्हें अपनाना और उनका सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए, न कि सबसे पहले उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अंतर करना। उन्होंने कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन हम अब भी हिंदू और मुस्लिम पहचान को लेकर बहस में उलझे हुए हैं। समाज को इस सोच से आगे बढ़ने की जरूरत है। अभिनेत्री ने कहा कि मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे धार्मिक स्थल शांति, भक्ति और अपनापन महसूस करने की जगह हैं। यदि कोई मंदिर में सिर झुकाना चाहता है, मस्जिद में इबादत करना चाहता है या चर्च में जाकर सुकून पाना चाहता है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक धार्मिक स्थल का सम्मान होना चाहिए और हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार प्रार्थना करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पहचान से पहले हम सभी इंसान हैं। सोनिया ने कहा कि यदि हम एक-दूसरे की आस्था का सम्मान नहीं कर सकते, तो आने वाली पीढ़ी के लिए कैसा समाज तैयार कर रहे हैं? किसी की नीयत पर धर्म के नाम पर सवाल उठाना दुखद है। आस्था बेहद निजी विषय है और जब कोई व्यक्ति भगवान के सामने खड़े होकर आशीर्वाद मांगता है, तो उसके मन में क्या चल रहा है, यह कोई दूसरा नहीं जान सकता। उन्होंने कहा कि सारा अली खान ने अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया है और लोगों के दिलों में जगह बनाई है। उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व की सराहना होनी चाहिए, न कि किसी धार्मिक स्थल पर जाने के कारण उन्हें विवाद में घसीटा जाना चाहिए। सोनिया ने उम्मीद जताई कि समाज में नफरत के बजाय प्रेम और आपसी सद्भाव को बढ़ावा दिया जाएगा। गौरतलब है कि सारा अली खान 25 अक्टूबर को केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। इस दौरान उनकी दर्शन के लिए कतार में खड़े होने की तस्वीरें सामने आई थीं। मंदिर के बाहर भी उन्हें हाथ जोड़कर प्रार्थना करते देखा गया था। उनकी इस यात्रा के बाद विवाद शुरू हो गया।

संजय मिश्रा की फिल्म तेरा साईं की रिलीज तारीख का ऐलान

5 फरवरी 2027 को होगी रिलीज



अभिनेता संजय मिश्रा अब तक अपने फिल्मी करियर में गंभीर से लेकर हास्य तक कई तरह की भूमिकाएं निभा चुके हैं। अब वह पहली बार बड़े पर्दे पर साईं बाबा के किरदार में नजर आएंगे। उनकी आगामी फिल्म 'तेरा साईं की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है। इसमें संजय मिश्रा साईं बाबा के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनके आसपास कुछ अनुयायी भी नजर आ रहे हैं, जबकि एक छोटा बच्चा रोता हुआ दिखाई देता है। संजय मिश्रा का यह नया रूप दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। 'तेरा साईं की कहानी साईं बाबा के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनसे जुड़ी चमत्कारिक घटनाओं पर आधारित होगी। फिल्म का निर्देशन पलाश मुच्छल ने किया है, जबकि इसका निर्माण शैलेश एस. सांघवी के निर्माण संस्थान एस3 फिल्म्स के तहत किया गया है। फिल्म में संजय मिश्रा के अलावा सयाजी शिंदे, मनोज जोशी, ओंकार दास मानिकपुरी, अविका गौर और रोहन मेहरा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का वितरण सिनेपोलिस पूरे देश में करेगा। 'तेरा साईं को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। यह फिल्म हिंदी, मराठी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साईं बाबा के जीवन और संदेशों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने वाली इस फिल्म से दर्शकों को एक अलग तरह की सिनेमाई अनुभूति मिलने की उम्मीद है।

वर्षा उसगांवकर ने लगाए सिंटा के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप



बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर ने संस्था सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) के कर्मचारियों पर एक विशेष गुट के साथ मिलीभगत करने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। अभिनेत्री वर्षा का कहना है कि सिंटा के कर्मचारी पूनम ढिल्लों और पद्मिनी कोल्हापुरे के गुट के साथ मिले हुए हैं। उनका कहना है कि जब भी संस्था के फंड या सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) के विवरण के बारे में सवाल पूछे जाते हैं, तो कर्मचारी सही जानकारी देने से साफ इनकार कर देते हैं। अपने कार्यालय दौरे के दौरान अपनी बात रखते हुए वर्षा उसगांवकर ने कहा कि किसी भी पंजीकृत संगठन के कर्मचारियों की प्राथमिक वफादारी पूरी संस्था और उसके सभी सदस्यों के प्रति होनी चाहिए। कर्मचारी किसी कार्यकारी समिति के व्यक्तिगत नौकर नहीं होते, लेकिन सिंटा के मामले में कर्मचारी एक विशेष गुट के इशारे पर काम कर रहे हैं। वर्षा ने विशेष रूप से संस्था के मुख्य लेखाकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी फिक्स्ड डिपॉजिट या जमा राशि के बारे में जानकारी मांगी जाती है, तो वे मुझे नहीं पता या मैं उस दिन अवकाश पर था जैसे गैर-जिम्मेदाराना जवाब देकर बात को टाल देते हैं। वर्षा ने इसे सदस्यों के पैसे की लूट करार दिया और कहा कि यह एक ट्रस्ट का पैसा है जिसे सदस्यों की अनुमति के बिना छूना पूरी तरह से गैर-कानूनी है। गौरतलब है कि सिंटा का यह विवाद कुछ माह पूर्व तब भड़का था जब 21 सदस्यीय कार्यकारी समिति के 11 सदस्यों ने तानाशाही रवैये का आरोप लगाते हुए एक साथ इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद संस्था दो विरोधी गुटों में बंट गई, जिनमें एक तरफ पूनम ढिल्लों और पद्मिनी कोल्हापुरे का गुट है तथा दूसरी तरफ उपासना सिंह और साहिला चड्ढा का गुट है। उपासना सिंह ने भी आरोप लगाया था कि विवादित स्थिति में बैंक खाते फ्रीज होने के बावजूद फिक्स्ड डिपॉजिट को तोड़कर धनराशि निकाली गई। इस पूरे मामले में अब अदालत ने भी कड़ा संज्ञान लिया है और सिंटा को अवमानना का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही अदालत ने 20 अक्टूबर के चुनाव परिणामों को लागू करने पर रोक लगा दी है, जिसमें पूनम और पद्मिनी के गुट ने जीत का दावा किया था। कुल मिलाकर सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन के भीतर जारी अंदरूनी कलह और प्रशासनिक विवाद अब कानूनी और सार्वजनिक मंच पर बेहद गंभीर रूप ले चुका है।

ज्यादा खाने के बाद पाचन स्वास्थ्य को आराम देने के लिए अपनाएं ये सुझाव



कई लोग एक दिन में ज्यादा खाने के बाद असहज महसूस करते हैं और उनके पाचन पर भी असर पड़ता है। ज्यादा खाना पाचन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है और इससे बचाव के लिए खुद को नियंत्रित करना चाहिए। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे। आइए जानते हैं कि ज्यादा खाने के बाद पाचन को कैसे बहाल किया जा सकता है।

हल्का-फुल्का व्यायाम करें: ज्यादा खाने के बाद हल्का-फुल्का व्यायाम करना बेहतर होता है। इससे आपका पाचन तंत्र सक्रिय हो सकता है और अतिरिक्त कैलोरी जल सकती हैं। आप टहल सकते हैं या फिर कुछ हल्के खिंचाव वाले व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आपको आराम महसूस होगा। इसके अलावा हल्के व्यायाम से आपका मन भी अच्छा रहेगा और आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे।

पानी अधिक पिएं: ज्यादा खाने के बाद पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी पीने से आपके शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और पाचन प्रक्रिया को आराम मिलता है। आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देता है और पानी की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा पानी पीने से आपको ऊर्जा मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह आपके शरीर को ठंडक भी पहुंचाता है।

हल्का भोजन करें: ज्यादा खाने के बाद अगले दिन हल्का भोजन करना बेहतर होता है। आप दही, खिचड़ी या सूप जैसी चीजें खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाती हैं और आपके शरीर को पोषण देती हैं। इससे आपका पाचन तंत्र भी आराम करेगा और आपको भारीपन महसूस नहीं होगा। हल्का भोजन खाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और शरीर को ऊर्जा मिलेगी। इसके अलावा हल्का भोजन आपके शरीर को हानिकारक तत्वों से मुक्त करने में मदद करेगा।

आराम करें: ज्यादा खाने के बाद आराम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका शरीर फिर से ऊर्जा प्राप्त कर सकता है और मानसिक शांति भी मिलती है। आप सो सकते हैं या फिर कुछ देर के लिए चुपचाप बैठ सकते हैं और गहरी सांस ले सकते हैं, जिससे आपका मन शांत रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। आराम करने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप फिर से सक्रिय होने के लिए प्रेरित होंगे।



नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में रोहित से ज्यादा शतक लगा सकते हैं विराट : पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में रोहित शर्मा की तुलना में विराट कोहली के शतक लगाने की संभावना अधिक है। उन्होंने इसके पीछे दोनों खिलाड़ियों की बल्लेबाजी की भूमिका और परिस्थितियों को वजह बताया। वहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो अलग-अलग वनडे टीमों के चयन और यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी राय रखी। दोनों ने ये बातें जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'आउट ऑर नॉट आउट' में कहीं। जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'आउट ऑर नॉट आउट' में पुजारा ने कहा कि रोहित शर्मा की भूमिका पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की होती है। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में उनकी यह भूमिका बदल सकती है और वह शतक लगाने के लिए अधिक समय ले सकते हैं। हालांकि, विराट कोहली के पास शतक बनाने की संभावना थोड़ी ज्यादा है, क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और उनकी भूमिका पारी को संभालने की होती है। उन्होंने कहा, "विराट का खेल पारी को संभालने पर आधारित है। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी के लिए वनडे प्रारूप में शतक बनाना थोड़ा आसान हो जाता है। सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी तय होती है, लेकिन न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में उसमें कुछ बदलाव आ सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ रोहित की तुलना में विराट के शतक लगाने की संभावना अधिक है।" अभिषेक नायर ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को भारतीय टीम और मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड ने पिछली बार भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज जीती थी, जिससे भारतीय प्रशंसकों को निराशा हुई थी। ऐसे में आगामी टेस्ट सीरीज में भारत को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

नायर ने कहा, "न्यूजीलैंड भारत आया था और उसने टेस्ट सीरीज में हमें हराया था। इससे मुझे भी तकलीफ हुई थी और बाकी प्रशंसकों को भी। यह बड़ी सीरीज है। विश्व कप महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी उसके लिए समय है। मेरे लिए यह टेस्ट सीरीज गौतम गंभीर और भारतीय प्रशंसकों के लिहाज से निर्णायक है।" उन्होंने आगे कहा, "मैं चाहता था कि केएल राहुल और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी, जो दोनों प्रारूपों में खेल रहे हैं, टेस्ट क्रिकेट पर ही ध्यान दें। क्योंकि अब उन्हें पहले वनडे की तैयारी करनी है और उसके बाद टेस्ट मैच खेलने हैं। मेरी राय में उन्हें एक-दो महीने लाल गेंद से अभ्यास करने का समय देना चाहिए था। जिस तरह न्यूजीलैंड ने भारत में हमें हराया, उसी तरह हमें वहां जाकर उसे हराना चाहिए।" यशस्वी जायसवाल को वनडे टीम में शामिल नहीं किए जाने पर नायर ने कहा कि चयनकर्ताओं ने संभवतः उनसे इस बारे में बात की होगी। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और शुभमन गिल के पारी की शुरुआत करने के कारण जायसवाल को वनडे टीम में मौका नहीं मिला होगा। ऐसे में उन्हें टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलना चाहिए। नायर के अनुसार, जायसवाल को यह समझाया गया होगा कि वनडे टीम में जगह नहीं मिलने के दौरान वह रणजी ट्रॉफी खेलकर अपनी तैयारी बेहतर कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड ए को पहली पारी में मिली 78 रन की बढ़त, मुकेश कुमार ने झटके पांच विकेट

एजेंसी, क्राइस्टचर्च



तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज ने चार विकेट झटके। इसके बावजूद न्यूजीलैंड ए के निचले क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत मेजबान टीम पहली पारी में 424 रन बनाने में सफल रही और भारत ए पर 78 रन की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 32 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन क्रीज पर मौजूद थे। भारत ए अभी भी न्यूजीलैंड ए से 46 रन पीछे है। तीसरे दिन न्यूजीलैंड ए ने तीन विकेट पर 218 रन से आगे खेलना शुरू किया। पिछले दिन शतक लगाने वाले मैथ्यू बॉयल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट और मिचेल हे ने भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक सफलता से दूर रखा। दोनों ने एक घंटे से अधिक समय तक मोर्चा संभाले रखा। सिराज ने फॉक्सक्रॉफ्ट को 93 रन के निजी स्कोर पर पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। यह दिन का उनका दूसरा विकेट था। अगले ओवर में मिचेल हे विकेट के पीछे कैच दे बैठे, जबकि इसके कुछ ही देर बाद ब्रेट रैंडेल भी आउट हो गए। लगातार विकेट गिरने से भारत ए ने मुकाबले में वापसी की और न्यूजीलैंड ए का स्कोर सात विकेट पर 291 रन हो गया। हालांकि, इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को जमकर चुनौती दी। न्यूजीलैंड ए के आखिरी तीन विकेटों ने 133 रन जोड़कर टीम का स्कोर 424 रन तक पहुंचा दिया। फ्रेजर शीट ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 40 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। दसवें नंबर के बल्लेबाज जेडन लेनॉक्स और अंतिम बल्लेबाज जारोड मैके ने करीब 25 ओवर तक भारतीय गेंदबाजों का सामना किया। इस साझेदारी को दूसरे ओवर में ही तोड़ने का मौका मिला था, लेकिन सिराज ने 12 रन पर खेल रहे लेनॉक्स का आसान कैच छोड़ दिया। भारतीय स्पिनरों को भी लगातार 45 ओवर की गेंदबाजी के बाद सफलता मिली। वाशिंगटन सुंदर ने अपनी पारी के 30वें ओवर में मैके को बोल्ड कर न्यूजीलैंड ए की पारी समेट दी। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरे यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन ने दिन का बाकी खेल बिना किसी परेशानी के निकाल दिया। दोनों ने भारत ए का स्कोर बिना विकेट खोए 32 रन तक पहुंचाया।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से उबर रहे हैं, लेकिन चार नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चैपमैन को यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हाल ही में कराई गई एमआरआई जांच के बाद उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए दो सप्ताह और पुनर्वास की जरूरत है। वहीं, रचिन रवींद्र एक प्रचार कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान हुए हादसे में दाएं कंधे की हड्डी खिसकने के कारण चोटिल हो गए थे। उन्हें भी मैदान पर पूरी क्षमता से उतरने के लिए अभी और समय चाहिए। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि चैपमैन और रचिन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। चैपमैन चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि रचिन का कंधा अभी सफेद गेंद के क्रिकेट में आराम से क्षेत्ररक्षण करने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है, इसलिए टीम उनके मामले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले ही सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट अंतिम दो मुकाबलों के लिए टीम से जुड़ेंगे। तेज गेंदबाज मैट फिशर को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान ने अब तक की सर्वोच्च आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग हासिल की

एजेंसी, दुबई



अफगानिस्तान ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय टीम रैंकिंग में श्रीलंका को पीछे छोड़ते हुए छठा स्थान हासिल कर लिया है। यह एकदिवसीय रैंकिंग में अफगानिस्तान की अब तक की सर्वश्रेष्ठ स्थिति है। अफगानिस्तान ने 2009 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से लगातार प्रगति की है।

टीम ने 2023 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2024 में पहली बार आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अफगानिस्तान ने अब तक 191 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 96 में जीत दर्ज की है। इस प्रारूप में उसका जीत-हार अनुपात 1.09 है। अफगानिस्तान पहले ही बांग्लादेश, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी अनुभवी टीमों से आगे था। अब श्रीलंका को पीछे छोड़कर उसने रैंकिंग में छठा स्थान हासिल कर लिया है। टीम की हालिया सफलताओं में आयरलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर चार मैचों की श्रृंखला में 4-0 से जीत और जिम्बाब्वे तथा बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में अपराजित रहना शामिल है।

अफगानिस्तान ने हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में भी जिम्बाब्वे का सूपड़ा साफ किया है। अब टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए तैयार है।

बिजनेस

भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

- राजेश अग्रवाल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय आयोग के अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रुसेल्स में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बाजार पहुंच बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की है। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर होने हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय (डीजी ट्रेड) की महानिदेशक डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। इन बैठकों में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने कारोबारियों को समर्थन देने, लेन-देन की लागत को कम करने और वैध व्यापार की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने में कुशल, पारदर्शी एवं डिजिटल रूप से सक्षम सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के महत्व को स्वीकार किया। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को इस समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इससे चमड़ा, कपड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके सचिव ने हीरा उद्योग के हितधारकों से मुलाकात की। इनमें एंटवर्प के हीरा कारोबार से जुड़े प्रतिनिधि भी शामिल थे।

एंटवर्प (बेल्जियम) को दुनिया की 'हीरा राजधानी' कहा जाता है। वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला, प्रमाणन एवं पता लगाने संबंधी आवश्यकताओं, जिम्मेदारी से हीरों की खरीद तथा भारत के बढ़ते हीरा बाजार और विनिर्माण क्षेत्र से पैदा होने वाले अवसरों पर चर्चाएं की गईं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत और बेल्जियम ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचाना है। एंटवर्प, मुंबई और सूरत को हीरे के प्रमुख केंद्रों के रूप में मान्यता दी गई है।

हवाई अड्डों के शुल्क और कर कम होने से भारतीय बाजार में विमानन क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा : विली वॉल्श

एजेंसी, नई दिल्ली । इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने सोमवार को कहा कि भारत में एयरपोर्ट शुल्क बहुत अधिक हैं, इन्हें कम करने के साथ-साथ करों में कटौती से विमानन क्षेत्र को विस्तार का मौका मिलेगा। वॉल्श ने कहा कि सभी संबंधित पक्षों को अपनी लागत पर भी ध्यान देने की जरूरत है, ताकि विमानन क्षेत्र को आगे बढ़ने के ज्यादा मौके मिल सकें। नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि भारत में विमानन क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों को अपनी लागत कम करने पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस कंपनियां एयरपोर्ट से बेहतर सुविधाएं और कम कीमत पर सेवाएं देने की उम्मीद करती हैं। उन्होंने कहा कि विमानन क्षेत्र में कई एयरपोर्ट का प्रभावी रूप से एकाधिकार है, ऐसे में उनकी कीमतों पर ध्यान देना जरूरी है। अगस्त में सीईओ का पदभार संभालने के बाद वॉल्श ने पहली बार प्रत्यक्ष रूप से अपनी बात रखी और कहा कि विमानन कंपनी को 2028 की दूसरी तिमाही से चौड़े आकार वाले ए350 विमान मिलने शुरू होने की उम्मीद है।

निसान मोटर इंडिया ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में कुल 3,600 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की

एजेंसी, नई दिल्ली



वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अक्टूबर माह में घरेलू बाजार में कुल 3,600 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की है, जो पिछले साल इसी अवधि में बिकीं 2,402 इकाई के मुकाबले 50 फीसदी की वृद्धि है। निसान के लिए यह लगातार आठवां महीना रहा, जब कंपनी की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। निसान मोटर इंडिया ने सोमवार को अपनी अक्टूबर की बिक्री रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि जनवरी से अक्टूबर के बीच निसान ने घरेलू और विदेशी बाजारों को मिलाकर कुल 85,124 गाड़ियों की थोक बिक्री की है। कंपनी ने बताया कि घरेलू होलसेल बिक्री में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने बताया कि यह प्रदर्शन निसान के लगातार बढ़ते पोर्टफोलियो को प्रति ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को दिखाता है। इसके पोर्टफोलियो में नई निसान टेक्टॉन, मैग्नाइट और ग्रेवाइट है। साथ ही बढ़ते डीलर नेटवर्क से भी कंपनी के शानदार प्रदर्शन में योगदान मिला है। कंपनी व्यापक प्रोडक्ट ऑफरिंग, ग्राहकों तक ज्यादा पहुंच और उन्हें शानदार अनुभव देते हुए भारत में लगातार विकास करने पर फोकस कर रही है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि अक्टूबर में घरेलू बाजार में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज करना निसान ब्रांड में ग्राहकों के लगातार बढ़ते भरोसे और भारत में हमारी प्रगति को दिखाने वाली है। उन्होंने कहा कि जनवरी से अक्टूबर के बीच घरेलू एवं निर्यात बाजारों में 85,124 यूनिट्स की बिक्री के साथ हम लगातार अपने पोर्टफोलियो और डीलर नेटवर्क को मजबूत बना रहे हैं। सौरभ वत्स ने कहा कि धनतेरस और दीवाली आने वाली है और हम अपने खास प्रोडक्ट्स एवं बेहतरीन अनुभव के साथ अपने ग्राहकों को सर्विस देने पर फोकस करते रहेंगे। निशान सीईओ ने कहा कि अक्टूबर में निसान ने 4,710 यूनिट्स का निर्यात किया। कंपनी लगातार भारत में निर्माण करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को सर्विस दे रही है। अपनी 'वन कार, वन वर्ल्ड' की रणनीति के तहत निसान भारत एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध करा रही है, जिन्हें गुणवत्ता के वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह निसान के वैश्विक परिचालन में भारत की भूमिका को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि निसान के एसयूवी डीएनए पर डिजाइन की गई नई निसान टेक्टॉन में जापान की रिफाइंड क्राफ्टमैनशिप, इंटेलीजेंट टेक्नोलॉजी, कमांडिंग परफॉर्मेंस और हर दिन की व्यावहारिकता को साथ लाया गया है। मैग्नाइट एवं ग्रेवाइट के साथ-साथ टेक्टॉन भी सतत विकास की निसान की रणनीति में अहम भूमिका निभा रही है और भारतीय ऑटोमोटिव मार्केट के प्रमुख सेगमेंट्स में कंपनी की स्थिति को मजबूती दे रही है।

स्टॉक मार्केट में ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स की सांकेतिक बढ़त के साथ एंट्री, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली



रियल एसेट्स और प्राइवेट क्रेडिट मार्केट्स पर केंद्रित अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में फंड मैनेज करने और वैश्विक व घरेलू संस्थागत निवेशकों, एचएनआई और फैमिली ऑफिसों को इनवेस्टमेंट सॉल्यूशन देने वाली कंपनी ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड के शेयर आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 1,665 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 0.487 प्रतिशत के सांकेतिक प्रीमियम के साथ 1,673 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 0.63 प्रतिशत के मामूली प्रीमियम के साथ 1,675.50 रुपये के स्तर पर हुई। लगभग सपाट स्तर पर हुई लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर 1,601 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। वहीं बाद में लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 1,762.50 रुपये के स्तर तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 1,731.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 66.20 रुपये यानी 3.98 प्रतिशत का फायदा हो गया है।

सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट, सोना और चांदी की कीमत में मामूली कमी

एजेंसी, नई दिल्ली । सप्ताह के पहले दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,38,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,38,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला वेदांत पॉली फैब्स का आईपीओ, 9 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली



फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स का निर्माण करने और कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री को 3-लेयर तथा 5-लेयर एलडी फिल्म्स, श्रिंक फिल्म्स, बैरियर फिल्म्स, प्रिंटेड लैमिनेट्स सहित मिल्क एवं ऑयल पाउच की आपूर्ति करने वाली कंपनी वेदांत पॉली फैब्स लिमिटेड का 56.68 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। कंपनी मुख्य रूप से बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मॉडल पर काम करती है। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 11:30 बजे तक इस आईपीओ को 18 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 4 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 5 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 6 नवंबर को अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 9 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 से लेकर 94 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,25,600 रुपये का निवेश करना होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।